THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 252 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु. 3 2079 शनिवार, 26 नवंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

गहलोत के बयान से कांग्रेस चकित

जयराम रमेश बोले संगठन सर्वोपरि है, मिल-बैठकर हल निकालेंगे

इंदौर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर जो टिप्पणी की, उससे कांग्रेस भी चकित है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख जयराम रमेश को कहना पड़ा कि कांग्रेस में डर का माहौल नहीं है। हमारा हाईकमान तानाशाह नहीं है। पार्टी के नेता जो मन में आते हैं, वह बोल रहे हैं। अशोक गहलोत काफी अनुभवी नेता हैं। उनसे इस तरह के बयान की उम्मीद नहीं है। यह अप्रत्याशित लगा।

>14

एम्स से 4 करोड़ मरीजों का डेटा चोरी

अटल बिहारी-सोनिया गांधी समेत कई दिग्गजों का हुआ है इलाज

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एम्स के ऑनलाइन सिस्टम पर बड़े साइबर अटैक का खुलासा हुआ है। एम्स के सिस्टम से करीब 4 करोड़ मरीजों का डेटा चोरी हुआ है। यह देश के मेडिकल सेक्टर में अब तक की सबसे बड़ी हैकिंग है। 8 साल पहले एम्स के डेटा को पूरी तरह से डिजिटल हुआ था। उसके बाद एम्स में अटल बिहार सहित कई पूर्व प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का इलाज हो चुका है। इन सभी का पर्सनल डेटा एम्स के सर्वर से हैक हो चुका है।

पिछले दो दिन से एनआईसी, सीबीआई, आईबी, डीआरडीओ और दिल्ली पुलिस जांच में जुटी हुई है। उधर, एम्स के दो सिस्टम एनालिस्ट को निलंबित कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, डेटा हैक में इंटरनेशनल साइबर क्राइम का कनेक्शन होने की आशंका है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि कि ये साइबर टेरर से जुड़ा मामला है। इस संबंध में गुरुवार को एफआईआर दर्ज की गई है। दिल्ली एम्स का सर्वर बुधवार सुबह 7 बजे से डाउन है, जिसे करीब 48 घंटे बाद भी रिकवर नहीं किया जा सका है। इसके चलते अस्पताल में मरीजों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में दिक्कतें आ रही हैं।

जांच एजेंसियां एम्स में ऑनलाइन सेंट्रलाइज्ड सिस्टम से जुड़े सभी कंप्यूटर्स को खंगाल रही हैं। साइबर एक्सपर्ट और सॉफ्टवेयर इंजीनियर डेटा हैक के सोर्स और रिसीवर की तलाश में जुटी है। साथ ही साइबर अटैक के संभावित खतरे से निपटने के उपाय भी किए जा रहे हैं।

एम्स में इंटरनेट बंद कर दिया है। ई-हॉस्पिटल डेटाबेस और लैब इन्फॉर्मेशन सिस्टम के डेटा बेस को एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव में लिया गया है। चार एक्सट्रा सर्वर लगाए गए हैं। ओपीडी और आईपीडी में सभी काम मैन्युअली हो रहे हैं।

अमिताभ के नाम, आवाज फोटो के इस्तेमाल पर रोक

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को अमिताभ बच्चन का नाम, आवाज और फोटो को उनकी परमिशन के बिना इस्तेमाल पर रोक लगा दी। कोर्ट ने यह अंतरिम आदेश उनकी एक याचिका पर दिया, जिसमें वे पब्लिसिटी और पर्सनैलिटी राइट्स चाहते थे। हाईकोर्ट ने इलेक्ट्रानिक एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री और टेलिकॉम सर्विसेस को भी उनके बताए कंटेंट हटाने का आदेश दिया।

>14

छह दिसंबर को सर्वदलीय बैठक, शीतकालीन सत्र को लेकर होगी चर्चा

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने महत्वपूर्ण विधायी कार्य पर चर्चा करने के लिए शीतकालीन सत्र शुरू होने से एक दिन पहले छह दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस दौरान वह संसद के शीतकालीन सत्र में उठाए जाने वाले संभावित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे। जोशी ने एक पत्र में कहा कि विधायी कार्य और संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में संभावित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लोकसभा/राज्यसभा में राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं की बैठक के लिए आपको आमंत्रित करते हुए मुझे खुशी हो रही है।

दोनों सदनों को सुचारू रूप से चलाने के लिए सहयोग की अपील

मंत्री ने दोनों सदनों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने में भी सहयोग मांगा। उन्होंने लिखा कि मैं दोनों सदनों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए आपका सहयोग भी चाहता हूं। बैठक मंगलवार 6 दिसंबर 2022 को संसद पुस्तकालय भवन, संसद भवन में सुबह 11.00 बजे आयोजित की जाएगी।

सात दिसंबर से शुरू होगा संसद का शीतकालीन सत्र

संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर 2022 से शुरू होगा और 29 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें 23 दिनों में 17 बैठकें होंगी। अमृत काल के बीच सत्र के दौरान रचनात्मक बहस और विधायी कार्य व अन्य मदों पर चर्चा के लिए तत्पर हैं।

26/11 के दोषियों पर प्रतिबंध लगाने से रोका गया

यूएन में भारत ने कहा राजनीतिक कारण बाधा बने

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने कहा कि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के दोषियों और मददगारों पर राजनीतिक कारणों से प्रतिबंध नहीं लगाया गया। इसके चलते आरोपी आजाद घूमते रहे और देश के खिलाफ सीमा पार से हमले करते रहे। यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि और राजदूत रुचिरा कंबोज बोल रही थीं। उन्होंने कहा, आतंकवाद अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना है।

4 दिन तक शहर में घूमते रहे आतंकी :

आईएसआईएस और अल-कायदा से जुड़े संगठन एशिया और अफ्रीका में आम लोगों और सुरक्षाबलों को निशाना बना रहे हैं।

हमें भूलना नहीं चाहिए कि नवंबर 2008 में 10 आतंकवादी समुद्री रास्ते से पाकिस्तान से मुंबई में घुसे और 4 दिन तक शहर में तबाही मचाते रहे। हमले में आतंकियों ने 166 लोगों की हत्या की थी, जिसमें 26 विदेशी नागरिक भी शामिल थे।

भारत में घुसने के लिए आतंकियों की मदद की गई थी। भारत ने आतंकियों की मदद करने वालों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी, लेकिन राजनीतिक कारणों से यह संभव नहीं हो सका।

भारत-अमेरिका ने बैन लगाने का प्रस्ताव पेश किया था :

भारत और अमेरिका ने यूएन में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों हाफिज तलह सईद, लश्कर-ए-तैयबा के नेता शाहिद महमूद, लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर, वरिष्ठ जैश को ब्लैकलिस्ट करने की मांग उठाई थी। इसके साथ ही उनकी संपत्ति जब्त करने, यात्रा प्रतिबंध और हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे, लेकिन इसी साल जून में चीन ने इन प्रस्तावों पर अपना वीटो पावर का इस्तेमाल कर रोक लगा दी था।

"जाकी रही भावना जैसी"

खरगोन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार सुबह एक बार फिर शुरू हुई। मध्यप्रदेश में आज यात्रा का तीसरा दिन है। उनके साथ उनकी बहन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के अलावा दिग्विजय सिंह समेत मप्र कांग्रेस के सभी बड़े नेता चल रहे हैं। यात्रा की शुरूआत सुबह 6 बजे से खरगोन जिले के खेरदा गांव से हुई।

मॉर्निंग ब्रेक के लिए यात्रा सुबह 9.15 बजे पहले पड़ाव पर भानबरड पहुंची। खरगोन जिले में यात्रा का दूसरा फेस दोपहर बाद 3.30 बजे शुरू होगा, जो सनावद तक 13 किमी का रहेगा। शाम 6 बजे यात्रा मोरटक्का में विश्राम स्थल पर पहुंची। इसके बाद राहुल शाम करीब 6.20 बजे ओंकारेश्वर पहुंचे। जहां वे नर्मदा पूजन और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का दर्शन और पूजन किया।

गवर्नर को मिला अमृता फडणवीस का साथ

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी पर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की टिप्पणी पर विवाद के बीच, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस उनके समर्थन में उतर आई हैं। उनका मानना है कि राज्यपाल दिल से एक मराठी मानुष हैं। महाराष्ट्र आने के बाद उन्होंने मराठी सीखी है। राज्यपाल कोश्यारी की टिप्पणी के विरोध में शिंदे गुट के विधायकों ने भी नाराजगी जताई थी।

भाई की सजा प्रोफेसर को क्यों?

भीमा कोरेगांव मामले के आरोपी की बेल पर एनआईए को सीजेआई की फटकार

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भीमा कोरेगांव मामले के आरोपी आनंद तेलतुंबडे की जमानत के विरोध में सुप्रीम कोर्ट पहुंची एनआईए को सीजेआई ने कड़ी फटकार लगाई है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का कहना है कि केवल इस बिनाह पर कि उनका भाई 30 साल पहले अंडरग्राउंड हो गया था, इसकी सजा आनंद तेलतुंबडे को क्यों दी जाए। उनका कहना है कि आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर ने दलितों का जमावड़ा किया था। क्या इसके लिए उन पर यूएपीए लगाया जाना चाहिए। सीजेआई ने सवाल उठाया कि उस इवेंट का यूएपीए से क्या लिंक है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए की स्पेशल लीव पिटीशन को खारिज करते हुए कहा कि ये बेवजह दायर की गई है। एजेंसी ने बांबे हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें 73 साल के प्रोफेसर को बेल दी गई थी। हालांकि सीजेआई की बेंच का कहना है कि इस मामले में हाईकोर्ट के ऑब्जरवेशन को अंतिम न माना जाए जब तक कि इस मामले के सभी पहलुओं की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती है।

दीदी ने सुवेंदु को चाय पर बुलाया

कोलकाता, 25 नवंबर (एजेंसियां)। क्या पश्चिम बंगाल में सियासी माहौल सच में सुधर रहा है? क्या नए राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस की कही बातें सच साबित होंगी और सियासी कटुता खत्म होगी? इस बारे में पक्के तौर पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन माहौल सुधरने के संकेत मिलने लगे हैं। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी सत्र शुरू होने से पहले आज सीएम ममता बनर्जी से मिलने पहुंचे।

सुवेंदु शुक्रवार सुबह सीएम व टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता स्थित राज्य सचिवालय पहुंचे थे।

>14

तोड़-मरोड़कर लिखा गया भारतीय इतिहास को

दोबारा लिखने से हमें कौन रोक सकता है: अमित शाह

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इतिहासकारों से कहा है कि इतिहास को भारतीय संदर्भ में दोबारा लिखें, और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके प्रयासों को पूरा समर्थन देगी। असम सरकार के दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा, मैं इतिहास का विद्यार्थी हूं, और कई बार सुनने को मिलता है कि हमारा इतिहास सलीके से प्रस्तुत नहीं किया गया, तथा उसे तोड़ा-मरोड़ा गया है। शायद यह बात सच है, लेकिन अब हमें इसे ठीक करना होगा। 17वीं शताब्दी के अहोम जनरल लचित बारफुकन की 400वीं जयंती पर आयोजित तीन-दिवसीय समारोह के दूसरे दिन केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, मैं आपसे पूछता हूं - हमारे इतिहास को सही तरीके से और गौरवशाली तरीके से प्रस्तुत करने से हमें कौन रोक रहा है। बारफुकन की याद में 24 नवंबर को 'लचित दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा, मैं यहां मौजूद सभी विद्यार्थियों और यूनिवर्सिटी प्रोफेसरों से आग्रह करता हूं कि हमें इस चीज़ को लोगों के दिमाग से निकालना होगा कि हमारे इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है, और उन्हें भारत के किसी भी भाग में 150 वर्ष से ज़्यादा शासन करने वाले 30 साम्राज्यों और मुल्क की आज़ादी के लिए संघर्ष करने वाली 300 हस्तियों पर शोध करनी चाहिए।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, जब हम पर्याप्त लिख चुके होंगे, तो यह सोच कि इतिहास गलत पढ़ाया जा रहा है, अपने आप खत्म हो जाएगी।

विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित इतिहासकारों और विद्यार्थियों को आश्वस्त करते हुए अमित शाह ने कहा कि केंद्र उनकी शोध को पूरा समर्थन देगा। उन्होंने कहा, आगे आइए, शोध कीजिए और इतिहास को दोबारा लिखिए। इसी तरह हम अपनी अगली पीढ़ियों को प्रेरणा दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों के वृहद लाभ के लिए इतिहास को दोबारा समझे और देखे जाने का वक्त आ गया है। मुगल साम्राज्य के विस्तार को रोकने में लचित की भूमिका को उल्लिखित करते हुए अमित शाह ने कहा कि उन्होंने (लचित ने) सरियाघाट के युद्ध में अपने खराब स्वास्थ्य के बावजूद मुगलों को परास्त किया। केंद्रीय गृहमंत्री ने इस अवसर पर लचित पर बने एक वृत्तचित्र का लोकार्पण भी किया। अमित शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर भारत तथा शेष भारत के बीच मौजूद रही दूरी को पाट दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों की बदौलत पूर्वोत्तर भारत में शांति स्थापित हुई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से आग्रह किया कि लचित बारफुकन की पुस्तकों का कम से कम 10 भाषाओं में अनुवाद करवाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को लचित के साहस और बहादुरी के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

कुत्तों ने नोच डाली दो साल की मासूम बच्ची, 14 घंटे बाद झोंपड़ी के पास मिला शव

हमीरपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हमीरपुर शहर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दो साल की मासूम बच्ची को कुत्तों ने नोच डाला। मासूम बच्ची वीरवार रात करीब नौ बजे लापता हो गई थी। सुबह बच्ची का शव वार्ड नंबर आठ में झोंपड़ी के समीप मिला। पीड़ित परिवार पंजाब के होशियारपुर के भगतनगर का रहने वाला है। हमीरपुर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शहर में आवारा कुत्तों के कारण लोग दहशत में हैं। एसएचओ संजीव गौतम ने बताया कि पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

महिला साथी नेता को गाली देने का ऑडियो सामने आने के बाद बीजेपी नेता निलंबित

चेन्नई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु भाजपा ने अपने राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) विंग के नेता सूर्या शिवा को उनके पद से छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। उन्हें अल्पसंख्यक विंग की प्रमुख महिला नेता के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी करने और डराने-धमकाने के आरोप के चलते ये एक्शन लिया गया है। वायरल हुए ऑडियो में सूर्या शिवा कह रहे हैं कि वे डेजी सरन को उठवाने के लिए गुंडों को भेजेंगे और इसके साथ उन्होंने अभद्र टिप्पणी भी की थी।

गुरुवार को दोनों नेता अनुशासन समिति के समक्ष पेश हुए थे, हालांकि दोनों ने समझौता हो जाने की बात कही थी, लेकिन बीजेपी राज्य प्रमुख ने कहा कि पार्टी इसे यूं ही जाने नहीं दे सकती। सूर्या शिवा को छह महीने के लिए पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया है। तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख के अन्नामलाई ने कहा कि शिवा इस दौरान पार्टी के स्वयंसेवक के रूप में काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं को देवी के रूप में पूजती है। हम इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते।

भारत में दम तोड़ने की कगार पर कोरोना

बीते 24 घंटों में आए केवल 347 मरीज, तीन की मौत

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। देश में कोराना के मामलों में तेजी से गिरावट देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी शुक्रवार (25 नवंबर) के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के केवल 347 नए मामले सामने आए हैं। वहीं इस दौरान तीन मरीजों की मौत भी हुई। इसके अलावा देश में सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 5,516 हो गई है। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 5,30,604 लोगों की मौत हुई है और 4,41,34,710 लोग स्वस्थ हुए हैं।

कोरोना से इन राज्यों में गई लोगों की जान

बीते 24 घंटों में संक्रमण से दिल्ली, गुजरात और कर्नाटक में एक-एक मरीज की मौत हुई है। इससे पहले गुरुवार को देश में कोरोना संक्रमण के 408 नए मामले दर्ज किए गए थे। जबकि पांच लोगों की मौतें हुई थी। कल के मुकाबले आज 61 नए कोरोना मरीज सामने आए हैं। आंकड़ों के अनुसार, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98,80 प्रतिशत है। जबकि मृत्यु दर 1,19 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 219,89 खुराक दी जा चुकी हैं।

पूर्व सेना प्रमुख बोले

रक्षा सहयोगी के तौर पर अमेरिका भरोसेमंद नहीं, भारत को रहना चाहिए सतर्क

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल बिक्रम सिंह ने भारत को अमेरिका से सतर्क रहने की सलाह दी है। एसबीआई बैंकिंग एंड इकोनॉमिक कॉन्क्लेव के दौरान जनरल सिंह ने गुरुवार को कहा कि दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका ने अभी तक करीबी सहयोगियों के प्रति अपनी विश्वसनीयता साबित नहीं की है।

रणनीतिक और रक्षा सहयोगियों के साथ कभी भी अमेरिका ने खुद को भरोसेमंद नहीं किया साबित

उन्होंने कहा कि भारत क्वाड ग्रुपिंग का सदस्य होने के बावजूद अमेरिका से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने बीते कुछ सालों में भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है। उसके बाद भी अमेरिका के साथ सतर्कता के साथ आगे बढ़ें, क्योंकि रणनीतिक और रक्षा सहयोगियों के साथ कभी भी अमेरिका ने खुद को भरोसेमंद नहीं बनाया है।

अमेरिका अपने सभी बाहरी सैन्य हस्तक्षेपों में रहा है विफल

24वें सेना प्रमुख और 31 मई 2012 से 31 जुलाई 2014 के बीच सेवा करने वाले जनरल सिंह ने अमेरिका के साथ रणनीतिक व्यवहार में सतर्क दृष्टिकोण के अपने आह्वान को समझाते हुए कहा कि अमेरिका ने वियतनाम से अपनी सेना को दो बार निकाला है और हाल ही में अफगानिस्तान से। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने सभी बाहरी सैन्य हस्तक्षेपों में विफल रहा है और इसका एक मुख्य कारण यह था कि अमेरिका अपना काम दूसरों को आउटसोर्स कर रहा है।

क्वाड का उद्देश्य भारत-प्रशांत क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत करना

क्वाड एक राजनयिक नेटवर्क के रूप में शुरू हुआ जो मूल रूप से पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे द्वारा 2007 की शुरुआत में शुरू किया था और बाद में चार देशों के ब्लॉक के रूप में आकार ले लिया। इसका उद्देश्य भारत-प्रशांत क्षेत्र में कानून के शासन के आधार पर एक मुक्त और खुले अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत करना है। क्वाड में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

डोडा से रामबन जा रही बस में मिला संदिग्ध पैकेट, बम डिस्पोजल स्क्वाड कर रहा जांच

जम्मू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू के रामबन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक बस से संदिग्ध पैकेट मिला है। बस डोडा से रामबन जा रही थी। नाके पर चेकिंग के दौरान बस से यह संदिग्ध पैकेट मिलने की खबर है। संदिग्ध पैकेट में आईईडी होने का शक भी जताया गया है। पैकेट की जांच के लिए बम डिस्पोजल स्क्वाड मौके पर पहुंचा है। पैकेट की जांच की जा रही है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में पुलिस को गुरुवार (24 नवंबर) को सुबह एक संदिग्ध पैकेट मिला था। आशंका जताई गई थी कि संदिग्ध पैकेट को सीमा पार से एक ड्रोन के जरिये गिराया गया। एक ग्रामीण ने पुलिस को विजयपुर क्षेत्र के एक खेत में संदिग्ध पैकेट पड़े होने की सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी की और बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया।

रामबन में रची जा रही थी बड़ी आतंकी साजिश

पिछले महीने ही जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सुरक्षाबलों ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए गूल वन क्षेत्र में एक बैग से तीन आईईडी बरामद किए थे। अधिकारियों के अनुसार, बैग में विस्फोटकों के अलावा तीन पुलों की तस्वीरें भी मिली थी, जिससे ऐसा लगता है कि ये पुल आतंकवादियों के निशाने पर थे।

आढ़ती की दुकान से 5 लाख रुपये की लूट

बठिंडा (पंजाब), 25 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा जिले की मोड़ मंडी में शुक्रवार सुबह कार सवार दो युवक एक आढ़ती की दुकान से पांच लाख रुपये लूट कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह मोड़ मंडी निवासी विजय कुमार नामक आढ़ती ने रोजाना की तरह अपने घर ले नीचे बनी दुकान को खोला था। जब वो दुकान में साफ सफाई कर रहा था तो दो युवक आई-20 कार पर सवार होकर आए और हथियारों के बल पर दुकान अंदर रखी पेटी खोलकर पांच लाख रुपये लूट कर फरार हो गए।

महाराष्ट्र की एक इंच जमीन कहीं नहीं जाने देंगे

कर्नाटक के साथ सीमा विवाद पर बोले सीएम शिंदे

मुंबई, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच चल रहे सीमा विवाद पर सीएम एकनाथ शिंदे ने बड़ा बयान दिया है। गुरुवार को उन्होंने कहा कि उनकी सरकार महाराष्ट्र की एक इंच जमीन भी किसी के पास जाने नहीं देगी। शिंदे ने कहा, हम सीमावर्ती इलाकों में मराठी लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। एक इंच जमीन भी हम कहीं जाने नहीं देगें। उन्होंने आगे कहा, 40 गांवों की समस्या का समाधान करना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है। इससे पहले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के सीमा विवाद पर दिए गए बयान की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि ऐसा लगता है कि कर्नाटक के सीएम बोम्मई को अचानक महाराष्ट्र के 40 गांवों पर दावा करने के लिए बाध्य किया गया है।

पवार ने की थी केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

इससे पहले महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता अजीत पवार ने इस मामले में केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की थी। इसी के साथ उन्होंने कर्नाटक के सीएम बोम्मई की निंदा करते हुए कहा था कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इस मामले में कड़ा जवाब देना चाहिए।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, बुधवार की शाम बोम्मई ने ट्वीट किया, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा मुद्दे पर 'भड़काऊ' बयान दिया है और उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। हमारी सरकार देश की भूमि, पानी और सीमाओं को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। दरअसल, फडणवीस ने कहा था कि महाराष्ट्र का कोई भी गांव कर्नाटक में नहीं जाएगा। उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि बेलगाम-करवार-निपानी समेत मराठी भाषी गांवों को पाने के लिए राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से लड़ाई लड़ेगी।

बोम्मई ने किया था दावा

इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा था कि सीमा रेखा महाराष्ट्र में राजनीतिक उपकरण (पॉलिटीकल टूल) बन गई है और सत्ता में रहने के लिए कोई भी पार्टी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस मुद्दे को उठाएगी। बोम्मई ने कहा था कि मेरी सरकार कर्नाटक की सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम है और उसने कदम भी उठाए हैं। बोम्मई ने दावा किया कि महाराष्ट्र के सांगली जिले कुछ गांवों ने कर्नाटक के साथ विलय की मांग करते हुए एक प्रस्ताव को पारित किया है। ये गांव पानी के संकट से जूझ रहे हैं। हालांकि, महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री ने इन दावों का खंडन किया और कहा कि ऐसे किसी गांव ने हाल के दिनों में कर्नाटक के साथ विलय की मांग नहीं की है।

सीएम बोम्मई के खिलाफ प्रदर्शन

सीमा विवाद पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के खिलाफ महाराष्ट्र के पुणे में प्रदर्शन शुरू हो गया है। शुक्रवार को पुणे में मराठा महासंघ ने सीएम बोम्मई के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कर्नाटक की बसों को पेंट कर दिया।

प. बंगाल के सरकारी स्कूलों में

करोड़ों के कथित घोटाले पर सीबीआई जांच के आदेश पर एससी ने लगाई रोक

कोलकाता, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकारी स्कूलों में करोड़ों रुपये का कथित घोटाले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई है। सीबीआई जांच के आदेश पर रोक लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने एससीसी भर्ती घोटाले में पश्चिम बंगाल के प्रमुख सचिव मनीष जैन की व्यक्तिगत पेशी पर भी रोक लगाई है। अदालत ने नोटिस जारी कर तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने ये आदेश जारी किया है।

दरअसल, गुरुवार को ही हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले को बरकरार रखा था, जिसने सरकारी स्कूलों में करोड़ों रुपये के भर्ती घोटाले में स्कूल सेवा आयोग (एससीसी) में सीबीआई को जांच करने का आदेश दिया गया था। अदालत के आदेश पर सरकारी स्कूलों में ग्रुप डी के कर्मचारियों से जुड़े कथित भर्ती घोटाले की सीबीआई पहले से ही जांच कर रही है।

लैंगिक हिंसा के खिलाफ केंद्र का 'नई चेतना' अभियान

महिलाओं को किया जाएगा जागरूक

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार लैंगिक हिंसा के खिलाफ महिलाओं व लड़कियों को जागरूक करने के लिए आज से एक माह का 'नई चेतना अभियान' शुरू कर रही है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह इसकी शुरुआत करेंगे। अभियान के तहत महिलाओं को हिंसा के खिलाफ उपलब्ध कानूनी व अन्य उपायों के बारे में जानकारी दी जाएगी। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के मौके पर शुक्रवार को यह अभियान शुरू होगा। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह इसे एक जन आंदोलन बनाने के इरादे से शंखनाद करेंगे। यह जानकारी देते हुए ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने कहा कि यह दुखद है कि बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं अभी भी लिंग आधारित हिंसा को सामान्य मानते हैं। यह दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। सिन्हा ने कहा कि बदलाव लाने के लिए हम खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं व लड़कियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा के खिलाफ एक महीने का अभियान शुरू करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया जनता का आंदोलन होगा। इसके पीछे विचार यह है कि लैंगिक हिंसा के मामलों को चर्चा के केंद्र में लाना और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए उपलब्ध नियमों व उपलब्ध तंत्र व उपायों के जरिए उनकी समस्या या शिकायतों के समाधान की जानकारी देना है।

महिलाएं नहीं कर पातीं भेदभाव की पहचान

उन्होंने कहा कि भेदभाव और हिंसा के सामान्य होने के कारण महिलाएं अक्सर अपने साथ होने वाली इन घटनाओं की पहचान करने में असमर्थ होती हैं। इसलिए वे शायद ही कभी सरकारी संस्थाओं से मदद मांगती हैं। वे हिंसा व भेदभाव सहती रहती हैं। यदि वे कानूनी या अन्य मदद लेना भी चाहें तो उनकी समस्याओं के निवारण का तंत्र और उन्हें सेवाएं देने वाली संस्थाओं व एजेंसियों की उन्हें कोई जानकारी नहीं होती है। इनसे वे अनजान रहती हैं। उनमें कानूनी जागरूकता की कमी है। मंत्रालय ने इस दिशा में काफी काम किया है। देश भर में 1,200 जेंडर रिसोर्स सेंटर्स लैंगिक संसाधन केंद्र खोले गए हैं।

श्रद्धा वालकर की हत्या क्या 'लव जिहाद' का मामला है?

जानें क्या बोलीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। श्रद्धा वालकर की जघन्य हत्या के बाद से पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। आफताब ने जिस तरह से श्रद्धा का कत्ल किया उससे हर कोई गुस्से में है। इस मर्डर केस में लव जिहाद का एंगल भी जोड़ा जा रहा है। इसको लेकर अब केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर चर्चा करने की आवश्यकता है। स्मृति ईरानी ने कहा, कोई भी महिला को हीट ऑफ द मोमेंट में छोटे-छोटे टुकड़ों में नहीं काटता है। कोई भी उस महिला को लगातार पीटता नहीं है, जिसे वह प्यार करने का दावा करता है या उसके साथ रिश्ते में है। स्मृति ईरानी ने आगे कहा कि तथ्य यह है कि दुर्व्यवहार निरंतर था और मदद के रूप में उसे बहुत कुछ नहीं मिल सकता था। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर बड़े पैमाने पर विस्तृत रूप से विचार करने की आवश्यकता है। लोग अपने घर की महिलाओं के खिलाफ ही बहुत हिंसा कर रहे हैं, जो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो में आक्रामक रूप से रिपोर्ट की जाती हैं। इसलिए जब हम महिला सुरक्षा की बात करते हैं तो साथ रह रहे पार्टनर्स भी जो महिलाओं के खिलाफ हिंसा करते हैं उन पर भी चर्चा करने की जरूरत है।

'घरेलू हिंसा सिर्फ अशिक्षित पुरुषों से संबंधित मुद्दा नहीं है'

स्मृति ईरानी ने कहा कि अब यह देखा गया है कि घरेलू हिंसा एक ऐसा मुद्दा नहीं है जो केवल उन पुरुषों से संबंधित है जो अच्छी तरह से शिक्षित नहीं हैं। यह शहरों में भी उतना ही सामान्य हो गया है जितना की गांवो में है। मुद्दा यह है कि कार्यस्थल पर कौन लोग हैं।।। उन परिवारों में जो जानते हैं कि उसके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है और उसे पीटा जा रहा है और धमकी दी जा रही है।।।एक महिला को यह बताना बहुत आसान है कि अगर आपको पीटा जा रहा है तो पुरुष को छोड़ दें, लेकिन जिसने भी ऐसी पीड़िताओं से बात की है, वे जानते हैं कि मानसिक भय ऐसा है कि अगर उसे छोड़ भी दिया जाए तो वह एक कदम भी नहीं उठा पाएगी।"

क्या यह लव जिहाद का मामला है?

स्मृति ईरानी ने उस व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया जिसने उसे मारा और इससे विचलित नहीं होना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या यह लव जिहाद का मामला है, ईरानी ने कहा, मुझे लगता है कि हम एक बहुत ही जघन्य अपराध को आसान बना रहे हैं। 2009 में लव जिहाद को एक शब्दावली के रूप में केरल हाईकोर्ट ने स्थापित किया था। उस समय केंद्र में बीजेपी सत्ता में नहीं थी जिसने वास्तव में लव जिहाद शब्द को स्वीकार किया था। यह भी स्वीकार किया था कि लड़कियों को निशाना बनाया गया, क्योंकि वे एक ईसाई या हिंदू परिवार से थीं। उन्हें निशाना बनाया गया ताकि उन्हें रिश्ते में लाया जा सके और फिर धर्म परिवर्तन किया जा सके।

बंगाल: सीपीआईएम ने आरएसएस को बताया अपना नंबर वन दुश्मन

टीएमसी और भाजपा को चुनावी मैदान में देख लेने की दी चुनौती

कोलकाता, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में कभी परचम लहराने वाली पार्टी सीपीआई (एम) ने टीएमसी, भाजपा और आरएसएस पर जोरदार हमला बोला है। सीपीआई(एम) नेता मोहम्मद सलीम ने आरएसएस को नंबर वन दुश्मन बताते हुए तृणमूल कांग्रेस और भाजपा को चुनावी मैदान में देख लेने की चुनौती दी है। साक्षात्कार में मोहम्मद सलीम ने आगे कहा कि राज्य में अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए भाजपा और टीएमसी की जनविरोधी नीति को जनता के बीच ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी शिक्षित युवा नेताओं का एक कैडर भी तैयार करेगी।

मुस्लिम लीग और भाजपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का टीएमसी में विलय हो गया: मोहम्मद सलीम

सलीम ने कहा कि सीपीआई (एम) टीएमसी को वैचारिक रूप से संचालित पार्टी नहीं मानती है। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी जिसने सभी राजनीतिक दलों के लोगों को आकर्षित किया था उनपर आरएसएस, मुस्लिम लीग और विफल नक्सलियों का प्रभाव था। सलीम ने जोर देकर कहा कि कृपया ध्यान दें कि मुस्लिम लीग और भाजपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ दोनों का टीएमसी में विलय हो गया है। मोहम्मद सलीम ने कहा कि कोविड के वर्षों के दौरान 'रेड वालंटियर्स' का एक दल विकसित किया गया जिसने राहत कार्य किया, रोगियों को ऑक्सीजन सिलेंडर वितरित किए, रक्त आपूर्ति और अस्पताल में भर्ती का आयोजन किया। हमने प्रवासी श्रमिकों के बीच भी काम किया, उनकी प्रगति में मदद की और सस्ती कैंटीन लगाई। मोहम्मद सलीम ने कहा कि हमारी पार्टी ने 1942 के महान बंगाल अकाल और विभाजन के दौरान इसी तरह के काम की अपनी परंपराओं को अपनाया। हालांकि सामाजिक कार्य अभी तक चुनाव जीतने में मदद करने में कामयाब नहीं हुए हैं, लेकिन इसने निश्चित रूप से कैडर का मनोबल बढ़ाया है, जैसा कि हाल के उपचुनावों में स्पष्ट था, जहां कोलकाता की सड़कों पर लाल झंडियों और बैनरों ने फिर से वापसी की।

सुविचार: इच्छा से दुःख आता है, इच्छा से भय आता है, जो इच्छाओं से मुक्त है, वह न दुःख जानता है न भय।

आईटी छापे : एचसी ने मंत्री मल्लारेड्डी द्वारा दर्ज शिकायत की जांच पर रोक लगाई

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आयकर (आई-टी) अधिकारियों के खिलाफ श्रम मंत्री सीएच मल्ला रेड्डी और उनके बेटे द्वारा दर्ज की गई शिकायत की जांच पर रोक लगा दी है। आईटी अधिकारियों द्वारा उच्च न्यायालय में एक लंच मोशन याचिका दायर की गई थी जिसमें उनके खिलाफ दर्ज शिकायत को रद्द करने की मांग की गई थी।

मल्ला रेड्डी और उनके छोटे बेटे भद्रारेड्डी ने आईटी अधिकारियों के खिलाफ मंत्री के बड़े बेटे महेंद्र रेड्डी से उन दस्तावेजों पर जबरन हस्ताक्षर लेने के लिए शिकायत दर्ज की थी, जिसमें उल्लेख किया गया था कि उनके कब्जे में काला धन पाया गया था। जैसे ही पुलिस ने घटना की जांच शुरू की, आई-टी अधिकारियों ने उच्च न्यायालय में दोपहर के भोजन के प्रस्ताव की याचिका दायर की, जिसने चार सप्ताह के लिए शिकायत की जांच पर रोक लगा दी।

आईटीअधिकारी रत्नाकर ने भी एक काउंटर शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मल्ला रेड्डी ने कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज फाड़े और उनका लैपटॉप छीन लिया जो कथित तौर पर बाद में पुलिस को सौंप दिया गया था।

तेलंगाना में नए सदस्यों के साथ नए एसएचजी ग्रुप बनाएं अधिकारी : सीएस

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने अधिकारियों को तेलंगाना में नए सदस्यों के साथ नए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देशानुसार शुक्रवार को यहां बीआरकेआर भवन में राज्य में स्वयं सहायता समूहों के प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि तेलंगाना में मौजूदा 6,06,000 स्वयं सहायता समूहों के 64 लाख सदस्य हैं। इनमें से 4,30,785 समूह ग्रामीण क्षेत्रों में और 1,76,623 समूह शहरी क्षेत्रों में हैं। सोमेश कुमार ने कहा कि तुरंत नए समूहों की पहचान करना और उनका गठन सुनिश्चित करना। एसएचजी समूहों, सदस्यों के सभी विवरण पूरी तरह से अपडेट किए जाने चाहिए और समूहों के सभी सदस्यों को एक क्यूआर कोड के साथ विशेष पहचान पत्र भी प्रदान किए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से स्वयं सहायता समूहों के बीच आय में सुधार के लिए गतिविधियां करने का अनुरोध किया और कहा कि स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है और उत्पादक क्षेत्रों में बैंकों द्वारा प्राप्त ब्याज मुक्त ऋण राशि का उपयोग करने के लिए सभी कदम उठाए जाने चाहिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण देकर उनकी आय बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएं। बैठक में जयेश रंजन, आईटी और उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव, रघुनंदन राव, पंचायत राज विभाग के प्रभारी सचिव, लोकेश कुमार जीएचएमसी आयुक्त, सत्यनारायण, नगर प्रशासन के निदेशक, जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त श्रुति ओझा, एसईआरपी निदेशक वाई.एन. रेड्डी, श्रीनिधि एमडी विद्यासागर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एम. शशिधर रेड्डी भाजपा में शामिल

कहा, भाजपा को 'तेलंगाना प्रथम' के नारे के साथ आगे बढ़ना होगा

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर से चार बार विधायक रहे एम. शशिधर रेड्डी ने भाजपा का दामन थाम लिया। उन्होंने हाल ही में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार मौजूद थे। एम. शशिधर रेड्डी अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एम. चन्ना रेड्डी के बेटे हैं। शशिधर रेड्डी कई दशकों से एक निष्ठावान कांग्रेसी थे। उन्होंने तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं के 'कांग्रेस लॉयलिस्ट्स फोरम' का नेतृत्व भी किया।

शशिधर रेड्डी ने कहा कि उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि यह दिन भी उनके जीवन में आएगा कि उन्हें कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होना होगा। 2014 में जिन लक्ष्यों और आकांक्षाओं के साथ पृथक तेलंगाना प्रदेश का गठन हुआ था, उस दिशा में कछ नहीं हुआ। इस दौरान तेलंगाना में जो कुछ भी हो रहा है, उसे रोकने में प्रमुख विपक्षी पार्टी के नाते कांग्रेस पूरी तरह विफल हुई है। उन्होंने के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में इतनी भ्रष्ट सरकार कहीं भी नहीं है। भाजपा को "तेलंगाना प्रथम' के नारे के साथ आगे बढ़ना होगा। टीआरएस के लिए तो "परिवार प्रथम' है। पार्टी में शशिधर रेड्डी का स्वागत करते हुए सोनोवाल ने कहा कि पूर्व कांग्रेस नेता की उपस्थिति तेलंगाना में भाजपा को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी 2023 में तेलंगाना में सरकार बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

शशिधर रेड्डी ने उन्हें पार्टी में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह तेलंगाना में पार्टी को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। लोगों का टीआरएस शासन से मोहभंग हो गया है और वे इसे सत्ता से बाहर करना चाहते हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. : 35-2022
दि. 23-11-2022
पीयूबी/1034

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिवीज़नल इंजीनियर/को-ऑर्डिनेशन/गुंटकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं। **बंद होने की तिथि एवं समय : 19-12-2022 को 15.00 बजे**

1. **निविदा सं.** : इंजी-जीटीएल - कोऑर्ड-1326, **कार्य का विवरण** : गुंटकल डिवीजन : तिमनचेर्ला पर मशीन रखरखाव के लिए सेटेलाइट डिपो का सुधार (फेज-II), **विज्ञापित मूल्य** : रु. 2,45,65,472.12, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 2,72,800.00

2. **निविदा सं.** : इंजी-जीटीएल - दक्षिण-1327, **कार्य का विवरण** : गुंटकल डिवीजन : जीडीआर-आरयू, आरयू-जीवाई एवं वाईए-एनडीएल सेक्शन : डीईएन/दक्षिण अधिकार क्षेत्र में मोबाइल फ्लैश बट्ट प्लांट द्वारा टीडब्ल्यूआर एवं सीटीआर(एस) कार्यों के लिए फ्लैश बट्ट वेल्डिंग, **विज्ञापित मूल्य** : रु. 2,75,50,277.64, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 2,87,800.00

3. **निविदा सं.** : इंजी-जीटीएल - पश्चिम-1328, **कार्य का विवरण** : गुंटकल डिवीजन : डीएमएम-जीवाई सेक्शन (डाउन/एसएल) : एडीईएन/एटीपी सब-डिवीज़न में एसएसई/पी.वे./एटीपी एवं एसएसई/पी.वे./केएलयू अधिकार क्षेत्र में सेस की प्रस्तावित मरम्मत, **विज्ञापित मूल्य** : रु. 54,84,024.00, **पूर्व धरोहर राशि**: रु. 1,09,700.00

बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरणों के लिए http://ireps.gov.in को लॉग इन करें।
कोई भी शुद्धिपत्र केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।
डिवीजनल रेलवे मैनेजर/कार्य/गुंटकल

सार्वजनिक ई-निविदा सूचना
सं. सी/ई.29/इले./एम/एससी/47/ओईडब्ल्यू/ओटी/2022-23
दिनांक : 23-11-2022
पीयूबी/1035

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिए **15-12-2022 को 15.00 बजे** तक ई-निविदा आमंत्रित है।

1. **ई-निविदा सं.** ई-निविदा सं. सी/ई.29/इले./एम/एससी/47/ओईडब्ल्यू/ओटी/2022-23. ई-निविदा सं. ई-एम-एससी-47-ओटी-2022-23. **कार्य का नाम** : सिकन्दराबाद डिवीज़न - विद्युत रखरखाव विभाग - सिकन्दराबाद डिवीज़न पर अधिक पुराने एअर कंडिशनर्स का प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्य** : रु. 1,03,88,602.00, **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 2,02,000.00, **सीटीएफ** : 0.00, **पूरा करने की अवधि** : 6 महीने,

सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (एम), सिकन्दराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(http://ireps.gov.in के माध्यम से)
पीयूबी/1036

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य विद्युत अभियन्ता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए निविदाकरण के एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदा आमंत्रित है।

1. **एनआईटी सं.** : निविदा सं. 07-2022-2023-ई-जीएस-सीएन-बीजेडए, दिनांक 24-11-2022. **कार्य का नाम** : विद्युतीय निर्माण/बीजेडए : सिकन्दराबाद डिवीजन : काजीपेट एवं विजयवाड़ा सेक्शन : काजीपेट - कोंडापल्ली स्टेशनों के बीच (202.15 किमी) विद्युतीकरण के साथ नई बीजी तीसरी लाइन - चेरुवुमाधावरम - एरूपालेम सेक्शन के बीच प्री-एनआई/एनआई कार्य करने के संबंध में लाइटिंग व्यवस्थाएँ, एयर कूलर्स, पंखे, शामियाने एवं कुर्सियाँ इत्यादि सहित डीजी सेट के साथ अस्थायी निर्बाध विद्युत आपूर्ति व्यवस्थाएँ, गुमटियों सहित गंगीनेनी एवं एरुपालेम रेलवे स्टेशन यार्डो पर अनुमानित 15 दिनों की अवधि के लिए कार्यरत लोगों के लिए ब्रेकफास्ट/लंच/डिन्नर/स्नैक्स इत्यादि की व्यवस्थाएँ एवं आवास (एक्जिक्यूटिव रूमों) की व्यवस्थाएँ एवं मास्क एवं सेनिटाइजर्स की आपूर्ति का प्रावधान एवं कोंडापल्ली पर नई निर्मित संयुक्त ओएचई एवं पीएसआई डिपो, विद्युतीय स्वीच रूम एवं टॉवर कार शेड इत्यादि को विद्युतीय व्यवस्थाएँ। **अनुमानित मूल्य** : रु. 65,62,963.76, **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 1,31,300/-, **निविदा दस्तावेज का मूल्य** : रु. नगण्य, **पूरा करने की अवधि** : 12 (बारह) महीने, **बंद करने की तिथि** : 16-12-2022 को 15.00 बजे।

1. बोली दस्तावेज़ एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट : http://ireps.gov.in देखें।
2. पूर्व धरोहर राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस में आनलाइन उपलब्ध कराये गये नेट बैंकिंग/ पेमेन्ट गेटवे सुविधाओं द्वारा होना चाहिए।
3. निविदादाता अपने प्रस्ताव निविदा प्रस्तुत करने की अवधि, जो निविदा बन्द होने की तिथि से पंद्रह दिन पूर्व है, में ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं।
4. निविदादाताओं को निविदा प्रस्तुत करने की अवधि शुरू होने की तिथि तक किसी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) के लिए देखना होगा।

A1384
कार्यकारी विद्युत अभियन्ता/(निर्माण)/विजयवाड़ा

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए
कृपया http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

टीएसपीएससी के माध्यम से ग्रुप-IV के 9,168 रिक्त पदों को भरेगी सरकार

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नौकरी चाहने वालों के लिए एक और बड़ा बोनस, राज्य सरकार ने तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा समूह-IV के 9,168 रिक्त पदों को भरने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। तदनुसार आयोग जल्द ही विभागवार अधिसूचना अलग से जारी करेगा। विभिन्न शासकीय विभागों में कनिष्ठ लेखापाल एवं कनिष्ठ सहायक पदों के विभागवार पदों सहित रिक्त पदों का पूर्ण विवरण अधिकारियों को देने के निर्देश दिये गये। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार, जो वादों और इच्छाओं को पूरा करने और पूरा करने वाले नेता हैं, ने इतनी बड़ी संख्या में पदों को भरने की अनुमति दी है। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने ट्वीट के माध्यम से ने इस संबंध में जानकारी दी।

रैगिंग के आरोप में आरजीयूकेटी के पांच छात्र निलंबित

निर्मल, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स (पीयूसी) के पांच द्वितीय वर्ष के छात्रों को एक पखवाड़े के लिए कक्षाओं से निलंबित कर दिया गया और उन्हें राजीव गांधी ज्ञान विश्वविद्यालय एवं टेक्नोलॉजीज (आरजीयूकेटी), बसार में अपने जूनियर्स के साथ झड़प और रैगिंग में शामिल होने के आरोप में परीक्षा में शामिल होने से रोक दिया गया। इस आशय का आदेश संस्था के निदेशक प्रो सतीश कुमार ने शुक्रवार को जारी किया।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि झड़प की जांच के लिए गठित एक समिति ने एक रिपोर्ट दायर की जिसमें कहा गया कि छात्रों ने आचार संहिता का उल्लंघन किया और कुछ दिन पहले एक दूसरे के साथ झगड़ा किया।

CLASSIFIEDS

PLOTS FOR SALE

बिकने के लिए फॉमहॉउस प्लॉट्स हैदराबाद बेंगुलुरु हाईवे से शादनगर 2वां बिट, मेन रोड पर कोंधुर विलेज में । संपर्क : महेन्द्रा कात्वानी, फोन : 9391035282, 9182477321

CHANGE OF NAME

I, Madduri SriDevi, R/o. 1-3-183/40/16, SBI Colony, Gandhi Nagar, Hyd-80. Changed my Name as Patri SriDevi, W/o.Patri Subramanya Sarma.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य के लिए सिटी पुलिस ने शुरू किया फिटकॉप ऐप

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस ने "फिटकॉप" ऐप के लॉन्च के साथ अपने कार्यबल और वार्डों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने में एक आदर्श बदलाव शुरू किया, जो स्वास्थ्य संसाधनों और मार्गदर्शन की एक श्रृंखला की मांग पर पहुंच प्रदान करता है।

अपने परिवार के सदस्यों के साथ इस अवसर पर पहुंचे सैकड़ों अधिकारियों के बीच, मुख्य अतिथि सीपी सीवी आनंद की पत्नी ललिता आनंद ने टीएसपीआईसीसीसी सभागार में कार्यक्रम से जुड़े शहर पुलिस के सभी स्टाफ अधिकारियों के साथ एक भव्य हाइब्रिड लॉन्च आभासी रूप से फिटकॉप का शुभारंभ किया। वास्तव में, पुलिस कर्मियों के लिए एक विशेष और अनुकूलित स्वास्थ्य ऐप विकसित करने का विचार पुणे में स्थित एक स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदाता ऐप का उपयोग करके, मधुमेह से पूरी तरह से बीमारी मुक्त होने और स्वास्थ्य का आनंद लेने के लिए उनकी आत्म-परिवर्तनकारी यात्रा के जवाब में आया था। अपने अनुभव साझा करते हुए, उन्होंने पुलिस अधिकारियों के जीवनसाथी से स्वस्थ आहार और आदतों पर स्विच करके हर तरह से उनका समर्थन करने का आग्रह किया। ऐप की विशेषताओं के बारे में बताते हुए, आनंद ने कहा कि "फिटकॉप" को तीन डी के अंतर्निहित स्कीमा पर विकसित किया गया है- डायग्नोज, डेवलप और डू- जहां हर यूनिट में अधिकारी का निदान किया जाएगा।

चिकित्सा मानकों के आधार पर, हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन चिकित्सा संबंधी बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए एक रोड मैप विकसित करता है और उन्हें इन-ऐप चैट/कॉल सेवा के माध्यम से आहार विशेषज्ञ, शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक या परामर्शदाता या डॉक्टर के पास भेजता है। दैनिक शारीरिक गतिविधि और कर्मचारियों द्वारा की गई प्रगति को एक डिजिटल डैशबोर्ड में अनुवादित किया जाएगा और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पर्यवेक्षण किया जाएगा।

केंद्र के इंकार के बावजूद मेट्रो का दूसरा चरण शुरू करेगी तेलंगाना सरकार : केटीआर

मंत्री ने किया शिल्पा-लेआउट फ्लाईओवर का उद्घाटन

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद में मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण को लेगी, चाहे केंद्र सरकार परियोजना को समर्थन दे सकती है या नहीं।

शुक्रवार को यहां शिल्पा-लेआउट फ्लाईओवर का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि राज्य सरकार मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण को लेने के लिए प्रतिबद्ध है और यह मेट्रो परियोजना के पहले चरण की तरह परियोजना को पूरा करेगी।

मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण में लकड़िकापुल से भेल (26 किमी) और नागोले से एलबी नगर (5 किमी) तक दो मार्ग प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अलावा एयरपोर्ट से माइंडस्पेस (32 किमी) तक का दूसरा रूट भी लिया जाएगा। जैसा कि आप जानते हैं कि कारोना महामारी के कारण राज्य सरकार के राजस्व में कमी आई है। इसके अलावा, केंद्र सरकार तेलंगाना राज्य के लिए समर्थन देने से इनकार कर रही है। इन दो कारणों से हम मेट्रो के दूसरे चरण की परियोजना को तय कार्यक्रम के अनुसार नहीं ले पा रहे हैं, लेकिन, हम किसी भी कीमत पर इस परियोजना को हाथ में लेंगे और इसे पूरा करेंगे।

एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह ने वायु सेना स्टेशन का दौरा किया

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ, ट्रेनिंग कमांड, भारतीय वायु सेना, एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह ने शुक्रवार को वायु सेना स्टेशन, बेगमपेट का दौरा किया। ग्रुप कैप्टन मनीष कुमार, स्टेशन कमांडर, वायु सेना स्टेशन बेगमपेट ने उनका स्वागत किया और वायु योद्धाओं द्वारा आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। अपने संबोधन में, एओसी-इन-सी ने भारतीय वायु सेना को दुनिया के सबसे शक्तिशाली बलों में से एक में बदलने के लिए प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्टेशन कर्मियों को हर समय उच्च पेशेवर कार्य नैतिकता को बनाए रखने और जारी रखने की सलाह दी।

एयर मार्शल ने स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का दौरा किया और अपने पाठ्यक्रम के दौरे के दौरान स्टेशन की चल रही परियोजनाओं की निगरानी की।

जिलाधिकारी मुशर्रफ फारूकी ने लॉटरी पद्धति से लाभर्थियों को आवास आवंटित किए

निर्मल, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधिकारी ने बताया कि निर्मल कस्बे में बंगालपटे और नागुनाईपाटे में बने डबल बेडरूम मकानों में लाभार्थियो को आवासों का आवंटन पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया। स्थानीय तिरुमाला गार्डन, दिव्या गार्डन और राजराजेश्वर गार्डन में शुक्रवार को आयोजित आवास आवंटन कार्यक्रम में जिला प्रशासक ने अति विस्तृत व्यवस्था की और अतिरिक्त कलेक्टर हेमंत बोरकाडे और रामबाबू के साथ आवास आवंटन कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि दो शयन कक्ष के वितरण में लाभार्थियो का चयन बड़ी पारदर्शिता के साथ किया गया। उन्होंने कहा कि कोई भी घर की मंजूरी में दलालों का सहारा न लें, कोई किसी को एक रुपया भी न दें और यदि कोई हितग्राहियों से पैसा वसूल करता है तो उसे तुरंत अधिकारियों को सूचित करें। लाभार्थियों को लॉटरी सिस्टम के माध्यम से वार्ड के रूप में आवास आवंटित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को बंगलपेट और नागुनाईपेट के 34 वार्डों में 1248 घर आवंटित किए गए हैं और संक्रांति के भीतर सभी सुविधाएं पूरी करने के बाद लाभार्थी अपने घर जाएंगे। बैठक में डीएसपी जीवन रेड्डी, एमआरओ सुभाष चंदर, किरणमयी, राजस्व कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया।

खेल को स्कूली पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए : अनूप कुमार

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अर्जुन अवार्डी और प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कलात्मक रोलर स्केटर अनूप कुमार ने कहा कि सरकारी और निजी स्कूलों के प्रबंधन को खेल को स्कूली पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे तो उन्हें फिटनेस के साथ-साथ मानसिक खुशी भी मिलेगी। डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधन ने शुक्रवार को मेडचल मलकाजगिरी जिले के दुलापल्ली में डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के परिसर में "डीआरएस स्पोर्ट्स मीट -सीजन-1" नामक एक अंतर-विद्यालय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं में शहर के लगभग 100 स्कूलों से चयनित 1200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। अनूप कुमार ने कहा कि खेलों में जीवन को हमेशा रोमांचक बनाए रखने की शक्ति होती है।

डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक गर्व अग्रवाल ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को प्राथमिकता देने की मंशा से ''डीआरएस स्पोर्ट्स मीट-सीजन-1'' का आयोजन किया जा रहा है। आज हमारे देश में खेलों को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है और सभी को यह प्रयास करना चाहिए कि बहुत ही कम उम्र में बच्चों को खेलों में व्यस्त रखा जाए और उनमें रुचि विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि खेल छात्रों को एक ही समय में असफलता और सफलता का सामना करना सिखाता है और हार का सामना करने के लिए बहादुर होना और फिर से जीतने के लिए कड़ी मेहनत करना महत्वपूर्ण है। अनूप ने कहा, एक प्रतियोगिता में हारने का मतलब यह सीखने का मौका मिलना है कि और क्या किया जा सकता है।

अभ्यास करें और भविष्य में जीतने के लिए अपने लक्ष्य की दिशा में कड़ी मेहनत करें। उन्होंने कहा कि खेल हमारे देश के बच्चों के लिए एक समृद्ध करियर प्रदान करते हैं। बाद में डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष दयानंद अग्रवाल ने स्केटिंग, टेबल टेनिस, तैराकी, तीरंदाजी और कराटे प्रतियोगिताओं में जीतने वाले छात्रों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक अंजनी कुमार अग्रवाल, संस्थापक प्राचार्य, सीईओ प्रसाद राव, प्राचार्य षणमुगम, खेल समन्वयक भरत कुमार सहित अन्य ने भाग लिया।

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व.श्री भंवरलालजी काग
: सुपुत्र : स्व.श्री धुलारामजी काग
मरुधर मे गाँव पिचियाक, बिलाड़ा
।। स्वर्गवास: 24 नवम्बर 2022 ।।
हृदय की गहराईयों से श्रद्धांजलि अर्पित करते है।
सदैव रहे आर्शीवाद आपका, प्रभु से प्रार्थना करते है।।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :
जय माँ भगवती राजस्थानी मित्र मंडल
प्रशान्तीनगर, कुकटपल्ली, हैदराबाद-72
9908734357, 9246874888, 9246569277, 9391378118, 9879004472, 9246579277
P.Solankey

मैनपुरी का गढ़ बचाने में जुटे चाचा-भतीजे

अपने निर्वाचन क्षेत्र में अखिलेश यादव के साथ चुनाव प्रचार करतीं डिंपल यादव

मैनपुरी, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी की जनता सीधे मुलायम सिंह यादव से जुड़ी थी। इनके नाम पर 1996 से 2019 के बीच सपा के 9 सांसद बन चुके हैं। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री की मौत के बाद तस्वीर बदल चुकी है। सैफई परिवार का गढ़ बचाने के लिए डिंपल यादव खुद चुनावी पिच पर कूद पड़ी हैं। इनके समर्थन में चाचा-भतीजे एक हो गए हैं। इससे मैनपुरी का उपचुनाव सुर्खियों में है। मैनपुरी के उप चुनाव में कांग्रेस और बसपा बाहर हैं। इसके कारण डिंपल यादव और रघुराज सिंह शाक्य आमने-सामने हो गए हैं। भाजपा इसके पहले आजमगढ़ और रामपुर जीत चुकी है। मैनपुरी और रामपुर के उपचुनाव की कमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद संभाल रखा है। बाकी जिम्मेदारी उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के पास है। मैनपुरी से 19 सांसद बन चुके हैं।

इसमें 9 सपा, 5 कांग्रेस बाकी लोकदल, जनता दल, जनता पार्टी, प्रसोपा और सजपा के एक-एक सांसद चुने गए थे। लेकिन अब तक भाजपा का खाता बंद हैं। 1952 बादशाह गुप्ता कांग्रेस, 1957 बंशीदास धनगर प्रसोपा, 1962 बादशाह गुप्ता कांग्रेस, 1967 और 1971 महराज सिंह कांग्रेस, 1977 रघुनाथ सिंह वर्मा लोकदल और 1980 रघुनाथ सिंह वर्मा जनता पार्टी, 1984 बलराम सिंह यादव कांग्रेस, 1989 उदय प्रताप सिंह यादव जनता दल, 1991 उदय प्रताप सिंह यादव सजपा, 1996 मुलायम सिंह यादव सपा, 1998 बलराम सिंह यादव सपा, 1999 बलराम सिंह यादव सपा, 2004 मुलायम सिंह यादव सपा, उप चुनाव 2004 धर्मेंद्र यादव सपा, 2009 मुलायम सिंह यादव सपा, 2014 मुलायम सिंह यादव सपा, उप चुनाव 2014 तेज प्रताप यादव सपा और 2019 में आखिरी बार मुलायम सिंह यादव सांसद चुने गए थे।

मुलायम सिंह यादव मैनपुरी से 5 बार सांसद चुने गए थे। जबकि बलराम सिंह यादव 3 बार और बादशाह गुप्ता, महराज सिंह, रघुनाथ सिंह वर्मा और उदय प्रताप सिंह यादव दो- दो बार सांसद बने थे। चुनाव प्रचार में जुटे भाजपा नेता अमरेंद्र सिंह पिंटू ने कहा कि मैनपुरी की जनता महिला उम्मीदवारों से परहेज़ करती है। जिससे मैनपुरी में कभी महिला सांसद नहीं बनी है। जबकि 2004 में सुमन चौहान कांग्रेस और 2014 में डाक्टर संघमित्रा मौर्या बसपा से उम्मीदवार बनी थी। लेकिन महिला उम्मीदवार तीसरे और चौथे पायदान पर रुक गई थी। 2009 में भाजपा ने तृप्ति शाक्य को उम्मीदवार बनाया था। लेकिन वे भी तीसरे स्थान पर थी। मैनपुरी में दलों से चुनाव लड़ने वाली डिंपल यादव चौथी महिला उम्मीदवार हैं। इनके भाग्य का फैसला 8 दिसंबर को होना है।

यहां के उपचुनाव में 13 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। 7 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र निरस्त हो चुके हैं। बाकी छह उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आजमगढ़ और रामपुर सपा का गढ़ माना जाता था। लेकिन भाजपा दोनों गढ़ तोड़ चुकी है। अब मैनपुरी और रामपुर का गढ़ टूटने जा रहा है। जबकि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि गुजरात और हिमाचल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। बाकी उत्तर प्रदेश के मैनपुरी और रामपुर में भाजपा की जीत होगी । डिंपल यादव के लिए चाचा-भतीजे दिन-रात एक कर दिए हैं।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक की माफी

सविता सेन समाज पर की थी टिप्पणी, बोले- अनजाने में शब्द बोल गया, मैं हृदय से माफी मांगता हूं

आगरा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सविता समाज के लोगों पर अमर्यादित टिप्पणी के बाद बैकफुट पर आ गए है। आगरा में सांसद राजकुमार चाहर के बेटों के तिलक समारोह के बाद आशीर्वाद देने पहुंचे डिप्टी सीएम ने सविता समाज के लोगों से हाथ जोड़कर माफी मांगी है। उनका कहना है कि सविता समाज के लोग हमारे परिवार के सदस्य हैं। उनसे हृदय से माफी मंगाता हूं।

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में सविता सेन समाज को लेकर टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी से सविता सेन समाज के लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया था। डिप्टी सीएम के खिलाफ सविता सेन महासभा द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया था। उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की थी। मामले के तूल पकड़ने के बाद शुक्रवार को डिप्टी सीएम बैकफुट पर आ गए।

शुक्रवार को मैनपुरी में जाने से पहले आगरा में फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट से सांसद राजकुमार चाहर के निवास पर पहुंचे। सांसद के बेटों के तिलक समारोह के बाद उन्होंने उनके दोनों बेटों को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं।

आगरा पहुंचने के बाद डिप्टी सीएम शहीद नगर स्थित जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सविता समाज के लोगों से बात की। उन्होंने कहा कि सविता समाज के लोगों को भावनाओं को आहत करने का उनकी कोई मंशा नहीं थी। उन्होंने समाज के लोगों से हाथ जोड़कर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि सविता समाज के सभी लोगों से क्षमा चाहता हूं।

अनजाने में उनसे उस शब्द का प्रयोग हुआ था। वो सविता समाज के सभी लोग उनके परिवार के सदस्य हैं। वो उनके हर सुख-दुख में उपस्थित रहता हूं। सभी लोगों से वो हृदय से क्षमा मांगता हैं। समाज के सभी लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि भविष्य में उनके हर समय उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहूंगा। सविता महासभा के जिलाध्यक्ष ने कहा कि डिप्टी सीएम ने समाज के लोगों से माफी मांगी हैं। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समाज को संदेश देने का प्रयास किया है। समाज के लोगों से मिलकर उन्होंने भरोसा दिलाया है।

यूपी कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले

आगरा, गाजियाबाद और प्रयागराज में कमिश्नरेट सिस्टम के प्रस्ताव पर लगी मुहर

लखनऊ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार की शुक्रवार की कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश के तीन और ज़िलों में कमिश्नरेट के गठन का रास्ता साफ हो गया है। गाजियाबाद, आगरा और इलाहाबाद को कमिश्नरेट बनाए जाने के प्रस्ताव पर योगी कैबिनेट की मुहर लगी। तीनों कमिश्नरेट में आज ही कमिश्नर की तैनाती होगी। आगरा, गाजियाबाद और प्रयागराज पूरे जिले में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की जाएगी। आज कैबिनेट में कुल 16 प्रस्ताव मंजूर किए गए। परिवहन विभाग के तीन प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि 23 बड़े शहरों के बस

स्टैंड पीपीपी मॉडल पर बनाए जाएंगे। लखनऊ, आगरा, प्रयागराज के दो दो बस स्टैंड शामिल है। उन्हें हवाई अड्डे की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। यात्रियों के ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था होगी। रेस्तरां और बाजार भी होगा। भविष्य में सभी 75 जिलो में इसे लागू किया जाएगा।

स्क्रैप पॉलिसी को कैबिनेट से मंजूरी मिली है। स्क्रैप व्यापार के लिए लाइसेंस दिया जाएगा। कमर्शियल वाहन को स्क्रैप कराने कराकर नए वाहन खरीदने पर पंजीकरण टैक्स में 15 प्रतिशत छूट मिलेगी।

वाराणसी से हल्दिया तक जल परिवहन के लिए 15 जेटी बनाई जाएगी। सस्ते में यात्रा और परिवहन की सुविधा मिलेगी। चन्दौली में जेटी पर रेल, बस और जल परिवहन से माल भेजने की सुविधा होगी। इसके लिए चन्दौली में सिंचाई विभाग की जमीन भी परिवहन विभाग को मिलेगी।

ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार ने बताया किअमेठी, औरैया, कुशीनगर, बिजनौर, सुल्तानपुर सहित 14 जिला अस्पताल का स्टाफ और संपत्ति मेडिकल कॉलेज को हस्तांतरित होगी।

दिल्ली में लालू से मुलाकात के बाद माने जगदानंद

बने रहेंगे राजद के प्रदेश अध्यक्ष

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव ने अपनी पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की फिलहाल नाराजगी दूर कर दी है। लालू प्रसाद यादव ने जगदानंद सिंह को दिल्ली बुलाकर समझा बुझा दिया और उनसे अपने पद से इस्तीफा नहीं देने को कहा है। दोनों नेताओं की बुधवार को दिल्ली में मुलाकात हुई थी।

बेटे सुधाकर सिंह के मंत्री पद से हटने के बाद से नाराज थे जगदानंद

मीडिया सूत्रों के मुताबिक जगदानंद सिंह नीतिगत मुद्दों पर अपने बेटे के नीतीश कुमार से मतभेद होने और मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए बाध्य होने पर नाराज हैं। जगदानंद के बेटे सुधाकर सिंह नीतीश कुमार सरकार में कृषि मंत्री हैं। अपने बेटे के इस्तीफे के बाद से जगदानंद सिंह पटना में पार्टी

कार्यालय जाना बंद कर दिया हैं। इससे इस तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि पार्टी के शीर्ष नेता लालू प्रसाद यादव उनकी जगह पार्टी के दूसरे नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी को प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दे सकते हैं।

इस बीच बुधवार को दिल्ली में जगदानंद सिंह और अब्दुल बारी सिद्दीकी की लालू प्रसाद यादव से मुलाकात हुई। इसके बाद उनके बीच के सारे मतभेद दूर हो गए हैं। अगले कुछ दिनों में किडनी प्रत्यारोपण के लिए लालू प्रसाद यादव सिंगापुर रवाना हो वाले हैं। ऐसे में खुद लालू प्रसाद यादव चाहते हैं कि पार्टी में सामान्य स्थिति बहाल हो जाए।

दिल्ली में लालू यादव से मिलने के बाद जब जगदानंद सिंह बाहर आए तो मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। वे चुपचाप गाड़ी में बैठ गए। इसको लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जाने लगे, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि फिलहाल वे अपनी नाराजगी खत्म करके पार्टी में अध्यक्ष बने रहेंगे।

बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे के बीच बुधवार की मुलाकात को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच जुबानी जंग छिड़ गयी। बिहार के पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता जीवेश कुमार ने तेजस्वी यादव और आदित्य ठाकरे की मुलाकात को लेकर कहा, ''दिवंगत बाला साहेब ठाकरे की आत्मा यह जानने के लिए बैचेन है कि उनके पोते आदित्य क्या कर रहे हैं। तेजस्वी से युवा नेता क्या सीखने की उम्मीद करते हैं जिन्होंने कम समय में बड़ी संपत्ति अर्जित करने के अलावा कुछ नहीं किया।''

पूर्व मंत्री बिजेंद्रपाल सिंह यादव का निधन

संभल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व कैबिनेट मंत्री व असमोली से सपा विधायक के पिता बिजेंद्रपाल सिंह का लंबी बीमारी के चलते मुरादाबाद के सिद्ध हॉस्पिटल में निधन हो गया। उनके निधन से सपाइयों में शोक की लहर दौड़ गई। बिजेंद्र पाल सिंह यादव बहजोई क्षेत्र के गांव फरीदपुर कुशल के रहने वाले थे। 74 साल की आयु में बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। मुरादाबाद से उनका शव पैतृक गांव फरीदपुर कुशल लाया जा रहा है। उनकी बेटी पिंकी यादव भी सपा में हैं और असमोली विधानसभा सीट से पिछली तीन बार से लगातार विधायक हैं। उन्होंने अपनी राजनीति सफर की शुरूआत कांग्रेस के साथ की थी।

दो का पहाड़ा नहीं सुना पाया छात्र

अनुदेशक ने हाथ में चलाई ड्रिल मशीन, मौके पर पहुंचे बीएसए

कानपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर में दो का पहाड़ा न सुनाने पर उच्च प्राथमिक विद्यालय मॉडल प्रेमनगर से कक्षा पांच के छात्र विबान को एक निजी संस्था के अनुदेशक ने हाथ में ड्रिल मशीन चलाकर घायल कर दिया। मामला गुरुवार का है। छात्र के हाथ में चोट देखकर शुक्रवार को अभिभावकों ने स्कूल में आकर हंगामा किया।

छात्र विवान ने बताया कि अनुज सर ने दो का पहाड़ा सुनाने को कहा जब हम नहीं पाए तो वह हाथ में ड्रिल मशीन लिए हुए थे और उन्होंने चला दी। तभी पास में खड़े छात्र कृष्णा ने ड्रिल मशीन का प्लग हटा दिया। ड्रिल मशीन चलने छात्र के बाएं हाथ में चोट के निशान हैं।

छात्र के हाथ में चोट लगने के बाद छात्र को मामूली उपचार देकर स्कूल से रवाना कर दिया गया। शिक्षिका अलका त्रिपाठी ने किसी भी उच्च अधिकारी को मामले की सूचना नहीं दी और बिना टिटनेस लगवाए छात्र को भेज दिया। शुक्रवार को हंगामा होने पर उच्च अधिकारियों को मामले की जानकारी दी।

मौके पर पहुंचे बीएसए

मामले की जानकारी मिलते ही बीएसए सुरजीत कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अनुदेशक को स्कूल से हटाया जा रहा है। साथ ही अन्य कार्रवाई भी की जाएगी।

6 साल की बच्ची से रेप के आरोपी को पंचायत ने उठक-बैठक करा छोड़ा

नवादा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। देश में प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पॉक्सो) एक्ट लागू है। महिलाओं की रक्षा के लिए इतने सख्त कानून बन गए हैं कि बुरी नजर से देखने या हावभाव करने पर भी कड़ी सजा मिल जाती है। और, बिहार में 6 साल की बच्ची से रेप के आरोपी का केस थाने तक नहीं पहुंचा। पंचायत सरकार ने उठक-बैठक का फैसला सुनाया और केस रफा दफा कर दिया। नवादा में इस तरह से उठक-बैठक की सजा देने का वीडियो वायरल हो रहा है। मामला नवादा जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र के कन्नौज गांव का है। 21 नवंबर की ये वारदात उस वक्त सामने आई जब एक 6 वर्षीय बच्ची ने अपने परिजनों को बताया कि उसके साथ बलात्कार की घटना हुई है। बलात्कार का आरोप अकबरपुर प्रखंड के कन्नौज के रहने वाले अरुण पंडित पर है। अरुण पंडित गांव में ही मुर्गी फार्म चलाता है। आरोप के मुताबिक 21 नवंबर को गांव की एक 6 वर्षीय बच्ची को लालच देकर आरोपी अपने मुर्गी फार्म पर ले गया।

नवादा सदर अस्पताल में आग से अफरातफरी

कबाड़ को गैस कटर से काटने के दौरान भड़की आग, मरीज बेचैन

नवादा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। नवादा सदर अस्पताल में शुक्रवार दोपहर आग लग गई। आग की लपटें देखकर अस्पताल में भर्ती रोगी व उनके परिजनों में अफरातफरी मच गई। अस्पताल प्रबंधन ने अग्निशमन दस्ते को कॉल किया तो दमकल की दो गाड़ियों ने काफी मशक्कत बाद आग पर काबू पाया। आग उस समय लगी, जब नीलाम कबाड़ी को गैस कटर से काटकर हटाया जा रहा था। सदर अस्पताल में पड़े जर्जर वाहन, टेबल, कुर्सी, आलमीरा, बेड सहित अन्य लोहे का समान एमएसटीएस द्वारा नीलाम किया गया था। नीलामी का सामान लेने वाले ठेकेदार कबाड़ को गैस कटर से काटकर ले जा रहे थे।

इस दौरान एक वाहन को गैस कटर से काटकर हटाने के दौरान टायर में आग लग गई। लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। लपटें देख अस्पताल के मरीज परेशान हो गए।

आग पर काबू पाने के बावजूद टायर और अन्य जली चीजों की दुर्गंध से मरीज शाम तक परेशान रहे। अच्छी बात यह रही कि आग की लपटें अस्पताल के वार्ड की तरफ नहीं गई, वरना भारी परेशानी हो सकती थी।

मेटल फैक्ट्री में 40 लाख की डकैती

गन पॉइंट पर गार्ड-कर्मचारी को बांधा, 5500 किलो तांबा और 1000 किलो लेड लूटा

गाजियाबाद, 25 नवंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेस-वे के किनारे विजयनगर इंडस्ट्रियल एरिया में गुरुवार रात बदमाशों ने एक मेटल फैक्ट्री में डकैती डाली। सिक्योरिटी गार्ड और एक कर्मचारी को गन पॉइंट पर बंधक बनाकर करीब 40 लाख रुपए कीमत का तांबे का तार और लेड लूटकर ले गए। संभवतः बदमाश अपने साथ ट्रक जैसा कोई बड़ा वाहन लेकर आए थे, जिसमें वे ये माल भरकर ले गए हैं। एसपी सिटी ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। वारदात के खुलासे के लिए पांच पुलिस टीमें बनाई हैं।

इंडस्ट्रियल एरिया की साउथ साइड में गुप्ता मेटल वर्क्स है। इसके मालिक अनूप गुप्ता हैं। उनके अनुसार, डकैती की ये वारदात गुरुवार रात करीब 3 बजे हुई। कुछ बदमाश उनकी फैक्ट्री पर आ धमके। रात के वक्त एक सिक्योरिटी गार्ड और एक कर्मचारी मौजूद था। रात गार्ड की तबीयत खराब थी, इसलिए अपनी हेल्प के लिए उसने कर्मचारी को बुला लिया था। बदमाशों ने फैक्ट्री पर पहुंचते ही दोनों लोगों को गन पॉइंट पर लेकर बंधक बना लिया। उनके हाथ-पैर रस्सी से बांधकर एक कमरे में बंद कर दिया।

अनूप गुप्ता के अनुसार, बदमाश करीब 5500 किलो तांबा और एक हजार किलो लेड लूटकर ले गए। बाजार भाव के हिसाब से इसकी अनुमानित कीमत करीब 40-42 लाख रुपए है। फैक्ट्री मालिक का मानना है कि बदमाशों की संख्या करीब 10-12 रही होगी और वे किसी ट्रक से आए होंगे।

यूपी-112 पर नहीं लगी कॉल

फैक्ट्री मालिक ने बताया कि सुबह साढ़े पांच बजे उन्हें डकैती की खबर मिली। वे तुरंत फैक्ट्री पर आए। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम के 112 नंबर पर कॉल की, लेकिन कॉल नहीं मिली। इसके बाद एसएसपी आवास पर फोन करके घटना की सूचना दी। तब थाने की पुलिस और एसपी सिटी मौके पर आए।

सोनपुर मेले में 'लैला-मजनू' और 'फर्स्ट लव' बना आकर्षण का केंद्र

देखने के लिए जुट रहे हैं विदेशी सैलानी

सोनपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के सारण जिला में गंगा किनारे प्रत्येक वर्ष विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेले का आयोजन होता है। इस साल भी कार्तिक पूर्णिमा के दिन से सोनपुर मेला शुरू हो चुका है। इस साल मेले में लोगों की काफी भीड़ जुट रही है। वहीं, कृषि विभाग के तरफ से स्टाल लगाया गया है। जिसमें 'लैला-मजनू' और 'फर्स्ट लव' प्लांट आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। जिसे देखने के लिए विदेशी सैलानियों की भीड़ जुट रही है।

सोनपुर मेला पूरे विश्व में पशुओं के लिए प्रसिद्ध है। यहां हाथी, घोड़े से लेकर कुत्ता तक की ब्रिक्री होती थी। हालांकि अभी बहुत से पशुओं की खरीद ब्रिक्री पर रोक है। वहीं, इस साल सोनपुर मेले में

कृषि विभाग के तरफ से लगाए गए प्रदर्शनी काफी चर्चा में है। इस प्रदर्शनी में पौधों के नाम लैला-मजनू, फर्स्ट लव, मीठा नीम, गरम मसाला और स्टीविया प्लांट की खूब चर्चा हो रही है। इन पौधों को देखने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है। साथ ही विदेशी सैलानियां भी देखने के लिए पहुंच रहे हैं। बिहार के सोनपुर में लगने वाले विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले की अपनी एक अलग ही पहचान है। धार्मिक मान्यताओं और ऐतिहासिक स्थल होने की वजह से हिन्दू धर्म में सोनपुर का एक विशेष महत्व है। कोरोना महामारी की वजह से दो वर्षों तक यह मेला प्रभावित रहा था। ऐसे में लंबे अंतराल के बाद लगे सोनपुर मेले को लेकर इस साल अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है

कार्तिक पूर्णिमा के दिन से शुरू होने वाले इस सोनपुर मेले में लोग कभी जानवरों और पशुओं को देखने आया करते थे। लेकिन वक्त के साथ-साथ मेले का स्वरूप बदलता चला गया।

पुलिस कमिश्नर व्यवस्था लागू होने के बाद ये बदलाव होंगे

आगरा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने आगरा, गाजियाबाद और प्रयागराज में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू करने को मंजूरी दे दी है। ऐसे में मन में सवाल आता है कि पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम आखिर क्या है। इसका पुलिसिंग पर क्या असर पड़ता है।

दरअसल जानकार बताते हैं कि इस व्यवस्था के लागू होने से पुलिस की शक्तियां बढ़ जाती हैं। कमिश्नर कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सीधे निर्णय ले सकेंगे। किसी आयोजन की अनुमति भी कमिश्नर ही देंगे। निरोधात्मक कार्रवाई भी सीधे कर सकेंगे। पुलिस कमिश्नर व्यवस्था लागू होने के बाद 44 थानों वाले आगरा महानगर में पुलिस के अधिकार और शक्तियां बढेंग़ी।

आईआईएमटी यूनिवर्सिटी में मारपीट

एलएलबी के छात्रों में चले लात घूंसे, नाम पूछकर पीटा, बीच बचाव करने पहुंचे बाउंसर को भी मारा

मेरठ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ गंगानगर इलाके की आईआईएमटी यूनिवर्सिटी में छात्रों के दो गुटों के बीच लात घूंसे चले। एलएलबी के छात्रों में वर्चस्व की लड़ाई हुई। इस दौरान उपद्रवी छात्रों ने वहां से गुजर रहे छात्रों को भी बुरी तरह से पीट दिया। फिलहाल, पुलिस वीडियो फुटेज की मदद से उपद्रवी छात्रों की पहचान कर रही है।

आईआईएमटी यूनिवर्सिटी में बीफॉर्मा का छात्र शाहिल रिजवी शुक्रवार को एसएसपी दफ्तर पहुंचा। छात्र ने बताया कि शुक्रवार सुबह यूनिवर्सिटी में एलएलबी के छात्रों के दो गुट आपस में लड़ रहे थे। लंच टाइम में किसी बात पर दोनों गुटों में जमकर मारपीट हुई। दोनों गुटों ने एक दूसरे को घूंसे, मुक्के और डंडों से पीटा। पीड़ित छात्र कैंपस में बैठकर अपना लंच

कर रहा था। उसी समय कुछ छात्र उसके पास आए नाम पूछा और मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित छात्र ने पुलिस को लड़ाई की वीडियो भी दिखाई है। जिस समय छात्र लड़ रहे थे, तो सामने की बिल्डिंग से किसी ने यह वीडियो बना ली थी। वीडियो में यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रों की लड़ाई होती दिख रही है। बाउंसर बीच बचाव करने पहुंचे तो भी छात्र नहीं माने और बाउंसरों को भी पीट दिया।

पीड़ित छात्र ने पुलिस को बताया कि उसने अपने साथ मारपीट करने वाले लड़कों को अपना आई कार्ड भी दिखाया। बताया कि वो एलएलबी का नहीं बीफार्मा का स्टूडेंट है। इसके बावजूद उपद्रवी छात्रों ने उसको पीटा। छात्र ने लोकेश ठाकुर, विनय बालियन, आकाश कुशवाहा, सचिन चौहान, मंजीत मलिक पर मारपीट का आरोप लगाया है। इसके अलावा कुछ अज्ञात लड़कों की शिकायत भी की है। पीड़ित छात्र का कहना है कि वो इन छात्रों को जानता भी नहीं। सीओ दौराला अभिषेक पटेल का कहना है कि छात्र का मेडिकल कराया जा रहा है, शिकायत और वीडियो के आधार पर पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई होगी।

मेरठ में आईआईएमटी यूनिवर्सिटी के छात्रों में चल रहा वर्चस्व का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। बृहस्पतिवार को फिर से दो गुटों के छात्र आमने सामने आ गए। संघर्ष के बाद एक छात्र को गोली मार दी गई। घायल को नाजुक हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बीजेपी ने राहुल की यात्रा में

'पाक जिंदाबाद' नारा लगने का आरोप लगाया, कांग्रेस बोली वीडियो कूटरचित

भोपाल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में राहुल की भारत जोड़ो यात्रा का तीसरा दिन है। इस बीच बीजेपी ने आरोप लगाया है कि खरगोन में यात्रा के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे। इसमें दावा किया कि यह वीडियो कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हेंडल पर शेयर किया। जिसे बाद में डिलिट कर दिया गया। वहीं, कांग्रेस ने पलटवार कर कहा कि यह बीजेपी का राहुल गांधी का डर है। जो कूटरचित वीडियो के माध्यम से झूठ फैलाने का षड्यंत्र किया जा रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा में खुलेआम नारा लगा पाकिस्तान जिंदाबाद

इसे कांग्रेस के ऑफिशियल हैंडल से ट्वीट किया गया , बाद में हटाया गया, लेकिन सच्चाई तो सामने आ गई कि कांग्रेस के दिल में क्या है बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भी वीडियो को शेयर कर लिखा कि बेहद शर्मनाक! खरगोन में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में सरेआम 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे से कांग्रेस की देश तोड़ने की मानसिकता फिर से उजागर हुई है। यह बार बार साबित हो रहा है कि यह भारत तोड़ो यात्रा है। इस निंदनीय कृत्य के लिए राहुल गांधी को देश से माफी मांगना चाहिए।

बेहद शर्मनाक!

खरगोन में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में सरेआम "पाकिस्तान जिन्दाबाद" के नारे से कांग्रेस की देश तोड़ने की मानसिकता फिर से उजागर हुई है। बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र परासर ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा है कि भारत जोड़ो यात्रा में खुलेआम नारा लगा 'पाकिस्तान जिंदाबाद' इसे कांग्रेस के ऑफिशियल हैंडल से ट्वीट किया गया। बाद में हटा गया, लेकिन सच्चाई तो सामने आ गई कि कांग्रेस के दिल में क्या है। इस पर कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने ट्वीट कर कहा कि भारत जोड़ो की जनक कुत्सित भाजपाई विचारधारा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से घबराई! कूटरचित वीडियो का इस्तेमाल कर इसे बदनाम करने का कुप्रयास किया! बीजेपी मीडिया प्रभारी लोकेंद्र परासर के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे हीन हथकंडे हमारे अडिग उद्देश्यों को हिला नहीं पाएंगे।

जोबट से बीजेपी विधायक सुलोचना रावत को ब्रेन हेमरेज, अस्पताल में भर्ती

भोपाल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की जोबट विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक सुलोचना रावत की गुरुवार को अचानक तबीतय बिगड़ गई। उनको परिजन तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उनको ब्रेन हेमरेज की बात कही। इसके बाद परिजन उनको लेकर गुजरात के वडोदरा ले गए। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी अस्पताल पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम को सुलोचना रावत अपने गृहग्राम कानाकाड़ पर भोजन कर रही है। अचानक उनको चक्कर आए और वह गिर गई। इसके बाद परिजन उनको अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां बीपी हाई होने के बारे में पता चला और डॉक्टरों ने उनको ब्रेन हेमरेज होने की बात कही। साथ ही हायर सेंटर ले जाने के लिए कहा। जिसके बाद परिजन रावत को लेकर बडोदरा लेकर गए। फिलहाल उनका इलाज जारी है।

ऑस्ट्रेलिया में बीच पर मर्डर के लिए

वांटेड हिंदुस्तानी को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार, 2018 में हुई थी हत्या

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में बीच पर मर्डर के लिए वांटेड हिंदुस्तानी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह मामला 2018 का है। 38 साल के राजविंदर सिंह को पुलिस ने इसी मामले में गिरफ्तार किया है। ऑस्ट्रेलिया में 24 साल की लड़की की हत्या का राजविंदर आरोपी है। ऑस्ट्रेलिया के क्वीनसलैंड बीच पर 21 अक्टूबर 2018 में टोयाह कॉर्डिंगले का शव मिला था। टोयाह उस वक्त अपने डॉगी के साथ बीच पर वाक करने गई थी। टोयाह फार्मेसी वर्कर थी। उसकी हत्या के 2 दिन बाद आरोपी भारत भाग आया था। ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने उसकी सूचना देने पर 1 मिलियन डॉलर इनाम देने की घोषणा की थी। भारत सरकार ने राजविंदर की प्रत्यर्पण की मांग को पिछले महीने ही माना था। आरोपी ऑस्ट्रेलिया में एक असपताल में एक नर्सिंग असिस्टेंट के तौर काम करता था। हत्या के 2 दिन बाद अपने 3 बच्चों और पत्नी को छोड़कर भाग आया था। पिछले साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया सरकार ने भारत सरकार से उसके प्रत्यर्पण की गुजारिश की थी। नवंबर में ही उसकी सूचना देने पर ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने 1 मिलियन डॉलर का इनाम रखा था। किसी की गिरफ्तारी के लिए ऑस्ट्रेलिया स्टेट पुलिस की यह अब तक की सबसे ज्यादा इनाम राशि है। राजविंदर पंजाब के अमृतसर का रहने वाला है। इसी महीने सिडनी एयरपोर्ट से भागते वक्त की उसकी तस्वीरें भी जारी हुईं थीं।

साम्प्रदायिक नफरत के माहौल में मुस्लिम छात्रा की अनूठी मिसाल

सिर्फ 3 महीने में भगवद् गीता अनुवाद, चारों तरफ हो रही हेबा की चर्चा

निजामाबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंसानी दिमाग की आदत चीजें भूल जाने की भी है। शायद इसलिए पूर्वजों ने शोधों से निकली जन हितैषी जानकारियां किताब-ग्रंथों के माध्यम से सहेज दीं ताकि भावी पीढ़ियों के लिए वे मैनुअल की तरह काम करें। जीवन में जब भी किसी समस्या का समाधान मिलता न दिखे, हर तरफ से नाउम्मीदी हाथ लगे और इंसाम सोचे कि अब क्या करें तो वह उन पन्नों को खोलकर देख ले और निदान पा ले। करीब पांच हजार साल पहले कुरुक्षेत्र के रण में जब अर्जुन अपने ही लोगों पर हथियार उठाने को लेकर व्यथित हो गए तो श्रीकृष्ण ने उन्हें हकीकत का ज्ञान कराया। अर्जुन श्रीकृष्ण के सखा और रिश्ते में उनके भाई लगते थे और उनकी बात सुनते थे। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भौतिक सीमाओं से परे जीवन और आत्मा संबंधी ज्ञान दिया और कर्तव्य को सर्वोपरि बताते हुए उन्हें फैसला लेने की सलाह दी। अर्जुन माध्यम बने और गीता का ज्ञान दुनिया के भी काम आया। बतौर श्रीमद्भागवत गीता श्रीकृष्ण ने भी इंसान की भूल जाने वाली आदत का जिक्र अर्जुन से किया था। उन्होंने कहा था कि हम और तुम कई-कई बार धरती पर आ चुके हैं लेकिन मुझे याद और तुम भूल गए हो।

मुस्लिम बेटी ने गीता-कुरान को लेकर लिखी ये किताब

अब तेलंगाना की एक मुस्लिम बेटी अपने अनूठे प्रयासों के चलते भगवान के उस ज्ञानवर्धक गीत का स्मरण लोगों को करा रही है और हिस्सों में बंटी इंसानियत को जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल चला रही है। तेलंगाना के निजामाबाद जिले के बोधन कस्बे के रकासी पेट इलाके में रहने वाली हेबा फातिमा ने तीन महीने में श्रीमद्भगवद्गीता के सभी 18 अध्यायों के 700 श्लोकों का अनुवाद उर्दू में कर दिया है। हेबा फातिमा ने पाक कुरान का भी अध्ययन किया है। उसने गीता और कुरान का निचोड़ निकालकर एक किताब लिख दी है, जिसका नाम है- 'भागवतगीता और कुरान के बीच समानता'।

हेबा फातिमा अपनी उम्र की आज की पीढ़ी से एकदम अलग हैं, चेहरे पर नकाब और सिर पर हिजाब धारण करती हैं और धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन करती हैं। सोशल मीडिया माध्यमों को वह आध्यात्मिक शिक्षा का प्रसार करने के लिए इस्तेमाल करती हैं। हेबा के इस आचरण ने मीडिया और गुणीजनों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। कई स्थानीय समाचार चैनल उनका इंटरव्यू चला चुके हैं।

हेबा ने बताई गीता-कुरान की खास बात

अन्य धर्मों के बारे में जानने की ललक ने उन्हें भागवतगीता पढ़ने का मौका दिया। वह कहती हैं कि गीता के अनुवाद में तीन महीने इसलिए लगे क्योंकि वह चाहती थीं कि सरल से सरल तरीके से इसे लोगों तक पहुंचाया जा सके, इसके लिए उन्हें शब्दों के सटीक अर्थ भी खोजने थे। बकौल हेबा गीत-कुरान का अध्ययन करके उन्होंने पाया कि दोनों ग्रंथों के करीब 500 श्लोक एक जैसी शिक्षा देते हैं। उन्होंने इन सभी को अपनी किताब में शामिल किया है।

कई रिकॉर्ड्स में नाम हुआ दर्ज

हेबा फातिमा यूट्यूब पर सक्रिय हैं और गीता ज्ञान संबंधी वीडियो अपलोड करती रहती हैं। हेबा के इन प्रयासों के चलते उनका नाम वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, मार्वलस बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, तेलुगु बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है। वर्तमान में फातिमा अंग्रेजी से पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही हैं। उन्होंने इंटरमीडिएट की पढ़ाई उर्दू माध्यम से की और बाद में ग्रेजुएशन के लिए अंग्रेजी को माध्यम चुना। हेबा फातिमा के पिता अहमद खान एक छोटे व्यापारी है।

हेबा फातिमा का संदेश

हेबा कहती है, "मानवता हमारा पहला धर्म होना चाहिए। अगर आप अच्छे इंसान नहीं है तो अच्छे मुस्लिम या हिंदू नहीं हो सकते हैं। ईश्वर केवल एक है और उसकी नजर हम सब बराबर हैं। किसी किताब का आकलन उसके कवर से न करें।" गौरतलब है कि हेबा के प्रयास सांप्रदायिक तनाव के दौर में कहीं ज्यादा प्रासंगिक हैं और मन को शांति का अहसास और ठहराव देते हैं।

पुंछः गर्भवती महिला के लिए देवदूत बनी भारतीय सेना की टीम, अस्पताल पहुंचाने में की मदद

जम्मू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला पुंछ के दूर-दराज क्षेत्र में रात में दर्द से परेशान गर्भवती महिला के लिए भारतीय सेना की टीम देवदूत बनी। पुंछ के साबजियां में एलओसी के पास सुमवाली गांव में सेना के जवानों ने गर्भवती महिला को चिकित्सा सहायता दी और समय पर उसे अस्पताल भी पहुंचाया, जिससे उसकी जान बच सकी। सेना के अधिकारी ने बताया कि गुरुवार रात 30 वर्षीय अटारा को पेट में तेज दर्द हो रहा था। वह दो महीने की गर्भवती है। स्थानीय लोगों ने फोन कर सेना से चिकित्सा सहायता के लिए आग्रह किया। इस पर नाला पोस्ट पर सेना की मेडिकल टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पहले महिला की जांच की गई और फिर उसे आगामी चिकित्सा परीक्षण के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इसके लिए स्थानीय लोगों ने सेना का आभार जताया है।

बेटी से रेप पर फांसी की सजा

कोर्ट ने कहा- पिता नहीं तो कोई और नहीं कर सकता उसकी सुरक्षा

सिरसा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा जिले में पॉक्सो एक्ट के तहत फास्ट ट्रैक कोर्ट ने एक पिता को 12 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म करने के मामले में फांसी की सजा सुनाई है। सिरसा जिले के इतिहास में ये पहला मामला है। कोर्ट ने दोषी पिता को सजा सुनाते हुए कहा कि जब बेटी बाप के साथ सुरक्षित नहीं तो उसकी सुरक्षा कोई नहीं कर सकता है। दरअसल, मामला साल 2020 का है। सिरसा के एक गांव में 12 साल की नाबालिक बच्ची ने पुलिस को बताया कि वो 7वीं में पढ़ती है और उसके पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। बच्ची ने शिकायत दर्ज कराते हुए कहा, 26-27 सितंबर को पिता ने नशे में मां से झगड़ा कर के उन्हें घर से बाहर निकाल दिया और रात में उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में आगे बताया गया कि अगले दिन जब बच्ची की मां घर आई तो बेटी ने पिता की इस करतूत के बारे में उन्हें बताया। वहीं, जांच की प्रक्रिया में बच्ची के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई और कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 30 सितंबर के दिन आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया।

दोषी ने नरमी बरतने की जज से की अपील

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोर्ट में सजा सुनाए जाने से पहले दोषी पिता ने जज प्रवीण कुमार के सामने तीन बच्चों की परवरिश का हवाला देते हुए कहा कि उसके साथ नरमी बरती जाए। दोषी पिता की इस विनती पर जज ने कहा कि इस शख्स ने विश्वास तोड़ा है। इसने बाप-बेटी के रिश्ते को शर्मसार किया है। ये अपराध जघन्य से भी जघन्य श्रेणी में आता है और ये फांसी का हकदार है। जज ने कहा कि इस अपराध के लिए दोषी पिता पर किसी भी तरह रहम नहीं बरती जा सकती है। जज ने दोषी पिता को फांसी की सजा सुनाते हुए 50 हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके अलावा, पीड़ित बच्ची को 5 लाख का मुआवजा देने का भी निर्णय सुनाया।

कमलनाथ के राइट हैंड नरेंद्र सलूजा बीजेपी में शामिल

शिवराज सिंह चौहान ने दिलाई सदस्यता

भोपाल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का आज तीसरा दिन है। इस बीच आज सुबह कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के करीबियों में गिने जाने वाले नरेंद्र सलूजा ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। सलूजा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के मीडिया समन्वयक सहित मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष जैसे पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सलूजा को बीजेपी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर बीजेपी के मीडिया विभाग के प्रमुख लोकेंद्र पाराशर राज्य सरकार के मंत्री विजय शाह सहित पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

84 दंगो के सच से मेरा मन व्यथित हुआ- सलूजा

इस अवसर नरेंद्र सलूजा ने कहा, "इंदौर खालसा कॉलेज में हुए घटनाक्रम के बाद 84 दंगो का सच जो सामने आया उसके बाद मेरा मन व्यथित हुआ। मैं जिस धर्म मे आस्था रखता हूं उस धर्म के मेरे लोगो की हत्या के आरोपियों के सच ने मेरी आंखें खोल दी। में ऐसे संगठन के साथ काम नहीं कर सकता।"

कमलनाथ ने नाराजगी जताकर सलूजा को भेज दिया था छुट्टी पर

बीते कुछ दिनों से सलूजा को पार्टी ने किनारे कर दिया था और उनकी कमलनाथ से भी दूरियां बढ़ गई थी। इतना ही नहीं कमलनाथ ने सलूजा को मीडिया समन्वयक के पद से भी मुक्त कर दिया था। लेकिन बाद में हुए फेरबदल के चलते सलूजा को फिर यह जिम्मेदारी मिल गई थी। बीते कुछ दिनों से सलूजा पार्टी के कार्यालय भी नहीं आ रहे थे और यह कहा जा रहा था कि कमलनाथ ने नाराजगी जताकर उन्हें छुट्टी पर भेज दिया था। पार्टी के पदाधिकारी का कहना है कि सलूजा की गतिविधियां काफी लंबे समय से संदिग्ध चल रही थी और कमलनाथ तक इस बात की जानकारी थी कि वे पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। लिहाजा पार्टी उन्हें तमाम पदों से हटाने की भी तैयारी में थी।

कुछ विधायक भी दे सकते हैं पार्टी को झटका

आपको बता दें कि अब चर्चा यह भी है कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ही कुछ और कांग्रेस विधायक भी पार्टी को झटका दे सकते हैं। इसकी अटकलें इसलिए तेज हैं कि कांग्रेस के 15 से ज्यादा विधायकों ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग की थी। इसके बाद से प्रदेश में यह चर्चाएं तेज हैं।

हत्या या आत्महत्याः रोहतक में खेत में मिला मां-बेटे का शव, दो दिन पहले कनाडा से लौटा था युवक

रोहतक, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में दो दिन पहले कनाडा से लौटे बलियाना के युवक प्रशांत (26) व उसकी मां राजबाला (55) का शव गांव से एक किलोमीटर दूर खेत में मिला है। मां-बेटे की किसी ने हत्या की है या उन्होंने आत्महत्या की है, यह पोस्टमार्टम के बाद पता चल सकेगा। पुलिस को मौके से सल्फास की डिब्बी जरूर मिली हैं, लेकिन बेटे का मोबाइल नहीं मिल रहा है। इससे ग्रामीण व पुलिस पूरे मामले को शंका की नजर से देख रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि राजबाला का एक बेटा व एक बेटी है। बेटी शादीशुदा है। करीब एक साल पहले 12वीं के बाद प्रशांत पढ़ने के लिए कनाडा गया था। दो दिन पहले अचानक वह घर आ गया। प्रशांत के पास पांच एकड़ जमीन है, जो गांव से एक किलोमीटर दूर भालौठ गांव की तरफ माइनर के पास है। सुबह जब ग्रामीण खेतों में गए तो प्रशांत का शव खेत में बने कोठड़े (कमरे) के बाहर और उसकी मां राजबाला का शव कोठड़े के अंदर पड़ा था। मामले की सूचना आईएमटी थाने में दी गई। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर कैलाशचंद मौके पर पहुंचे और एफएसएल की टीम को बुलाया गया।

शादी के एक साल बाद पति ने ली 6 महीने की गर्भवती पत्नी की जान

दावणगेरे (कर्नाटक), 25 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में श्रद्धा हत्याकांड की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई कि अब कर्नाटक के दावणगेरे जिले से एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। जिले में एक पति ने अपनी 6 महीने की गर्भवती पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद उसके शव को जंगल में दफना दिया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी की पहचान 25 वर्षीय मोहन कुमार के रूप में हुई है। मोहन दावणगेरे में चन्नागिरी शहर के पास गंगोदनहल्ली में रहता है। पुलिस ने मोहन कुमार के फरार माता-पिता की भी तलाश शुरू कर दी है। मृतक महिला की पहचान 21 वर्षीय चंद्रकला उर्फ रश्मि के रूप में हुई है।

जानें क्या है पूरा मामला

चंद्रकला और मोहन कुमार की शादी पिछले साल हुई थी। हालांकि, शुरुआती दिनों में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद सामने आया था। मोहन कुमार को चंद्रकला के चरित्र पर शक था और वह उस पर दहेज लाने का दबाव भी बनाता था। अगर चंद्रकला किसी से बात भी करती थी तो वह उससे पूछताछ करता था और उसपर अवैध संबंध होने का आरोप भी लगाता था। पुलिस ने कहा कि चंद्रकला जब पति की प्रताड़ना से ज्यादा तंग आई तो उसने अपने माता-पिता को फोन किया। इसके बाद

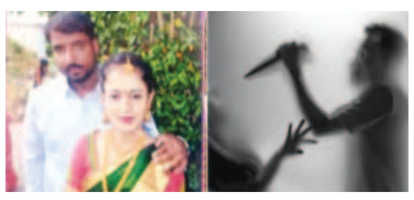

वे अपने मायके वापस आ गई, लेकिन उसके माता पिता ने उसे वापस ससुराल भेज दिया था।

गुमशुदगी की शिकायत में कहा- किसी के साथ भाग गई पत्नी

डेढ़ महीने पहले मोहन कुमार ने झगड़े के दौरान अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद मोहन ने पत्नी के शव को ले जाकर हुनघट्टा वन क्षेत्र में दफना दिया। फिर उसने उसके माता-पिता को बताया कि चंद्रकला लापता हो गई है। 10 अक्टूबर को पुलिस में चंद्रकला की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि वह किसी के साथ भाग गई है।

एक महीने पहले पत्नी को मारने की बनाई थी योजना

वहीं चंद्रकला के माता-पिता को संदेह था कि उनके दामाद ने उनकी बेटी को कोई नुकसान पहुंचाया होगा। इसलिए उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में सामने आया है कि लापता होने के दिन आरोपी अपनी कार लेकर रात 2 बजे बाहर गया था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

मनाली से जालंधर जा रही पर्यटकों की बस बिलासपुर में पलटी, 16 यात्री घायल

बिलासपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर शहर से सटे राष्ट्रीय मार्ग पर होटल सागर व्यू के पास मनाली से जालंधर की तरफ जा रही एक प्राइवेट बस (पीबी01 सी 9972) पलट गई। हादसे में 16 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 11 घायल यात्री जिला अस्पताल बिलासपुर

में उपचाराधीन हैं और चार गंभीर रूप से घायल यात्रियों को पीजीआई रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसे में सभी घायल मुंबई, जालंधर, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, उड़ीसा के हैं। बिलासपुर प्रशासन द्वारा गंभीर रूप से घायलों को 5000 रूपये प्रति व्यक्ति और आंशिक रूप से घायलों को 2000 रूपये प्रति व्यक्ति आर्थिक सहायता दी गई है। डीएसपी मुख्यालय राजकुमार ने बताया की इस मामले में थाना सदर बिलासपुर में बस चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

'विवाहित महिला से शादी का वादा रेप का आधार नहीं'

बलात्कार के आरोपी को बरी करते हुए एचसी ने कहा

तिरुवनन्तपुरम, 25 नवंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने एक फैसला सुनाते हुए कहा है कि अगर कोई पुरुष किसी महिला से शादी करने के अपने वादे से मुकर जाता है तो सहमति से यौन संबंध आईपीसी की धारा 376 के तहत अपराध नहीं होगा। हाईकोर्ट ने बलात्कार के आरोपी को भी इसी तर्क पर बरी कर दिया। जस्टिस कौसर एडप्पागथ की पीठ आईपीसी की धारा 376, 417 और 493 के तहत दंडनीय अपराधों के लिए दर्ज अपराध में आगे की सभी कार्यवाही को रद्द करने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जस्टिस कौसर एडप्पागथ की एकल पीठ ने बलात्कार के मामले को खारिज करते हुए यह भी कहा कि अगर एक विवाहित महिला ने स्वेच्छा से पुरुष के साथ यौन संबंध बनाए, यह जानते हुए कि वह उसके साथ एक वैध विवाह में प्रवेश नहीं कर सकती है, तो यह बलात्कार नहीं हो सकता। वहीं अभियोजन पक्ष का कहना है कि आरोपी ने शादी के झूठे वादे के तहत ऑस्ट्रेलिया और देश में कई बार याचिकाकर्ता का यौन उत्पीड़न किया। अभियोजन पक्ष ने अपनी याचिका में कहा है कि आरोपी ने बार-बार शादी का वादा करने के बाद वह यौन संबंध के लिए राजी हुई।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के विस्तृत बयान से यह स्पष्ट होता है कि यौन संबंध प्रकृति में सहमति से बने थे। इसमें कहा गया है कि शादी का वादा मामले में टिक नहीं पाएगा, क्योंकि महिला शादीशुदा है और वह अच्छी तरह जानती थी कि कानून के तहत कानूनी शादी संभव नहीं होगी। अदालत ने मामले को खारिज करते हुए कहा, इस तरह का एक अप्रवर्तनीय और अवैध वादा आईपीसी की धारा 376 के तहत अभियोजन का आधार नहीं हो सकता है। अभियुक्तों के लिए ऐसा कोई मामला नहीं है कि उन्होंने वैध विवाह के विश्वास को प्रेरित करने के बाद यौन संबंध बनाए। धोखाधड़ी के अपराध को आकर्षित करने के लिए कुछ भी नहीं है। पिछले महीने इसी तरह के एक मामले में इसी बेंच ने फैसला सुनाया था कि शादी के झूठे वादे पर रेप बर्दाश्त नहीं होगा अगर महिला को पता हो कि वह शख्स पहले से शादीशुदा है और वह उसके साथ शारीरिक संबंध बनाती रही।

कॉल पर दोस्त बनाओ, मीठी बातें कर खाते में पैसे डलवाओ, इंदौर के कॉल सेंटर से चल रहा था गोरखधंधा

इंदौर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीमगर्ल की तर्ज पर इंदौर में गोरखधंधा हो रहा था। फर्क इतना है कि यहां कोई पुरुष महिला की आवाज में नहीं बोल रहा था, जबकि लड़कियां ही मोहजाल में लड़कों को फंसा रही थी। मीठी-मीठी बातें कर लड़कों को फंसाती। फिर उनसे बैंक खातों में पैसे डलवाती। पुलिस ने छापा मारकर ऐसे कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। संचालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामला इंदौर के विजय नगर पुलिस थाना क्षेत्र का है। यहां ड्रीमगर्ल नाम से एक कॉल सेंटर का संचालन होता है। उसके संचालक अतुल कुमार बोरकर के खिलाफ युवती ने छेड़छाड़ की शिकायत की थी। पुलिस जांच के लिए पहुंची तो नया ही कांड सामने आ गया। वहां ड्रीमगर्ल कॉल सेंटर चल रहा था। इस कॉल सेंटर में संचालक ने दस से अधिक लड़कियों को नौकरी पर रखा हुआ था। लड़कों को कॉल कर लड़कियां मीठी-मीठी बातें से रिझाती थी। दोस्ती के बहाने बैंक खातों में रुपये डलवाती थी। कॉल सेंटर का नाम ड्रीमगर्ल कॉल सेंटर है। संचालक खुद लड़कियों के मोबाइल रिचार्ज करवाता था और अकाउंट में पैसे आने के बाद मोटी रकम भी देता था। यहां तीन थानों की पुलिस ने छापा मारा। तब दस से ज्यादा लड़कियां काल सेंटर में बैठी हुई थी। पुलिस ने कॉल सेंटर पर काम करने वाली लड़कियों से पूछताछ की।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार,26 नवंबर, 2022

दो राज्यों की सुलगती सीमा

कहां तो उम्मीद की जा रही थी कि अब पूर्वोत्तर के राज्यों में सीमा विवाद खत्म हो चुका है और वहीं शांति की स्थापना हो चुकी है। लेकिन यह दूसरी बार है जब पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों की पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी की, जिससे छह लोगों की मौत हो गई। दोनों ही घटनाओं में असम पुलिस का हाथ बताने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। ताजा घटना असम और मेघालय की सीमा पर कार्बी आंगलोंग जिले की। लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को सुरक्षाकर्मियों ने रोका, जिसे लेकर हिंसा भड़क गई थी। गनीमत है कि दोनों राज्यों ने सक्रियता दिखाते हुए इस मामले को संभाल लिया है, लेकिन मेघालय के लोगों में गुस्सा बना हुआ है। इस मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा ने माना है कि असम पुलिस को ऐसी हिंसक कार्रवाई से बचना चाहिए था। बहरहाल, मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की गई है। बता दें कि ऐसी ही घटना पिछले साल जुलाई में मिजोरम और असम की सीमा पर हुई थी, जब दोनों राज्यों की पुलिस ने एक-दूसरे पर गोलीबारी की थी। तब भी कई लोग मारे गए थे। उक्त घटना के बाद असम सरकार ने अपने नागरिकों के लिए निर्देश जारी किया था कि वे पड़ोसी राज्यों में न जाएं। एक गणराज्य में यह अपने तरह की पहली घटना थी, जब एक राज्य की पुलिस ने दूसरे राज्य की पुलिस पर ही गोलीबारी कर दी थी। यही नहीं किसी राज्य ने अपने नागरिकों को दूसरे राज्य में न जाने की सलाह भी पहली बार ही जारी की थी। बताना जरूरी है कि असम के साथ मणिपुर, मिजोरम और मेघालय का सीमा विवाद पुराना है। समय-समय पर केंद्र सरकार इन विवादों को सुलझाने का प्रयास करती रही है। केंद्र का दावा है कि काफी हद तक विवाद सुलझ भी चुका है। इस संबंध में करीब सात महीने पहले असम और मेघालय के बीच समझौता भी हुआ था, जिसमें कुल बारह में से छह विवादों को सुलझा लिए जाने का दावा किया गया। उसके बावजूद अगर ताजा घटना घटी, तो पर फिर से गहन विचार की जरूरत है। इसी तरह मिजोरम को लेकर भी हिंसक घटना हुई थी। दोनों राज्यों के बीच तीन दिन पहले ही केंद्रीय गृहमंत्री ने सीमा विवाद को लेकर समझौता कराया था, मगर दोनों राज्यों की पुलिस आपस में भिड़ गई। खास बात यह है कि असम, मिजोरम और मेघालय में एक ही पार्टी की या गठबंधन सरकारें हैं। इसलिए उनके बीच किसी तरह का राजनीतिक द्वेष भी नहीं माना जा सकता। पूर्वोत्तर में असम के सबसे बड़ा राज्य होने से उससे सीमा विवाद को लेकर अधिक उदारवादी दृष्टिकोण अपनाने की अपेक्षा की जाती है। मगर हैरानी की बात है कि वहीं की पुलिस हमेशा संयम खोती नजर आ रही है। असम की सीमा से लगे पूर्वोत्तर के राज्यों के साथ उसका सीमा विवाद पचासों साल पुराना है और जातीय अस्मिता को लेकर उनमें अक्सर तनाव उभरता रहता है। लेकिन इसका यह अर्थ कतई नहीं कि उसे बंदूक के बल पर शांत करने का प्रयास करना चाहिए। वहां सारा विवाद इसलिए है कि पूर्वोत्तर राज्यों के बीच अभी तक सीमा का सही ढंग से निर्धारण नहीं हो पाया है। बता दें कि पहाड़ी और जंगली राज्य होने से वहां अपनी जमीन की हकदारी को लेकर भ्रम बना हुआ है। जब तक सीमा रेखा का निर्धारण नहीं हो जाता, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। वहां की राज्य सरकारों को भी विवाद की वजहें मालूम हैं, फिर भी सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का कोई कारगर उपाय नहीं किया जा रहा है। मिजोरम की घटना के बाद सीमाई इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती पर सहमति बनी थी। अब समय आ गया है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय इसमें व्यावहारिक दखलंदाजी करे ताकि राज्यों की सीमा पर किसी प्रकार की हिंसा दोबारा न हो।

थाली के बैगन

डॉ. सुरेश कुमार

भजनखबरी उपचुनाव में नेताओं के लिए वोट बटोरने का नया धंधा चालू कर रखा है। अंतर केवल इतना है कि यह सब वह घर पर रहकर करता है। इससे पहले बाहर जाओ, धूप में पसीना बहाओ, पोस्टर चिपकाओ, इनकी-उनकी गाली खाओ की फजीहत थी। धन्यभाग्य की ऑनलाइन के चलते उसके माथे में प्रचार-प्रसार के नए विचार ठनके। अब वह घर पर रहकर ही सारी सृजनशीलता दिखा रखा है। मल्टी मीडिया के चलते सोशल मीडिया की सीढ़ी चढ़कर नेता जी को नए-नए आइडिया दे रहा है। बदले में अच्छी-खासी मोटी रकम वसूल रहा है। वह जिस नेता का प्रचार-प्रसार कर रहा था उनका नाम दयाराम था। सिर्फ नाम के दयाराम थे। पुलिस थाने में उनकी दया के किस्से चोर-डकैती, लूटपाट, खूनखराबा के रूप में दर्ज हैं। इसी दयाराम के ऊपर भजनखबरी ने छोटा-सा गीत लिख डाला – राम बोलो भाई राम बोलो – जय जय दयाराम बोलो। प्यार से बोलो भई जोर से बोलो – जय जय दयाराम बोलो। फूटा अंडा निशान है बोलो – जय जय दयाराम बोलो। चुनाव में यही बटन दबा दो – जय जय दयाराम बोलो। गीत सुनने के बाद दयाराम जी को लगा कि आरंभ की लाइनें शवयात्रा जैसी हैं। इस पर भजनखबरी ने स्पष्टीकरण देते हुए उवाचा – नेता जी आजकल लोग बड़े बदल गए हैं। वे पारंपरिक पद्धति के गीत नहीं सुन रहे हैं। उन्हें एकदम हटकर सुनना पसंद आता है। चूँकि गीत की आरंभिक पंक्तियाँ शवयात्रा सी लग रही है इसलिए यह गीत उन्हें बहुत पसंद आयेगा। यह सुन नेता जी बड़े प्रसन्न हुए। उन्होंने कुछ नारे बना लाने के लिए कहा। नारे बनाने के चक्कर में भजनखबरी को बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। देखते-देखते यह काम भी कर डाला। पहला नारा बना – वोट नहीं तो दया नहीं – आप पर राम की कृपा नहीं। दूसरा नारा बना – वोट दिया तो पुण्य मिलेगा, नहीं तो तुमको पाप लगेगा। तीसरा नारा बना – दया है तो मुमकिन है – राम के चलते रात और दिन है। इस तरह कई नारे बना डाले। नारे सुन दयाराम को बड़ा पर हँसी आ रही थी। उन्हें लगा पैसा अच्छे को बुरा और बुरे को अच्छा बना देता है। पैसा न हो तो सगा बेटा भी बाप की अच्छाई नहीं बताता। वरना जीवन भर जन्म देने के लिए उसे कोसता रहता है। दयाराम को नारे इतने अच्छे लगे कि हाथों हाथ उन्होंने भी कई नारे बना डाले – आएगा भई आएगा – दयाराम आएगा। लाएगा भई लाएगा खुशहाली लाएगा। इधर उधर जिधर देखो – दयाराम की कृपा देखो। नारे इतने पॉवरफुल थे कि भजनखबरी को अपनी दुकान बंद होती नजर आयी। तुरंत उसने नेता जी को रोका। कहा - आप भी कमाल करते हैं। आपका काम हड़कंप मचाना है, लोगों को दहलाना है, अपना खौफ जमाना है।

न कि नारे बनाने जैसा चिल्लर काम करना है। शेर अगर घास की ओर ताकेगा तो बाकी जानवर उस पर चढ़ बैठेंगे। यह सुन दयाराम नारा बनाने के काम से हायतौबा कर ली। भजनखबरी ने उन्हें सुझाव देते हुए उवाचा कि आप अपना एक निजी चुनावी एजेंडा बना लीजिए। ऐसे-ऐसे वायदे कीजिए कि लोग सुनकर दंग रह जाएँ। वो जब तक कुछ सोचे समझेंगे तब तक चुनाव बीत चुका होगा और आप गद्दी पर पैर पे पैर धरकर शासन करते हुए नजर आयेंगे। आप उन्हें सपना दिखाइए कि समुद्र का पानी फिल्टर कर उन्हें पीने के लिए दिया जाएगा। रेती से सोना निकालने का व्यापार सिखाया जाएगा। शिक्षा के नाम पर सब लोगों के शरीर में शिक्षा का चिप फिट करवाया जाएगा, तब देखिए लोग आपको वोट दिए बिना नहीं रह पायेंगे। आप अपने जन्मदिवस को दया दिवस के रूप में घोषित कर दें।

भारत का हृदय प्रदेश और दो-दो यात्राओं का संदेश!

ऋतुपर्ण दवे

सियासत के न जाने कितने रंग और रूप होते हैं, शायद सियासतदारों को भी न पता हो। शह और मात का खेल शतरंज में होता जरूर है लेकिन मौजूदा दौर में तो वह सियासत पर परवान चढ़ाता चाहे जब और जहां दिख जाता है। इन दिनों देश में गुजरात और हिमाचल के विधानसभा चुनाव के साथ दिल्ली महानगर पालिका चुनावों की पूरे देश में भले ही चर्चा हो रही हो लेकिन एक राज्य ऐसा भी है जहां विधानसभा चुनाव को पूरे वर्ष भर बांकी हैं लेकिन राजनीतिक सरगर्मियां कुछ ऐसी हैं कि पूछिये मत। चुनावी समर में भाजपा और कांग्रेस किसी भी तरह की जोर आजमाइश में एक दूसरे से पीछे नहीं है। राष्ट्रपति का दौरा, प्रधानमंत्री का महीने भर के अन्तराल में दो बार दौरा, केन्द्रीय गृह मंत्री का दौरा और अब सरकार की गौरव यात्रा तो राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के पहुंचने के मायने बेहद खास हैं। कहने की जरूरत नहीं कि बात मध्यप्रदेश की हो रही है। अगले वर्ष यानी 2023 में ठीक इन्हीं दिनों देश का दिल कहें या भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश चुनावी कोलाहल की उफान में डूबा हुआ होगा। ऊंट किस करवट बैठेगा इसको लेकर कोई ठोस दावा भी होता नहीं दिख रहा है। 2018 के चुनाव में थोड़े से अंतराल से पिछड़ने के बाद बहुमत से पिछड़ी भाजपा को दोबारा सत्ता में आने खातिर जिस तरह से नाटकीय घटनाक्रम हुए जिसमें कांग्रेस विधायकों का थोक इस्तीफा, दलबदल और उप- चुनाव में पसीना बहाकर बहुमत हासिल करना पड़ा, वैसी नौबत ही न आए सारी कवायद बस इतनी है। मतदाताओं को साधने की कवायद में भाजपा तेजी से सक्रिय है। किसी न किसी बहाने लोगों तक पहुंच रही है उस मुकाबले कांग्रेस बहुत पीछे है। राहुल गांधी की पदयात्रा कांग्रेस को कितनी संजीवनी दे पाएगी यह वक्त बताएगा। लेकिन जो दिखता है और लोग मानते भी हैं कि जिस आत्मविश्वास, उत्साह, इशारे और संगठानात्मक मजबूती के साथ शिवराज सिंह चौहान के तेवर बदले हुए हैं वो बताते हैं कि वो पांचवीं बार भी प्रदेश की कमान संभालने की जुगत में अभी से जुट गए हैं। तमाम सभाओं में आला अधिकारियों को फटकारना, निलंबित करना, अपराधियों विशेषकर बलात्कारियों या सूदखोरों के घर ढ़हा देने के फैसलों से भी एक नई हवा बनी है। कभी यह चर्चा होती थी कि वो दिल्ली को भाते नहीं है वह भी नहीं दिखती उल्टा प्रधानमंत्री के साथ उनकी हालिया लगभग सारी मुलाकातें और महीने में दो बार आने से भी जहां खुद भाजपा कार्यकर्ताओं को बड़ा संदेश गया वहीं प्रशासनिक हल्के को भी समझ आ गया है कि 2023 की कैसी तैयारी करना है। 17 सितंबर और महीने भर के ही अन्दर 12 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मध्यप्रदेश में उपस्थिति बताती है कि मिशन 2023 के लिए मोदी का प्रदेश में सबसे ज्यादा भरोसा किस पर है। 17 सितंबर अपने 72 वें जन्मदिन पर मध्यप्रदेश के कूनो अभ्यारण्य में 8 चीते जिन्हें नामीबिया से लाकर छोड़ना तो वहीं 26 दिन बाद ही धार्मिक नगरी उज्जैन में सुप्रसिध्द बाबा महाकाल लोक का उद्घाटन कर इतना तो साफ कर दिया कि कि भाजपा अगला चुनाव किसके नेतृत्व में या किसे मुखिया बनाकर लड़ेगी। दोनों ही मौकों पर प्रधानमंत्री के सबसे करीब और सबसे ज्यादा वक्त तक कोई दिखा तो वो थे शिवराज सिंह चौहन। रही-सही कसर इस मौके की सामने आई तमाम तस्वीरों ने पूरी कर दी। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं को ही लें तो गलत नहीं होगा क्योंकि आजादी के अमृतकाल में जहां चीतों के पुनर्वास का अलग सा काम हुआ वहीं कहा जाता है कि महाकाल मंदिर जिसका निर्माण द्वापर युग से भी पहले का है तथा इतिहास बताता है कि मंदिर पर कई बार आक्रमण हुए तथा 11वीं सदी में इल्तुतमिश ने नष्ट भी कर दिया जिसे बाद में हिंदू राजाओं ने इसका पुर्ननिर्मित करवाया। उसी महाकाल के महालोक का नया लुक देने का ऐतिहासिक काम अब हुआ।

स्वाभाविक है दोनों बड़ी उपलब्धियां है और श्रेय किसको जाता है, सबको पता है। जाहिर है शिवराज सिंह चौहान ने वो रास्ता सुरक्षित कर लिया जिसमें प्रदेश के विकास और समृध्दि के साथ उनकी राजनीतिक धाक भी मायने रखती है। अभी मध्य प्रदेश का मालवा-निमाड़ सियासी अखाड़ा बना हुआ है। वहीं 15 नवंबर को विन्ध्य में राष्ट्रपति की शहडोल यात्रा के दौरान जनजातीय वर्ग को साधने खातिर बिरसामुण्डा जयंती के मौके पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का मप्र की धरती में पहले आगमन पर विन्ध्य, महाकौशल के 11 जिलों के जनजातीय समुदाय की उपस्थिति और इसी दिन राष्ट्रपति पेसा एक्ट (पंचायत अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) लागू किए जाने के मायने बहुत गहरे हैं। राष्ट्रपति की मौजूदगी में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बेहद अलग व कड़क भाषण सुनने को मिला। पेसा एक्ट की खूबियाँ बताकर इसे जनजाति समुदाय का स्वराज साबित बताना बताता है कि दरअसल कहीं पे निशाना और कहीं पे निगाहें हैं। मध्यप्रदेश में जो भी कुछ राजनीतिक सरगर्मियां है नवंबर 2023 में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर है। 230 सीटों में अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 35 तो वहीं आदिवासी वर्ग के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं। मध्यप्रदेश में 84 विधानसभा सीटों पर आदिवासी वोट बैंक का जबरदस्त दखल है। 2018 में मध्यप्रदेश में आदिवासी सीटों के नतीजे बेहद चौंकाने वाले थे। 47 सीटों में भाजपा 16 जीत पाई थी जबकि कांग्रेस ने 30 सीटें जीतीं थीं। सरकार कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की बनीं लेकिन बाद में राजनीतिक जोड़-तोड़, इस्तीफे, दलबदल के चलते भाजपा ने 23 मार्च 2020 को कमल नाथ के स्थान पर न केवल वापसी की बल्कि उप-चुनाव में भी सफलता हासिल की जिससे शिवराज सिंह चौहान की चौथी पारी बरकरार है। सारा खेल यही साधने का है राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के 23 नवंबर को मध्यप्रदेश पहुंचने के बाद सरगर्मी बढ़ गई है।

इसके 3 दिन पहले 20 नवंबर से शिवराज सिंह की टंटया भील गौरव यात्रा का आगाज हो चुका है जो सभी 89 आदिवासी ब्लॉक जाएगी। दोनों ही यात्राओं का समापन 4 दिसंबर को होगा। गौरव यात्रा इन्दौर में थमेगी तो राहुल की यात्रा 12 दिनों में 386 किमी की मध्य प्रदेश यात्रा केवल बुरहानपुर, खड़वा, खरगोन, इंदौर, उज्जैन और आगर मालवा जिलों से होकर 4 दिसंबर को यात्रा आगर मालवा जिले से राजस्थान कूच कर जाएगी। यकीनन मध्यप्रदेश से राजनीति की बेहद रोचक तस्वीरें देश को दिखेंगी। जब आप यह पढ़ रहे होंगे तब जहां काँग्रेस का उत्साह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर चरम पर होगा वहीं उनके साथ उनकी बहन प्रियंका, बहनोई राबर्ट वाड्रा और भांजा रोहन 4 दिनों तक रहकर मध्यप्रदेश में काँग्रेस की राजनीति को एक नए सियासी मुकाम पर ले जाने की दिशा तय करेंगे।

ऐसा लगता है कि काँग्रेस ने भी सॉफ्ट हिन्दुत्व का रास्ता चुन लिया है क्योंकि मध्यप्रदेश में प्रवेश के मौके पर राहुल की बढ़ी हुई दाढ़ी और माथे पर पीला तिलक तो इन्दौर विमानतल से निकलते वक्त रावर्ट वाड्रा का महाकाल लिखा टी शर्ट पहनना वहीं प्रियंका गांधी द्वारा कार में अपनी गोद में माता को चुनरी संभाल रखना बड़ा संकेत है। कहने की जरूरत नहीं इसके सियासी मायने क्या हैं? प्रदेश में डेढ़ करोड़ जनजातीय वर्ग को साधने दोनों ही दलों की कवायद तेज है।

एक दिन के ही अंतर से शिवराज सिंह चौहान व राहुल गांधी का मामा टंट्या भील की जन्म स्थली बड़ोद अहीर में पहुंचना बताता है कि 2023 का चुनाव पूरी तरह से जनजातीय वर्ग को साधने पर केन्द्रित है। शायद 2018 की पुनरावृत्ति दोनों ही दलों को स्वीकार्य नहीं होगी। मध्यप्रदेश में 80 से ज्यादा सीटें ऐसी हैं जहां आदिवासी मतदाता जीत-हार का फैसला करते हैं। बस देखना यही है कि इस कवायद में कौन कितना तेज दौड़ पाता है क्योंकि शिवराज सिंह चौहान जहां पहले ही शहडोल में 11 जिलों के लोगों के जरिए एक खास संदेश देकर अब मालवा व पश्चिम निमाड़ पर नजरें गड़ाए हुए हैं वहीं कांग्रेस केवल राहुल गांधी का पसीना बहाकर कितना फायदा ले पाती है?

अंतरिक्ष में भारत का नया कीर्तिमान

ऋषभ मिश्रा

अंतरिक्ष की ओर उड़ान में भारत ने एक नया कीर्तिमान रचा है। देश के पहले प्राइवेट रॉकेट विक्रम एस की लॉन्चिंग आन्ध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा से की गयी है। ये रॉकेट एक स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने बनाया है। इस मिशन का नाम “प्रारम्भ” रखा गया है। इसके साथ ही भारत के लिए यह एक गौरव की बात है, क्यूंकि भारत अपना खुद का स्पेस में इकोसिस्टम बना रहा है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जीतेन्द्र सिंह एवं देश की अंतरिक्ष रेगुलेटर, “इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेण्टर” जिसे इंनस्पेस कहते हैं, उसके अध्यक्ष पवन गोयनका भी मौजूद थे। स्काईरूट एयरोस्पेस के संस्थापक पवन कुमार चन्दन ने इसे नए भारत का प्रतीक बताते हुए इसे डॉक्टर विक्रम साराभाई को समर्पित किया है, क्यूंकि डॉक्टर विक्रम साराभाई की वजह से ही भारत का अंतरिक्ष द्वार खुला था, इसलिए उन्होंने इसका नाम “विक्रम एस” रखा है। विक्रम श्रंखला के तहत तीन तरह के रॉकेट लांच किये जाने हैं, और इन्हें छोटी साइज के सेटेलाइट्स ले जाने के हिसाब से विकसित किया गया है। विक्रम 1 इस श्रृंखला का पहला रॉकेट है। स्काईरूट एयरोस्पेस के अनुसार 2020 के अंत में इसका काम शुरू हुआ और 2 साल के रिकॉर्ड समय के भीतर इसे विकसित किया गया है। इस रॉकेट की खासियत है कि ये हाइपरसोनिक स्पीड यानि कि साउंड (ध्वनि) की गति से 5 गुना अधिक गति तक केवल 25 सेकण्ड्स में पहुँच जाता है, साथ ही अंतरिक्ष में ये केवल 150 सेकंड में पहुँच सकता है। ये विक्रम रॉकेट विश्व के उन चंद रॉकेट में से एक है, जो कार्बन फाइबर स्ट्रक्चर से बनाया गया है। इसमें चार 3 डी प्रिंटेड इंजन हैं, जो कि रॉकेट को स्टेबिलिटी यानि कि स्थिरता प्रदान करते हैं। विक्रम एस ने 89.5 यानि कि लगभग 90 किलोमीटर की ऊंचाई और 121 किलोमीटर की रेंज हासिल की है, और इसका पूरा श्रेय भारत सरकार को जाता है, क्यूंकि भारत सरकार ने स्पेस से जुड़े कुछ सुधार जून 2020 में किये थे। जिससे यह संभव हो पाया कि स्काईरुट एयरोस्पेस 2 साल की छोटी सी अवधि में इस मुकाम पर पहुँच सका, जहाँ वह सबऑरबिट रॉकेट को लांच करवा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से स्पेस सेक्टर पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के लिए खुल गया है और ये भारत का अपना खुद का इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही ये मिशन वैश्विक स्तर पर एक फ्रंट लाइन नेशन की दिशा में भारत के लिए बढ़ने का अवसर भी है। अभी फिलहाल व्यावसायिक रूप से एलन मस्क की कंपनी “स्पेस एक्स” पहले से ही मौजूद है और वो मंगल पर जाने की तैयारी में है। ऐसे में भारत के लिए भविष्य में कुछ चुनौतियां भी होंगी। भारत वर्ष 1963 में पहली बार थुम्बा से रॉकेट लांच होने से पहले तक स्पेस फियरिंग नेशन था। लेकिन नवंबर 2022 में भारत स्पेस डेयरिंग नेशन बन कर उभरा है। लेकिन अभी ये यात्रा बहुत लम्बी है। अभी सबसे बड़ी चुनौती ये है, कि भारत के पास अपना कोई स्पेस लॉ (अथवा कानून) नहीं है, और न ही स्पेस एक्ट (अथवा अधिनियम) है, और न ही हमारे पास कोई लायबिलिटी (अथवा जिम्मेवारी) का एक सेट रूल और रेगुलेशन है। प्रावधानों को सक्षम बनाने के लिए उस दिशा में कार्य चल रहा है जो कि लॉ के अंदर तैयार होने हैं। इसीलिए अंतरिक्ष में ये सबऑरबिटल फ्लाइट थी, क्यूंकि ऑर्बिटल फ्लाइट में जोखिम ज्यादा होता है। आने वाले समय में जब प्राइवेट सेक्टर पूरी तरह से लांच करेगा तो उसे लीगल फॉर्मलिटीज को पूरा करना पड़ेगा, और जिस तरह से अमेरिका एवं यूरोप के देश इससे मल्टी बिलियन डॉलर्स कमाते हैं, तो कहीं न कहीं भारत की भी महत्वाकांक्षा है कि वो भी कमर्शियल स्पेस मार्केट में कदम रखे, और उससे थोड़ी आमदनी भी कमाए। वर्तमान में इसरो जो कुछ भी करता है वो राष्ट्रीय मिशन के लिए करता है, लेकिन भारत सरकार के अनुसार आगे आने वाले समय में कमर्शियल मिशन भी प्राइवेट सेक्टर को ही करने की जरुरत है, क्यूंकि ये रिपीट मिशन होते हैं।

आने वाले समय में पोलर सेटेलाइट लांच व्हीकल को भी प्राइवेट सेक्टर से लांच कराने की इज़ाज़त दी जा रही है। जिसे हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड एवं लार्सन एंड टुब्रो की मदद से लांच किया जाएगा। इसी तरह से छोटे सेटेलाइट्स जिनकी मात्रा हज़ारों में छोड़ने का अंदाजा लगाया जा रहा है, उसको भी प्राइवेट सेक्टर से ही लांच कराना बेहतर समझा जा रहा है। इसरो हमारे देश की राष्ट्रीय एजेंसी है, जो कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट का काम देख सकने में जबकि रिपीट लांच को प्राइवेट सेक्टर ज्यादा अच्छे तरीके से और ज्यादा कॉस्ट इफेक्टिव यानि कि कम लागत में कर सकने में सक्षम है। आने वाले समय में भारत से जो भी रॉकेट छोड़े जाएंगे वो किस तरह कम से कम कचरा अंतरिक्ष में छोड़ें, उसकी तरफ भी ध्यान दिया जा रहा है। फिलहाल वर्तमान में अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा कचरा अमेरिका और रूस का है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के अनुसार स्पेसटेक और इनोवेशन के क्षेत्र में इसरो के साथ काम करने के लिए 100 स्टार्टअप समझौता कर चुके हैं, और 100 में से करीब 10 ऐसी कंपनियां हैं, जो कि सेटेलाइट्स और रॉकेट बनाने में जुटी हैं, जो कि भारत के लिए और प्राइवेट सेक्टर्स के लिए भी एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। क्यूंकि जो अंतरिक्ष का क्षेत्र अभी सिर्फ इसरो के माध्यम से देखा जाता है, उसको अब प्राइवेट सेक्टर्स के लिए अनलॉक यानि कि खोल दिया गया है। भारत अभी ग्लोबल स्पेस इंडस्ट्री में सिर्फ 2 फीसद की भागीदारी रखता है। अगर भारत प्राइवेट सेक्टर्स पार्टनरशिप के जरिये आगे बढ़ता है, तो फिर उसकी ग्लोबल स्पेस इंडस्ट्री में भागेदारी और भी बढ़ने की उम्मीद दिखाई दे रही है।

नमामि गंगे का परिवहन पहलू

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

साल 2014 के आम चुनाव में नरेन्द्र मोदी ने काशी में कहा था- 'मुझे मां गंगा ने बुलाया है।' वो लंबे समय से पतित-पावन गंगा नदी को निर्मल और अविरल बनाने का सपना देख रहे थे। काशी और हल्दिया को उन्होंने जल मार्ग से जोड़ने की बात कही थी। आजादी के बाद पहली बार नमामि गंगे की सूत्रधार मोदी सरकार ने जल परिवहन की शुरुआत की है। यह काशी के साथ ही पूरे उत्तर प्रदेश के लिए उपलब्धि है। इतना ही नहीं इसका फायदा पश्चिम बंगाल तक दिखाई देने लगा है। जितना सामान लेकर पानी का पहला जहाज आया उतना समान लाने के लिए सोलह ट्रक लगते। यह जल परिवहन के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम है। यह कार्य आजादी के बाद से ही करना चाहिए था। लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। वर्तमान सरकार द्वारा सैकड़ों नेशनल जल मार्ग पर कार्य किया जा रहा है। बिहार , झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सभी जल मार्ग से जुड़ रहे हैं। व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी में गंगा के उस पार रामनगर में नवनिर्मित बहुउद्देशीय टर्मिनल राष्ट्र को समर्पित कर चुके हैं। प्रधानमंत्री कोलकाता से चले मालवाहक जलयान एमवी रबीन्द्रनाथ टैगोर की अगवानी भी कर चुके हैं। आजादी के बाद यह पहला अवसर था, जब कोई जल मालवाहक इतना सामान लेकर इतनी दूरी तक आया था। मोदी ने जल परिवहन के विकास की असीम संभावनाओं को देखते हुए जो नीतिगत फैसले किए हैं, उनकी योजनाओं को रिकार्ड समय में पूरा किया जा रहा है। वाराणसी का मल्टी मॉडल टर्मिनल परिवहन के क्षेत्र में गेम चेंजर साबित हुआ। जल मार्ग विकास परियोजना के तहत बने इस टर्मिनल को हल्दिया-वाराणसी के बीच राष्ट्रीय जलमार्ग एक पर विकसित किया गया है। इस टर्मिनल के जरिये दो हजार टन के बड़े जहाजों की भी आवाजाही मुमकिन है। मल्टी मॉडल टर्मिनल जल परिवहन को बढ़ावा देने की महत्वाकांक्षी परियोजना का हिस्सा था। यह गंगा नदी पर बने पहले तीन ऐसे टर्मिनल में से था। बनारस की कनेक्टिविटी को मजबूत किया गया है। इससे पूर्वांचल के अलावा पश्चिम बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ जाने का रास्ता आसान हुआ है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण द्वारा हल्दिया से प्रयागराज तक जलमार्ग विकसित हुआ है। परियोजना के तहत पहले बंदरगाह का शुभारंभ भी मोदी ने किया। गंगा में जल मार्ग से बिहार, छत्तीसगढ़ के रास्ते पश्चिम बंगाल तक उद्योग को भी प्रोत्साहन मिलेगा। देश में पैंसठ प्रतिशत माल की ढुलाई सड़क मार्ग से और सत्ताईस प्रतिशत रेलवे के जरिये होती है। जल परिवहन का हिस्सा केवल आधा प्रतिशत है। इसके विपरीत विकसित देशों में यह करीब दस प्रतिशत है। जल परिवहन ढाई गुना सस्ता पड़ेगा। प्रदूषण भी नहीं होगा। सड़क मार्ग से एक टन प्रति किलोमीटर माल भाड़ा ढाई रुपये पड़ता है। रेल का माल भाड़ा एक रुपया चालीस पैसे है। जल परिवहन पर यह शुल्क केवल एक रुपया छह पैसे होगा। सड़क मार्ग से एक लीटर ईंधन में प्रति किमी चौबीस टन और रेलवे के जरिये 85 टन माल की ढुलाई होती है। जबकि जल परिवहन में एक लीटर से प्रति किमी करीब सौ टन माल ले जाया जा सकता है। इस जलमार्ग पर वाराणसी के अलावा ग़ाज़ीपुर, कालूघाट, साहिबगंज, त्रिवेणी और हल्दिया में बहु उद्देशीय टर्मिनल होंगे। जलयानों की मरम्मत और रखरखाव के लिए डोरीगंज बिहार में एक केंद्र होगा। पांच स्थानों पर रोल ऑन रोल रो-रो केंद्र होंगे जो सड़क से जल टर्मिनल तक माल की आवाजाही की सुविधा प्रदान की गई थी। वाराणसी के रविदास घाट पर गंगा नदी में तैयार की गई जेट्टियों का लोकार्पण एवं शिलान्यास हो चुका है। वाराणसी, अयोध्या एवं मथुरा के लिए हाइड्रोजन तथा इलेक्ट्रिक कैटामेरान का अनुबन्ध तथा वाराणसी एवं डिब्रूगढ़ के मध्य क्रूज की समय-सारिणी का विमोचन भी हो चुका है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि जल परिवहन के प्रारम्भ होने से रेलवे तथा सड़कों के भार को कम करने में मदद मिलेगी। इससे डीजल की खपत को कम करते हुए प्रदूषण को भी कम किया जा सकेगा। इस प्रकार इसके माध्यम से अनेक लाभ प्राप्त होंगे। इन लाभों का केन्द्र बिन्दु काशी बनने जा रहा है। सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है। जल परिवहन के माध्यम से पर्यटन के साथ ही, कार्गो की सुविधा लोगों को प्राप्त होगी।

चुनाव आयुक्त का चुनाव कैसे हो?

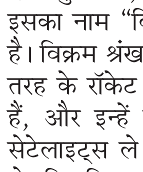

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और किसी भी लोकतंत्र की श्वास-नली होती है चुनाव। उसमें होनेवाले लोक प्रतिनिधियों के चुनाव निष्पक्ष हो, यह उसकी पहली शर्त है। इसीलिए भारत में स्थायी चुनाव आयोग बना हुआ है। लेकिन जब से चुनाव आयोग बना है, उसके मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार के हाथ में है। हमारे चुनाव आयोग ने सरकारी पार्टियों के खिलाफ भी कई बार कार्रवाई की है लेकिन माना यही जाता है कि हर सरकार अपने मनपसंद नौकरशाह को ही इस पद पर नियुक्त करना चाहती है ताकि वह लाख निष्पक्ष दिखे लेकिन मूलतः वह सत्तारूढ़ दल की हित-रक्षा करता रहे। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट में अरुण गोयल की ताजातरीन नियुक्ति के विरुद्ध बहस चल रही है। गोयल 17 नवंबर तक केंद्र सरकार के सचिव के तौर पर काम कर रहे थे, लेकिन उन्हें 18 नवंबर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दी गई और 19 नवंबर को उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बना दिया गया। उसके पहले अदालत इस विषय पर विचार कर रही थी कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार कैसे किया जाए। किसी भी अफसर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के पहले तीन माह का नोटिस देना होता है लेकिन क्या वजह है कि सरकार ने तीन दिन भी नहीं लगाए और गोयल को मुख्य चुनाव आयुक्त की कुर्सी में ला बिठाया? इसका अर्थ क्या यह नहीं हुआ कि दाल में कुछ काला है? इसी प्रश्न को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अब सरकार की तगड़ी खिंचाई कर दी है। अदालत ने सरकार को आदेश दिया है कि गोयल की इस आनन-फानन नियुक्ति के रहस्य को वह उजागर करे। नियुक्ति की फाइल अदालत के सामने पेश की जाए। अदालत की राय है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति सिर्फ सरकार द्वारा ही नहीं की जानी चाहिए। विरोधी दल के नेता और सीजेआई को भी नियुक्ति मंडल में शामिल किया जाना चाहिए। अदालत की यह मांग सर्वथा उचित है लेकिन अदालत को फिलहाल यह अधिकार नहीं है कि वह किसी नियुक्ति को रद्द कर सके। वास्तव में गोयल की नियुक्ति को अदालत रद्द नहीं करना चाहती है लेकिन वह दो बात चाहती है। एक तो यह कि नियुक्ति मंडल में सुधार हो और दूसरा चुनाव आयुक्तगण कम से कम अपनी छह साल की कार्य सीमा पूरी करें। सबसे लंबे पांच साल तक सिर्फ टीएन शेषन ने ही काम किया, जबकि ज्यादातर चुनाव आयुक्त कुछ ही माह में सेवानिवृत्त हो गए, क्योंकि उनकी आयु सीमा 65 वर्ष है। अदालत चाहती है कि भारत के चुनाव आयुक्त निष्पक्ष हों और वैसे दिखें भी और उन्हें पर्याप्त समयावधि मिले ताकि वे हमारी चुनाव प्रक्रिया में अपेक्षित सुधार भी कर सकें।

गणेश भक्तों के लिए मार्गशीर्ष मास की विनायक चतुर्थी है विशेष

न करें ये गलती, लग सकता है 'कलंक'

मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी

हिंदू पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष शुक्ल विनायक चतुर्थी तिथि 26 नवंबर 2022 को रात 07 बजकर 28 मिनट पर आरंभ होगी

और अगले दिन 27 नवंबर 2022 को 04 बजकर 25 मिनट पर इसका समापन होगा.

विनायक चतुर्थी पूजा मुहूर्त

सुबह 11:11 – दोपहर 01:18 (27 नवंबर 2022)

अवधि – 02 घंटे 08 मिनट

चंद्रोदय समय – सुबह 10:29

चंद्रास्त समय – रात 09:00

क्यों विनायक चतुर्थी पर है चंद्र दर्शन की मनाही

चतुर्थी पर दिख जाए चंद्रमा तो करें ये उपाय

विनायक चतुर्थी व्रत में अगर गलती से चांद दिख जाए तो सिंहः

प्रसेन मण्वधीत्सिंहो जाम्बवता हतः।
सुकुमार मा रोदीस्तव ह्मेषः
स्यमन्तकः।।

मंत्र का जाप करें. मान्यता है कि इससे कलंक नहीं लगता.

हिंदू धर्म में हर माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को विनायक चतुर्थी का व्रत रखा जाता है. ये रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान गणेश की आराधना का दिन है. मान्यता है विनायक चतुर्थी पर श्रद्धापूर्वक जो गौरी नंदन विघ्नहर्ता श्री गणेश की उपासना करता है उसकी सभी समस्याओं का समाधान होने लगता है. साथ ही धन, वैभव और बुद्धि में वृद्धि होती है. विनायक चतुर्थी व्रत के दिन चंद्रमा को देखना निषेध है. मार्गशीर्ष माह की विनायक चतुर्थी का व्रत 27 नवंबर 2022 को रखा जाएगा.

पौराणिक कथा के अनुसार चंद्रदेव अपने सौंदर्य पर बहुत अहंकार था. जब भगवान गणपति को हाथी का मुख लगाया जा रहा था तब चंद्रदेव इसका उपहास कर रहे थे. चंद्रमा को मंद मुस्कुराते हुए गणपति ने देख लिया और वह क्रोध में आ गए. गुस्से में गजानन ने चंद्रमा को श्राप दे दिया कि आज से तुम काले हो जाओगे. उस दिन विनायक चतुर्थी थी. बाद में चंद्रमा अपनी इस गलती की माफी मांगी तब गणेजी बोले की सूरज का प्रकार पाकर तुम पुनः धीरे धीरे अपने असली रूप में आ जाओगे लेकिन ये दिन आपको दंड देने के लिए याद किया जाएगा और जो व्यक्ति इस दिन चंद्रमा के दर्शन करेगा उस पर झूठे आरोप का कलंक लगेगा. यही वजह है कि विनायक चतुर्थी पर चंद्रमा के दर्शन करने की मनाही है. धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने विनायक चतुर्थी चंद्रमा देख लिया था, जिसके बाद उन पर स्यामंतक मणि चोरी करने का झूठा आरोप लगा था.

30 साल बाद शनि करेंगे कुंभ राशि में गोचर, इन राशियों की खुलेगी किस्मत

नए साल को शुरू होने में अब महज़ एक महीने का समय ही रह गया है। नए साल में कई गृह अपनी चाल बदलने वाले हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की चाल में बदलने से सभी राशि के जातकों पर शुभ और अशुभ प्रभाव पड़ते हैं। साल 2023 के जनवरी महीने की 17 तारीख को शनि देव कुंभ राशि में प्रवेश करने वाले हैं। आपको बता दें, शनि ग्रह 30 साल के के बाद कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। शनि देव जब भी राशि बदलते हैं तो उसका असर सभी राशि के जातकों के जीवन पर पड़ता है। दरअसल, शनि को बेहद क्रूर ग्रह माना गया है। इनकी दृष्टि जिन जातकों पर पड़ती है उन्हें जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए सभी जातकों शनि देव को खुश करने के लिए पूरी कोशिश करते हैं। लेकिन नए साल में शनि के गोचर से तीन राशियों को बेहद फायदा होगा। वे राशियां कौन सी हैं, चलिए हम आपको बताते हैं।

मिथुन राशि

शनि के कुंभ राशि में गोचर करने से सबसे ज्यादा फायदा मिथुन राशि को मिलेगा। कुंडली का 9वां भाव भाग्य और विदेश यात्रा का स्थान माना जाता है। साल 2023 में इस राशि के लोगों का भाग्योदय होगा। धन-दौलत के कोई भी कमी नहीं रहेगी। विद्या के क्षेत्र में शुभ फल मिलेंगे। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी अचानक धन लाभ हो सकता है।

सिंह राशि

साल 2023 में शनिदेव की विशेष कृपा सिंह राशि वालों के ऊपर रहेगी। सिंह राशि के जातक पूरे वर्ष अच्छा लाभ अर्जित करेंगे। भाग्य का साथ मिलने से रूके हुए सभी कार्य पूरे होंगे। शनिदेव आपकी राशि से सातवें भाव में विराजमान होने वाले हैं। कुंडली का सातवां भाव विवाह और जीवन साथी का होता है शनि सप्तम एवं अष्टम के कारक ग्रह होकर सप्तम भाव मे स्वगृही होकर गोचर कर रहे हैं और ऐसे में व्यवसायिक गठबंधन लाभकारी साबित होंगे। नौकरी करने वाले लोगों के लिए यह साल किसी वरदान से कम नहीं होगा।

मीन राशि

साल 2023 में शनि के कुंभ राशि में आने से मीन राशि के जातकों को अच्छा परिणाम प्राप्त होगा। शनिदेव आपकी राशि से कुंडली के 12वें भाव में गोचर करेंगे। लेकिन आपको हानि के बजाय फिजूल खर्चों रोक लग सकती है। स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा। सामाजिक, पद प्रतिष्ठा में भी बढोतरी होने के संकेत दिख रहे हैं। धन का आप अच्छा निवेश करते हुए ज्यादा से ज्यादा पैसे एकत्रित कर सकते हैं।

इन 5 अवसरों पर घर में रोटी बनना मानते हैं अशुभ

भारत के हर घर में भूख मिटाने के लिए रोटी का सेवन किया जाता है। कहते हैं कि रोटी के बिना इंसान का भोजन अधूरा होता है। आमतौर पर लोग गेहूं, मक्का या कुट्टू के आटे से बनी रोटी खाना पसंद करते हैं। क्या आप जानते हैं कि हिंदू धर्म में कुछ दिन ऐसे होते हैं जिनमें रोटी पकाना वर्जित होता है। जी हां, सनातन धर्म में ऐसे कई अवसर होते हैं जब रोटी बनाने की मनाही होती है। आइए आज आपको इस विषय के बारे में विस्तार से बताते हैं।

1. मृत्यु

शास्त्रों के जानकारों का कहना है कि घर में किसी की मृत्यु हो जाने पर रोटियां सेंकना अच्छा नहीं होता है। ऐसे घरों में तेरहवीं संस्कार के बाद ही रोटी सेंकी जा सकती है। ऐसी मान्यताएं हैं कि तेरहवीं से पहले रोटी बनाने से मृत इंसान के सूक्ष्म शरीर पर फफोले पड़ जाते हैं।

2. नागपंचमी

शास्त्रों के अनुसार, नागपमंची के दिन भी रोटी बनाने से परहेज करना चाहिए। इस दिन खीर, पूड़ी और हलवा जैसी चीजें बनानी और खानी चाहिए। दरअसल नागपंचमी के दिन आंच पर तवा नहीं चढ़ाया जाता है। ऐसा कहते हैं कि तवा नाग के फन का प्रतिरूप होता है। इसलिए नागपंचमी पर इसे अग्नी पर नहीं रखना चाहिए।

3. शीतलाष्टमी

शीतलाष्टमी पर शीतला माता की पूजा का विधान है। इस दिन माता को बासी खाने का भोग लगाया जाता है और इसे ही खाया जाता है। शीतला अष्टमी पर सूर्योदय से पहले ही माता को बासी खाने का भोग लगाया जाता है और इसे ही प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।

4. शरद पूर्णिमा

शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा 16 कलाओं से दक्ष होता है। ऐसा कहते हैं कि शरद पूर्णिमा की शाम को खीर बनाकर चांद की रोशनी में रखी जाती है और इसका अगले दिन सुबह सेवन किया जाता है। चूंकि इस दिन चांद की रोशनी में रखी खीर खाने की परंपरा होती है, इसलिए घर में रोटी नहीं सेंकी जाती है।

5. माता लक्ष्मी के त्योहार

शास्त्रों के जानकार कहते हैं कि माता लक्ष्मी से संबंधित त्योहारों पर घर में रोटी नहीं बनाई जाती है। इनमें से एक त्योहार दीपावली का भी है। दीपावली के दिन आप सात्विक भोजन, पूरी और मिठाई का सेवन कर सकते हैं। लेकिन इस दिन घर में रोटी सेंकने से बचना चाहिए।

फेंगशुई ऊंट से घर आएगी सुख, समृद्धि और खुशहाली

फेंगशुई ऊंट रखना होता है शुभ

चीनी शास्त्र फेंगशुई के मुताबिक, घर में ऊंट का शोपीस रखना बेहद ही शुभ होता है। घर में ऊंट की शोपीस रखने से घर की सारी परेशानियां दूर हो जाती है। हालांकि, फेंगशुई के मुताबिक घर पर ऊंट की शोपीस रखने से पहले कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है।

करियर संवारने के लिए स्टडी रूम में रखें फेंगशुई ऊंट

कई बार खूब मेहनत करने के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती है और कई बार सफलता तो मिलती है पर मेहनत के मुताबिक फल नहीं मिलता है। लेकिन इस समस्या का समाधान चीनी वास्तु फेंगशुई में किया गया है। फेंगशुई के मुताबिक करियर में सफलता पाने के लिए अपने स्टडी रूम में ऊंट की शोपीस रखना चाहिए। ऐसी मान्यता है कि इससे पढ़ाई की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। साथ ही सफलता की राह भी आसान होगी। हालांकि ऊंट का पॉजिटिव इफेक्ट आपके ऊपर तभी पड़ेगा जब आप इसे सही दिशा में रखेंगे। फेंगशुई के मुताबिक, ऊंट के शोपीस को स्टडी रूम के उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना शुभ होता है।

धन और सहनशक्ति के किए ऊंट के शोपीस को घर में रखें

फेंगशुई के अनुसार ऊंट के शोपीस को रखने से घर पर धन-संपत्ति का आगमन होता है और दरिद्रता का नाश होता है। मान्यताओं के अनुसार, ऊंट की मूर्ति को घर में रखने से सहनशक्ति बढ़ती है, जिससे इंसान के अंदर सही निर्णय और जल्दी निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है।

विवेक सिर्फ सत्य में पाया जाता है

उपासना के जरिए विवेक पैदा होता है. विवेकी होने से क्षणिक वस्तुओं में शोक और आनंद ये दोनों ही चीजें नहीं होती हैं. विवेकी मनुष्य को पाकर गुण भी सुंदरता को कुछ उसी प्रकार प्राप्त होते हैं, जैसे सोने से जड़ा हुआ रत्न अत्यंत ही सुशोभित होता है. क्रोध का भोजन विवेक है, इसलिए इससे हमेशा बचकर रहना चाहिए, क्योंकि विवेक नष्ट हो जाने पर व्यक्ति का सब कुछ नष्ट हो जाता है. जो व्यक्ति विवेक से जुड़े नियम तो सीख लेता है लेकिन उसे अपने जीवन में अपनाता नहीं है, वह बिल्कुल उस किसान की तरह है जिसने अपने खेत को जोतकर सींच भी दिया है लेकिन उसमें बीज नहीं बोए. जिस मनुष्य के पास स्वयं का विवेक नहीं है, उसके पास शास्त्र के होने या न होने का कोई फर्क नहीं पड़ता है. नेत्रविहीन व्यक्ति के लिए जिस दर्पण व्यर्थ है, कुछ वैसे बगैर विवेक के उसके लिए शास्त्र भी व्यर्थ है.

हनुमान जी की सीख

विश्राम लक्ष्य मिलने के बाद

हनुमान जी माता सीता की खोज में जब लंका की तरफ बढ़ रहे थे, तभी समुंद्र ने हनुमान जी से विश्राम करने का आग्रह किया और अपने भीतर रह रहे मैनाक पर्वत से कहा की तुम हनुमान जी को विश्राम करने दो। हनुमान जी विश्राम करने से मना करते हुए निमंत्रण का मान रखते हुए मैनाक पर्वत को छू कर आगे की ओर निकल पड़े। हनुमान जी की इस बात से हमे यह सीखने को मिलता है कि हमें जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए हमें रुकना नहीं चाहिए।

लक्ष्य बड़ा हो और हालात देखकर अपनी योजना में बदलाव करना जरूरी हो जाए तो पीछे न हटें

1 बल का सदुपयोग।
2 बलशाली होकर संयमित होना।
3 सेवक बनकर ईश्वर का पद पाना।
4 ब्रम्हचर्य।

योजना के अनुसार काम करते समय कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है, जब पहले से तय योजना में बदलाव करना जरूरी हो जाता है। ऐसी स्थिति में बदलाव करने में पीछे नहीं हटना चाहिए। ये बात हम हनुमान जी से सीख सकते हैं। रामायण की घटना है। पंचवटी से सीता जी का हरण हो चुका था और श्रीराम-लक्ष्मण देवी की खोज कर रहे थे। श्रीराम-लक्ष्मण किष्किंधा की ओर थे और ऋष्यमूक पर्वत के पास पहुंच गए थे। इस पर्वत पर ही सुग्रीव हनुमान जी और जामवंत के साथ बालि के डर से छिपे हुए थे। सुग्रीव ने पर्वत से दो राजकुमारों को आते हुए देखा। ये दो राजकुमार श्रीराम और लक्ष्मण ही थे। सुग्रीव ने राजकुमारों को देखकर सोचा कि इन दोनों को बालि ने मुझे मारने के लिए ही भेजा होगा। सुग्रीव ने हनुमान जी से कहा कि तुम जाकर देखो कि ये दो राजकुमार कौन हैं? तुम एक ब्रह्मचारी का वेश बनाकर जाना और इन दोनों की परीक्षा लेना। अगर इन दोनों को बाली ने भेजा हो तो हमें इशारा कर देना, हम यहां से कहीं और भाग जाएंगे। हनुमान जी सुग्रीव की योजना के अनुसार ब्रह्मचारी नहीं, बल्कि ब्राह्मण का वेश धारण करके दोनों राजकुमारों के सामने पहुंच गए। हनुमान जी के राजा सुग्रीव ने आदेश दिया था कि ब्रह्मचारी बनकर जाना, लेकिन हनुमान जी ब्राह्मण का वेश धारण करके पहुंचे। यहां हनुमान जी का ये निर्णय हमें सीख दे रहा है कि जब भी कोई बड़ा काम करना हो तो अपनी बुद्धि का उपयोग जरूर करें।

अगर हालात योजना में बदलाव करने का संकेत दे रहे हैं तो योजना में बदलाव कर लेना चाहिए। बदलाव से पीछे नहीं हटना चाहिए। उस समय हनुमान जी दो अंजान राजकुमारे से मिलने जा रहे थे। वह ऐसा दौर था, जब सभी लोग ब्राह्मणों को बहुत मान-सम्मान देते थे। हनुमान जी ने सोचा था कि अगर ये दोनों शत्रु हैं तब भी ब्राह्मण को देखकर एकदम प्रहार नहीं करेंगे। इस वजह से हनुमान जी ब्राह्मण के रूप में श्रीराम-लक्ष्मण से मिले थे। इस प्रसंग में हनुमान जी ने मौके पर अपनी योजना में बदलाव किया और इस बदलाव की वजह से वे श्रीराम-लक्ष्मण की परख आसानी से कर पाए। इसके बाद जब हनुमान जी श्रीराम को पहचान गए तो अपने असली रूप में आ गए और सुग्रीव से श्रीराम की मित्रता करवाई थी। इस किस्से में हनुमान जी हमें यही सीख दी है कि काम करते समय पहले से तय योजना में बदलाव करना पड़े तो पीछे नहीं हटना चाहिए। सफल होने के लिए जरूरी बदलाव कर लेना चाहिए।

100 करोड़ क्लब में शामिल हुई दृश्यम 2

अजय देवगन स्टारर दृश्यम 2 ने एक हफ्ते के अंदर ही 100 करोड़ की कमाई कर ली है। फिल्म ने रिलीज के सातवें दिन 8.62 करोड़ का कलेक्शन किया है। इस तरह फिल्म की कुल कमाई 104.66 करोड़ हो गई है। बॉलीवुड के लिए ये साल काफी फीका रहा है। चंद ही फिल्में ऐसी हैं जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है अब दृश्यम 2 भी इस फेहरिस्त का हिस्सा हो गई है।

फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म का लेटेस्ट कलेक्शन शेयर करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- ₹दृश्यम 2 नॉट आउट है। पहले हफ्ते में फिल्म ने सॉलिड स्कोर बनाया है। अब दूसरे हफ्ते पर सभी की निगाहें हैं। शुक्रवार 15.38 करोड़, शनिवार 21.59 करोड़, रविवार 27.17 करोड़, सोमवार 11.87 करोड़, मंगलवार 10.48 करोड़, बुधवार 9.55 करोड़, गुरुवार 8.62 करोड़। कुल 104.66 करोड़। करीब 60 करोड़ के बजट में बनी दृश्यम 2 ने अब रिलीज के सात ही दिनों में अपने बजट का लगभग दुगुना प्रॉफिट कमा लिया है। फिल्म अभी भी थिएटर्स में तगड़ा कलेक्शन कर रही है।

इस साल जितनी भी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं हैं उन सभी में ओपनिंग वीकेंड पर सबसे ज्यादा कलेक्शन ब्रह्मास्त्र ने किया था। ब्रह्मास्त्र ने शुरुआती तीन दिनों में 111 करोड़ की कमाई कर ली थी। 64 करोड़ के कलेक्शन के साथ दृश्यम 2 ने दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। करीब 56 करोड़ के कलेक्शन के साथ भूल भुलैया 2 तीसरे नंबर पर है। चौथे और पांचवें नंबर पर सम्राट पृथ्वीराज और गगूंबाई काठियावाड़ी काबिज हैं।

अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, तब्बू, श्रेया सरन और अक्षय खन्ना मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के पहले पार्ट को निशिकांत कामत ने डायरेक्ट किया था, लेकिन कोविड के दौरान उनका निधन हो गया जिसकी वजह से फिल्म के प्रोड्यूसर अभिषेक पाठक ने ही फिल्म के डायरेक्शन की भी जिम्मेदारी उठा ली।

महेश बाबू ने पिता को याद कर लिखा इमोशनल नोट : कहा- वो सभी लोग चले गए जो मेरे लिए महत्व रखते थे

साउथ एक्टर महेश बाबू इस समय कठिन दौर से गुजर रहे हैं। दरअसल उनके पिता कृष्णा का 15 नवंबर को कार्डियक अरेस्ट की वजह से निधन हो गया था। अब कृष्णा की मौत के 10वें दिन महेश बाबू ने सोशल मीडिया के जरिए पोस्ट शेयर कर उन्हें याद किया। इसके साथ ही उन्होंने एक इमोशनल नोट भी लिखा है।

महेश बाबू ने इस इमोशनल पोस्ट में लिखा, 'आपकी लाइफ सेलिब्रेट की गई, आपका न रहना इससे भी ज्यादा सेलिब्रेट किया जाएगा। आप इतने महान हैं। आपने अपनी लाइफ निडरता से जी, डेयरिंग और डैशिंग आपका व्यक्तित्व था। मेरी इंस्पिरेशन, मेरी करेज और वो सब जो मैं आपकी ओर देखता रहा और वो सभी लोग जो मेरे लिए महत्व रखते थे चले गए।'

मैं अब निडर हूं- महेश बाबू

महेश बाबू ने आगे लिखा, 'लेकिन मुझे हैरानी इस बात की है कि मैं इस वक्त ऐसी ताकत महसूस कर रहा हूं, जो मैंने पहले कभी महसूस नहीं की। अब मैं निडर हूं। आपकी रोशनी हमेशा मुझमें चमकती रहेगी। मैं आपकी लिगेसी को आगे लेकर जाउंगा। मैं आपको और भी ज्यादा प्राउड महसूस करवाउंगा। मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं... मेरे सुपरस्टार।'

कृष्णा का जन्म 31 मई, 1942 को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के बुरिपलेम में हुआ था। उन्होंने अपने पूरे करियर में 350 फिल्मों में काम किया था। वो अपने समय के टॉप एक्टर्स में से एक थे। एक्टर, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर होने के साथ वो पॉलिटिशियन भी थे। उन्हें 2009 में भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कृष्णा अपनी पत्नी के निधन के बाद से डिप्रेशन से जूझ रहे थे।

महेश बाबू ने कुछ दिन हले अपने दिवंगत पिता के लिए प्रेयर मीट रखी थी, जिसमें फैमिली और फ्रेंड्स के अलावा इंडस्ट्री से कई सितारे मौजूद रहे। इस दौरान महेश बाबू ने अपने पिता को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उनके साथ उनकी वाइफ नम्रता शिरोडकर भी मौजूद रहीं।

इन सितारों का डायरेक्टर्स से रहा 36 का आंकड़ा, एक ने तो निर्देशक को फिल्म से करा दिया था बाहर

बॉलीवुड एक ऐसी जगह है जहां फिल्मों से कई सितारों को रिप्लेस होते हुए देखा गया है। इसके पीछे की कई वजहें हो सकती हैं, जैसे डायरेक्टर्स से अनबन, स्क्रिप्ट पसंद न आना या फिर कुछ और। ये एक ऐसी जगह है जहां दुश्मनी और दोस्ती का खेल चलता रहता है। सितारों के बीच आपसी टकराव की खबरें भी जगजाहिर होती हैं। लेकिन हिंदी सिनेमा में कई सितारे ऐसे भी हैं जिनके डायरेक्टर्स तक से टकराव हो चुके हैं। तो चलिए आज हम आपको इनके बारे बताते हैं।

कार्तिक आर्यन

कार्तिन आर्यन इन दिनों हिंदी सिनेमा का उभरता हुआ सितारा हैं। वह एक के बाद एक बेहतरीन फिल्में लेकर आ रहे हैं। कार्तिक आर्यन शहजादा और फ्रेडी जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। दोनों ही फिल्मों का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया है। लेकिन कार्तिक और करण जौहर के बीच दोस्ताना 2 को लेकर विवाद रह चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कार्तिक करण की फिल्म दोस्ताना 2 में नजर आने वाले थे। काफी हद तक इस फिल्म की शूटिंग भी हो गई थी, लेकिन फिर अचानक कार्तिक ने इस फिल्म से हाथ पीछे खींचकर सभी को हैरान कर दिया था। इस विवाद से पूरी इंडस्ट्री हिल गई थी।

सलमान खान

इस लिस्ट में सलमान खान का भी नाम शामिल है। दरअसल सलमान खान और अनुराग कश्यप के बीच विवाद हो गया था। ये विवाद फिल्म तेरे नाम के दौरान हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पहले इस फिल्म को अनुराग कश्यप डायरेक्ट करने वाले थे। लेकिन फिर उन्होंने सलमान खान से ऐसी डिमांड कर दी कि अभिनेता ने उनको फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

कंगना रणौत

कंगना रणौत को तो बॉलीवुड की पंगा क्वीन कहा जाता है। उनका अक्सर किसी न किसी से पंगा होता ही रहता है। कंगना करण जौहर से भी पंगा ले बैठी थीं। दरअसल कंगना कॉफी विद करण के पांचवें सीजन में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने करण जौहर को मूवी माफिया बता दिया था और नेपोटिज्म को भी बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। तब से दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला बंद है।

कियारा आडवाणी ने की राम चरण के साथ पार्टी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और साउथ स्टार राम चरण इन दिनों न्यूजीलैंड में अपनी अपकमिंग फिल्म 'आरसी 15' की शूटिंग कर रहे हैं। ये फिल्म दोनों की साथ में पहली पैन इंडिया फिल्म है, जिसे एस. शंकर डायरेक्ट कर रहे हैं। अब कियारा ने सोशल मीडिया पर राम चरण के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें दोनों बर्गर का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं।

कियारा ने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'इन बगर्स के साथ बर्गर, न्यूजीलैंड में सॉन्ग शूट डाइट।' अब इस फोटो को देखने के बाद फैंस काफी एक्साइटेड हैं। जहां एक ने लिखा, 'दो सुपरस्टार्स एक साथ'। वहीं दूसरे ने लिखा, 'दोनों साथ में बहुत अच्छे लग रहे। मैं इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। 'आरसी 15' की बात करें तो ये एक पॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये फिल्म अगले साल तक सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कियारा ने 2014 में फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुग जुग जियो' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। कियारा की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो जल्द ही 'सत्यप्रेम की कथा', 'गोविंदा नाम मेरा' जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

दीपिका पादुकोण और रनवीर सिंह ने मुंबई में नया घर लिया

रनवीर-दीपिका की जोड़ी को खूब पसंद किया जाता है. दोनों ही कालाकारों ने अपनी दमदार एक्टिंग से फैंस का खूब मनोरंजन किया है. हालंकि ये दोनों एक्टर्स एक दूसरे से काफी अलग हैं पर फिर भी एक कपल के तौर पर ये दोनों एक दूसरे के साथ बहुत खूबसूरत लगते हैं. हाल ही में दोनों ने मुंबई में एक आलीशान घर खरीदा है. इनके फ्लैट का एक वीडियो सामने आया है.

24 नवंबर को पैप्स ने दीपिका-रनवीर के नए घर का एक वीडियो शेयर किया था. जैसे कि आप वीडियो में देख सकते हैं कि दीपवीर का नया घर अभी बन रहा है. उस बिलडिंग के गेट के आगे एक LED लगा हुआ है जिसमें साफ दिख रहा है कि उनका घर बनने के बाद कैसा लगेगा. अगस्त में रनवीर और दीपिका ने अपने घर की गृह प्रवेश पूजा की फोटोज को शेयर किया था जो इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थी. फोटोज में रनवीर और दीपिका हवन करते दिखाई दे रहे थे. फैंस बहुत बेसबरी से इनके नए घर को देखने का इंतजार कर कर रहे हैं.

10 साल से रिलेशनशिप में हैं दीपिका-रनवीर

दीपिका-रनवीर अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखते हैं. इन्हें एक दूसरे के साथ रहते 10 साल हो चुके हैं. रनवीर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो और उनकी वाइफ दीपिका 2012 से रिलेशनशिप में हैं. बॉलीवुड के इस चहीते कपल के लाइफ में काफी उतार चढ़ाव हुए हैं पर इन दोनों ने हमेशा एक दूसरे के साथ दिया है.

इवेंट में गिरते- गिरते बचीं दीपिका कक्कड़ : फैन ने की बचाने की कोशिश तो कहा- डोंट टच मी, वीडियो देख भड़के यूजर्स

ससुराल सिमर का फेम एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ हाल ही में दादासाहेब फाल्के आइकॉन अवॉर्ड में शामिल हुई थीं। इस दौरान उनके पति और एक्टर शोएब इब्राहिम भी एक्ट्रेस के साथ मौजूद रहे। इसी बीच का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दीपिका को इस इवेंट के बाद बाहर जाते देखा गया। इसी दौरान दीपिका लड़खड़ा जाती हैं और उनके बगल में चल रहा एक शख्स उन्हें गिरने से बचाता है, लेकिन दीपिका उल्टा ही उसी व्यक्ति पर गुस्सा करने लगती हैं और कहती है, 'मैं ठीक हूं, डोंट टच मी'। इसके बाद दीपिका ने पैपराजी से कहा कि अवॉर्ड लेकर वह शख्स (शोएब इब्राहिम) पीछे आ रहे हैं। आप लोग उनके पास जाइए। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उन्हें जमकर ट्रोल किया।

लोग बोले- भलाई का जमाना नहीं

दीपिका कक्कड़ के इस वीडियो को देखने के बाद एक यूजर्स ने लिखा है कि- ब्लॉग में तो इतना अच्छा बनने की कोशिश करती हो मैडम और कोई रियल में मदद करने की कोशिश करता है तो उसे आंखें दिखाती हो, इतना घमंड अच्छा नहीं होता है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा - इस तरह से तुम्हारा व्यवहार बिल्कुल भी अच्छा नहीं है दीपिका, कोई शख्स आपकी मदद कर रहा है और आप उसी पर गुस्सा कर रही हो।

गौशालाओं की मदद के लिए सामने आए किच्चा सुदीप

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार किच्चा सुदीप ने गायों को गोद लेने का फैसला किया है। किच्चा सुदीप ने गुरुवार को ट्वीट कर इस बात की जानतारी दी है। अभिनेता ने बताया कि वह पुण्यकोटि दत्तू योजना के तहत कर्नाटक के प्रत्येक जिले के लिए 31 गाय को गोद लेंगे। सुपरस्टार के इस फैसले के बाद से ही सोशल मीडिया पर फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि फिल्मों में दमदार अदाकारी से तो दिल जीतते ही थे और अब यह नेक काम करके भी दिल जीत लिया है।

किच्चा सुदीप ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की है। उन्होंने ट्वीट किया, 'सरकार ने मुझे पुण्यकोटि दत्तू योजना का एंबेसडर बनाकर मेरी जिम्मेदारियां बढ़ा दी हैं। मुझे नियुक्त करने के लिए मैं मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और मंत्री प्रभु चव्हाण को धन्यवाद देना चाहता हूं।'

किच्चा सुदीप ने की गौ पूजा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते गुरुवार यानी 24 नवंबर को पशुपालन मंत्री प्रभु बी चव्हाण के आवास पर गौ पूजा हुई। इस पूजा में अभिनेता किच्चा सुदीप भी शामिल हुए। इस दौरान अभिनेता ने सरकार की तारीफ की। किच्चा सुदीप ने कहा कि गायों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा कई अनुकरणीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्हें हमें आगे बढ़ाना चाहिए।

दरअसल, गौशालाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना ही पुण्यकोटि दत्तू योजना का उद्देश्य है। इसी साल राज्य के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने अपने जन्मदिन पर 11 गायों को गोद लिया था। इसी दौरान उन्होंने पुण्यकोटि दत्तू योजना का शुभारंभ किया था। किच्चा सुदीप ने गायों को गोद लेने के बाद अब आम जनता और सिनेमा इंडस्ट्री के कलाकारों से भी इस योजना का हिस्सा बनने की अपील की है।

'वारिसू' के मेकर्स को बिना इजाजत हाथियों के इस्तेमाल पर नोटिस

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) ने आगामी तमिल फिल्म 'वरिसु' के निर्माताओं को अनिवार्य अनुमति लिए बिना पांच हाथियों का इस्तेमाल करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है. एक निजी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, एडब्ल्यूबीआई ने बोर्ड से प्री-शूट अनुमति के बिना हाथियों का उपयोग करने के लिए हैदराबाद स्थित वेंकटेश्वर क्रिएशन्स को नोटिस जारी किया है. विजय और रश्मिका मंदाना अभिनीत, "वरिसु" का निर्माण दिल राजू द्वारा वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले किया जा रहा है.

एडब्ल्यूबीआई के सचिव एस के दत्ता ने 23 नवंबर के नोटिस में कहा कि फिल्म निर्माता ने परफॉर्मिंग एनिमल्स (पंजीकरण) नियम, 2001 का उल्लंघन किया है. नियमों के तहत अगर जानवरों का प्रदर्शन या प्रशिक्षण किया जा रहा है तो प्रत्येक व्यक्ति को बोर्ड के पास पंजीकरण कराना होगा.

नोटिस के मुताबिक बोर्ड को वेंकटेश्वर क्रिएशंस से प्री-शूट एप्लिकेशन नहीं मिला था. बोर्ड की अनुमति के बिना पशुओं का प्रदर्शन पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 26 के तहत अपराध है.

बोर्ड ने वेंकटेश्वर क्रिएशन्स को सात दिनों के भीतर उल्लंघनों का एक पूर्ण और व्यापक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है, जिसमें विफल होने पर बोर्ड कोई भी कार्रवाई करेगा जो जानवरों के कल्याण के लिए उचित और आवश्यक समझे.

हाथियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 के तहत संरक्षित किया गया है, और प्रदर्शनकारी पशु (पंजीकरण) नियम, 2001 के नियम 7(2) के अनुसार फिल्मों में प्रदर्शन करने वाले जानवरों का उपयोग करने के लिए पूर्व अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है.

पशु के प्रकार, पशु की आयु, पशु के शारीरिक स्वास्थ्य, पशु द्वारा किए जाने वाले प्रदर्शन की प्रकृति, वह अवधि जिसके लिए पशु को इस तरह के प्रदर्शन के लिए उपयोग किया जाएगा, निर्दिष्ट करने के लिए एक निर्धारित प्रारूप का पालन किया जाना है – – यह वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत कवर किए गए जानवरों के मामले में एक स्वामित्व प्रमाण पत्र के साथ पशु के स्वास्थ्य और फिटनेस को प्रमाणित करने वाले पशु चिकित्सक द्वारा जारी फिटनेस प्रमाण पत्र के साथ प्रदान किया जाना चाहिए.

हालांकि, मुख्य वन्यजीव वार्डन के कार्यालय से ट्रांजिट परमिट प्राप्त करने के अलावा, प्रोडक्शन हाउस ने कथित तौर पर बोर्ड से परामर्श नहीं किया.

उर्फी जावेद कि इस देश में एंट्री हुई बैन आखिर किस वजह से हुई दिक्कत

उर्फी जावेद एक नई मुश्किल में फंस गई हैं और इस बार वो अपने कपड़े और फैशन की वजह से नहीं बल्कि अपने नाम की वजह से चर्चा में बनी हुई हैं. जी हां सुनकर थोड़ा अजीब लग रहा होगा लेकिन ये सच है. अपने रिवीलिंग ड्रेसेस के कारण तो अक्सर ही वह इंटरनेट ट्रोलिंग्स जैसी मुसीबत झेलती हैं, लेकिन इस बार उनका मसला उनके रिवीलिंग फैशन या कपड़े नहीं बल्कि कुछ और है, जिसके चलते दुबई में उनकी एंट्री बैन हो गई है. हाल ही में, उर्फी जावेद ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसके जरिए ही उन्होंने बताया है कि वह अब कभी यूएई यानी अरब देश में यात्रा नहीं कर पाएंगी. वहां पर अभिनेत्री बैन हो चुकी हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि देश में एक नया रूल आया है, जिसके मुताबिक पासपोर्ट पर मेनश सिंगल नाम वाले भारतीयों (जिन्होंने सरनेम नहीं लगाया) की अरब में एंट्री बैन कर दी गई है. उर्फी के पासपोर्ट पर भी सिर्फ सिंगल नाम है.उर्फी जावेद ने इस इस्टा स्टोरी के साथ लिखा, 'तो मेरा ऑफिशियल नाम अब सिर्फ UORFI है , कोई सरनेम नहीं, मेरी लग गई।' बता दें कि बीते दिनों ही उर्फी जावेद ने अपने नाम की स्पेलिंग में बदलाव किया था। उर्फी ने अपने नाम की स्पेलिंग 'URFI' से 'UORFI' कर ली। उन्होंने अपना नाम सिर्फ सोशल मीडिया साइट्स पर ही नहीं बल्कि सरकारी दस्तावेज में भी बदलवाया है और उर्फी ने अपने सरनेम जावेद का इस्तेमाल भी नहीं किया। इसी वजह से अब वह मुश्किल में फंस गई हैं।

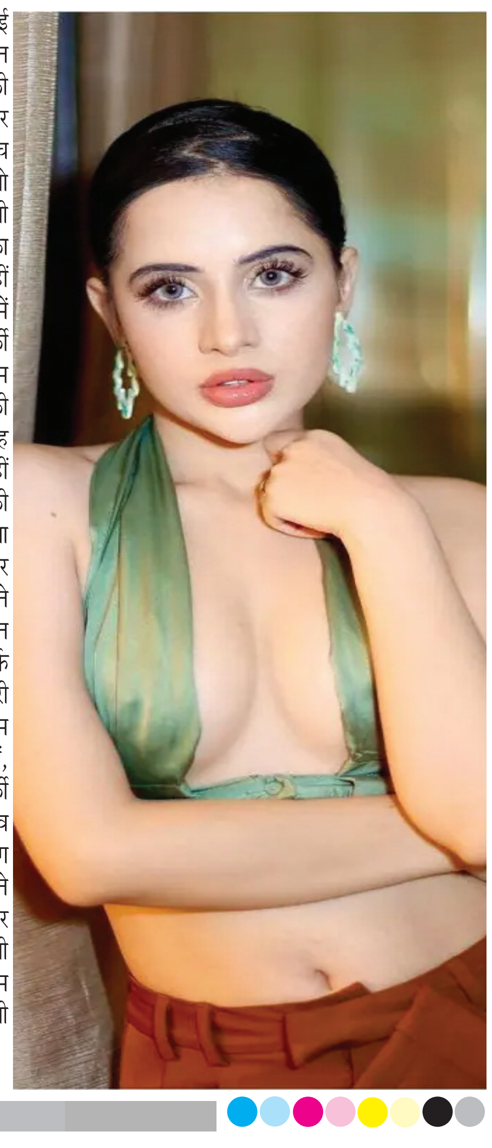

बाहरी बातों से फर्क नहीं पड़ता, सबको मौका मिलेगा और लंबा मौका मिलेगा : हार्दिक पंड्या

टी-20 वर्ल्ड कप के बाद BCCI सीमित-लंबे फॉर्मेट की टीमों के लिए अलग-अलग कप्तान बनाने का मन बना रहा है। पिछले साल IPL की नई नवेली टीम गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाने वाले हार्दिक पंड्या को टी-20 टीम का कप्तान माना जा रहा है। एक्सपर्ट भी कह रहे हैं कि पंड्या को टी-20 टीम की कमान सौंप देनी चाहिए। 29 साल के पंड्या दोनों मौकों पर बोर्ड की उम्मीदों पर खरे उतरे हैं। उनकी लीडरशिप में टीम इंडिया ने मंगलवार को न्यूजीलैंड को उसी के घर में टी-20 सीरीज में 1-0 से हराया है। उनकी कप्तानी में टीम ने आयरलैंड से दो मैचों की सीरीज जीती थी।

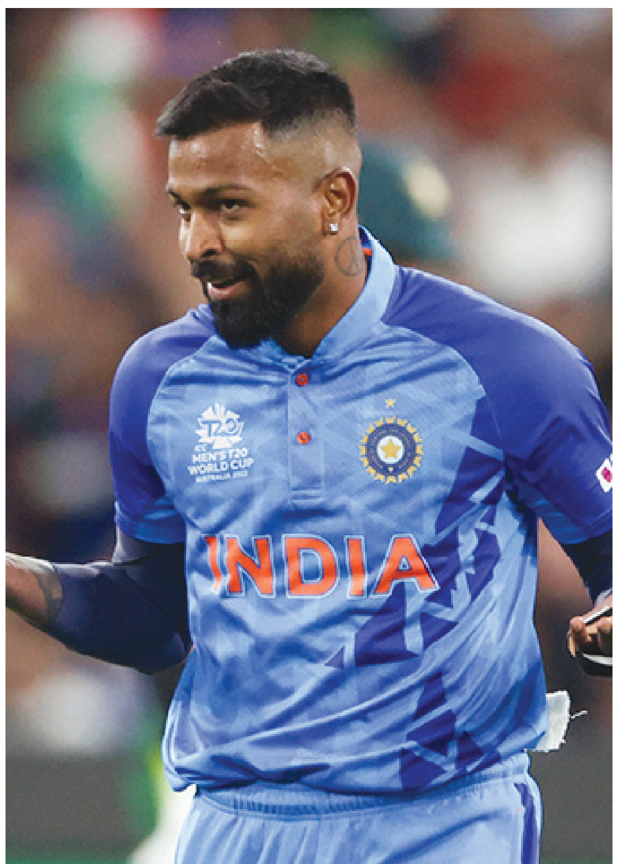

नेपियर में 3 मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले के बाद पंड्या ने मीडिया से चर्चा की। उन्होंने टीम परफॉर्मेंस और कप्तानी पर बात की। इन सवालों के जवाबों के जरिए हमने जाना- कैसा होगा भविष्य का कप्तान पंड्या....ह धोनी की तरह कैप्टन कूल साबित होगा या फिर कोहली जैसा एग्रेसिव।

'एग्रेशन, एक गेंदबाजी यूनिट के तौर पर एग्रेशन हर बॉल में विकेट के लिए जाने या फिर हर बॉल पर बाउंड्री जमाने की बात नहीं है। यह आपकी बॉडी लैंग्वेज और बिहेवियर पर दिखना चाहिए।'

अब पंड्या एक कप्तान के तौर पर...

काफी छोटा टूर था। सबसे अहम यह था कि दूसरे मैच को हमने जीता, वह कॉन्फिडेंस देगा। दूसरी बात कि आगे हमें जो करना है या हम जो करना चाहते हैं, यह उसका एक स्टेप है। धीरे-धीरे जाने के लिए क्योंकि हमारे पास काफी टाइम है। यहां से एक जर्नी शुरू हुई है। कोशिश करेंगे कि अब जितनी भी सीरीज खेलें। खुद को बेहतर करें।

खिलाड़ी को जितना फ्रीडम दे सकूं...दूं। एक अच्छा माहौल दूं, ताकि प्लेयर जाकर बिंदास खेले। जैसा वह खेलना चाहता है। और उस पर किसी तरह का दबाव भी न हो। आगे वही रहेगा... हम एक तरीके से नहीं खेलेंगे। कोशिश रहेगी कि इंजॉय करें। जाओ, बिंदास अगर आपको लगता है कि पहली बॉल से मारना है तो बिंदास जाओ और मारो। हम आपको हमेशा सपोर्ट करेंगे और कोशिश करेंगे कि प्लेयर खुल कर खेलें।

बाहर कौन क्या कह रहा है उससे इस लेवल पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। जहां तक सिलेक्शन की बात है- यह मेरी टीम है, कोच और मुझे जो ठीक लगेगा। जो साइड हमें चेक करनी है करेंगे...बहुत समय है। सब को मौका मिलेगा और लंबा मिलेगा। ज्यादा कठिन नहीं है। सीरीज छोटी थी। इसलिए कुछ लोगों को मौका नहीं मिला। मैच ज्यादा होते तो मौका मिलता। गेम कम थे और मैं ज्यादा चिप एंड चेंज में भरोसा नहीं करता हूं और आगे भी नहीं करूंगा।

मेरा मानना है कि जब तक चीजें होती नहीं है, मैं सोचता नहीं हूं। मेरा फंडा सिंपल है...चाहे मैं एक सीरीज करूं...दो सीरीज करूं या फिर एक मैच करूं...जिस तरीके से मुझे खेलना है क्रिकेट, जिस तरीके से मैं गेम देखता हूं, मैं उस तरीके से कप्तानी करूंगा। मेरा पॉइंट क्लियर है...जब-जब मौका मिलेगा, मैं कोशिश करूंगा कि उस तरीके से जाऊं। जिस टाइप का क्रिकेट खेलना है। एज ए यूनिट उस तरीके का क्रिकेट दिखा पाएं। उस पर ही फोकस है।

यह निर्भर करता है कि आप कैसे हैंडल करते हैं। मेरा सिंपल है, मेरे रिलेशन हर प्लेयर के साथ बराबर अच्छे हैं और अगर मैं किसी को नहीं खिला पा रहा हूं, तो उसे भी पता है कि इसमें कुछ पर्सनल नहीं है। किसी सिचुएशन की वजह से नहीं हो पाया है...और वे भी मुझे हेल्प करते हैं। क्योंकि, मैं बंदा ऐसा हूं कि जो हमेशा लोगों के पास रहा है और हमेशा लोगों को अपने पास रखा है। अगर किसी को मेरी जरूरत है तो मेरे दरवाजे उनके लिए हमेशा खुले हैं।

कोशिश करता हूं कि उनके जोन में जाकर सोचूं...मैं उनसे लगातार बात करता हूं, क्योंकि उनकी भावनाएं समझता हूं। मुझे पता है कि मैं कितने भी वर्ड बोल दूं। उनके लिए कठिन ही होंगे। क्योंकि, जब आप लगातार बाहर बैठते हैं तो बुरा लगता है। उसी समय जब लगातार बात करूं तो वो अपनी बात मुझसे शेयर कर सकते हैं। यदि उसे बुरा लग रहा है तो। उनके पास कोच से बात करने का भी अधिकार है। मुझे नहीं लगता कि मेरी टीम में वो दिक्कत होगी। क्योंकि, मेरा बिहेवियर और नेचर ही ऐसा रहा है कि मैं निश्चित करता हूं कि सब साथ में हों।

हार्दिक की कप्तानी में भारत को होगा फायदा, डेविड मिलर ने दिया ये चौंकाने वाला बयान

टी20 वर्ल्ड कप 2022 में टीम इंडिया अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी. टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. रोहित शर्मा की कप्तानी पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं. इसके बाद हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाने की मांग उठ रही है. हार्दिक ने आयरलैंड और न्यूजीलैंड दौरे पर टीम इंडिया की कमान संभाली थी. अब एक स्टार क्रिकेटर ने हार्दिक के लिए बड़ी बात कही है.

गुजरात टाइटंस में हार्दिक पांड्या के साथ खेल चुके डेविड मिलर ने अबुधाबी टी10 लीग के मौके पर कहा, 'आईपीएल में उनकी कप्तानी में खेलने से मुझे लगता है कि वह नैसर्गिक नेतृत्वकर्ता है, लोग उसका अनुकरण करते हैं. आप जैसा खेलना चाहते हो, वह आपको वैसा ही खेलने की आजादी देता है. वह बतौर कप्तान बहुत एकजुट रखने वाला है, वह चाहता है कि हर कोई एक दूसरे के करीब रहे.'

डेविड मिलर ने कहा, 'साथ ही वह अनुशासन के मामले में भी बहुत ही स्पष्ट है. उसमें बतौर कप्तान काफी अच्छे गुण हैं.' उन्होंने कहा, 'आईपीएल में भी जैसे जैसे सत्र आगे बढ़ता रहा, वह बेहतर से बेहतर होता रहा और मुझे (भारतीय टीम में भी उसके) यही करने की उम्मीद है.'

भारत को पावरप्ले में अपनी पुराने रवैये में बदलाव की जरूरत है तो क्या हार्दिक पांड्या यह बदलाव ला सकते हैं और खिलाड़ियों को विफलता के बारे में चिंतित नहीं होने का गुर सीखा सकते हैं? इस पर मिलर ने कहा, 'बिलकुल. वह मानसिक रूप से खिलाड़ियों को काफी बेहतर बना देगा. शत प्रतिशत. वह हमेशा खिलाड़ियों को वही करने देता है जो वे करना चाहते हैं जो काफी महत्वपूर्ण हैं.' मिलर को गुरूवार को अमेरिकी की टी10 फ्रेंचाइजी मोरिसविले सैम्प आर्म का उप-कप्तान नियुक्त किया गया.

गुजरात टाइटंस को बनाया था चैंपियन

हार्दिक पांड्या को 2024 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के कप्तान के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा के अगले दो साल तक खेल के इस प्रारूप में इस जिम्मेदारी को निभाने की उम्मीद नहीं है. पिछले दो वर्षों में खेल के सर्वश्रेष्ठ 'फिनिशर' में शामिल हुए मिलर दक्षिण अफ्रीका को दबाव भरी परिस्थितियों से उबारने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं. उन्होंने कहा कि हार्दिक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटन्स को डेब्यू में खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई है.

'अब उसे खरीदने के लिए हमारे पास उतने पैसे नहीं', सूर्या को लेकर मैक्सवेल ने दिया बड़ा बयान

ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने टीम इंडिया के तूफानी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को लेकर एक बड़ा ही अटपटा बयान दिया है. ग्लेन मैक्सवेल का कहना है कि सूर्यकुमार यादव जैसे बल्लेबाज को बिग बैश लीग में खरीदा जाना मुमकिन नहीं है. ग्लेन मैक्सवेल के मुताबिक सूर्यकुमार यादव को बिग बैश लीग में खरीदने के लिए पैसे कम पड़ जाएंगे.

ग्लेन मैक्सवेल ने 'द ग्रेड क्रिकेटर' को दिए एक इंटरव्यू के दौरान सूर्यकुमार यादव पर अपना रिएक्शन दिया है. ग्लेन मैक्सवेल से इस दौरान पूछा गया कि क्या कभी भविष्य में सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलते नजर आ सकते हैं.

ग्लेन मैक्सवेल ने इस सवाल के जवाब में कहा, 'हमारे पास पैसे कम पड़ जाएंगे, लेकिन सूर्यकुमार यादव को खरीदना मुमकिन नहीं होगा.'

बता दें कि सूर्यकुमार यादव ने इस साल टीम इंडिया के लिए टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में रनों की बारिश कर दी है.

सूर्यकुमार यादव ने साल 2022 में 31 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 1164 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने 2 शतक और 9 अर्धशतक ठोके हैं.

सूर्यकुमार यादव आईसीसी की मौजूदा टी20 रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज हैं. सूर्यकुमार यादव को गेंदबाजी करना दुनिया भर के गेंदबाजों के लिए बुरे सपने की तरह साबित हो रहा है.

सूर्यकुमार यादव एक से बढ़कर एक रिकॉर्ड्स तोड़ते जा रहे

सूर्यकुमार यादव इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं और यदि वह फिट रहते हैं तो फिर उन्हें टीम इंडिया से बाहर नहीं किया जा सकता है. सूर्यकुमार यादव गुजरते दिनों के साथ क्रिकेट में एक से बढ़कर एक रिकॉर्ड्स तोड़ते जा रहे हैं.

भारत के स्टाइलिश बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टी20 रैंकिंग में नंबर-1 की अपनी कुर्सी को और भी मजबूत कर लिया है. न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के दूसरे मैच में सूर्यकुमार ने 51 गेंदों पर नाबाद 111 रनों की जबरदस्त पारी खेली थी. सूर्यकुमार ने इस सीरीज से 31 रेटिंग अंक कमाए और 890 रेटिंग अंकों के साथ नंबर दो पर मौजूद पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को 54 अंक पीछे छोड़ दिया है.

रोहित शर्मा की जगह भारत के टेस्ट कप्तान बनने के दावेदार ये 2 खिलाड़ी

भारतीय क्रिकेट टीम में एक से बढ़कर एक ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं, जो रोहित शर्मा की जगह अगले टेस्ट कप्तान बनने के सबसे तगड़े दावेदार हैं. मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा अभी 35 साल के हैं और आने वाले दिनों में टीम इंडिया को एक ऐसे कप्तान की जरूरत है, जो उसे आगे लेकर जाए. टीम इंडिया के पास ऐसे 2 खिलाड़ी हैं, जो टेस्ट टीम के कप्तान बनने के मजबूत दावेदार हैं.

जसप्रीत बुमराह

रोहित शर्मा की जगह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया जा सकता है. जसप्रीत बुमराह अभी 28 साल के हैं और उनके पास टीम इंडिया को आगे ले जाने का काफी समय भी है. जसप्रीत बुमराह भारतीय टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं और अगर उन्हें टेस्ट कप्तानी दी जाती है, तो वह टीम इंडिया की किस्मत भी बदल सकते हैं. टीम इंडिया अगर हर फॉर्मेट के लिए अलग कप्तान बनाना चाहती है, तो रोहित शर्मा को वनडे कप्तान बरकरार रखते हुए जसप्रीत बुमराह को टेस्ट टीम की जिम्मेदारी दी जा सकती है. जसप्रीत बुमराह ने टीम इंडिया के लिए 30 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 128 विकेट झटके हैं.

रवींद्र जडेजा

टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भारत का अगला टेस्ट कप्तान बनाया जा सकता है. रवींद्र जडेजा भारतीय टेस्ट टीम के नियमित सदस्य हैं. टेस्ट क्रिकेट में रवींद्र जडेजा का प्रदर्शन बहुत शानदार रहा है. बल्लेबाजी गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों ही एरिया में वह तूफानी प्रदर्शन करते हैं. रवींद्र जडेजा की फिटनेस को देखें तो वह लंबे समय तक टीम इंडिया के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं. ऐसे में उन्हें टेस्ट कप्तान बनाने का आयडिया बुरा नहीं होगा. रवींद्र जडेजा ने टीम इंडिया के लिए 60 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2523 रन बनाए हैं और 242 विकेट झटके हैं.

क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने जा रहे दिनेश कार्तिक? इस पोस्ट के बाद अटकलें हुईं तेज

भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भाग लिया था, लेकिन वह वहां अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे. इसके बाद उनकी आलोचना होने लगी. उनके टीम में रहने पर सवाल उठाए गए. कार्तिक ने साल 2004 में टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया था. अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक ऐसी पोस्ट शेयर की है, जिससे उनके संन्यास लेने की अटकलें तेज हो गईं हैं. आइए जानते हैं, इसके बारे में.

कार्तिक ने शेयर की ये पोस्ट

दिनेश कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'भारत के लिए T20 वर्ल्ड कप खेलने का गोल था जिसके लिए मैंने कड़ी मेहनत की. शानदार अनुभव था. हम जो करना चाहते थे, वो कर नहीं पाए. पर इससे मेरी जिंदगी में कई यादें जुड़ गई हैं. सारे प्लेयर्स, कोच, दोस्त और सबसे जरूरी, फैंस को उनके सपोर्ट के लिए शुक्रिया.' कार्तिक की इस पोस्ट के बाद उनके सोशल मीडिया पर संन्यास की खबरें तेज हो गईं हैं.

IPL से की थी वापसी

दिनेश कार्तिक ने आईपीएल 2022 में RCB के लिए बेहतरीन खेल दिखाया और इसी वजह से वह उन्होंने लंबे समय बाद टीम इंडिया में वापसी की थी. बाइलेटरल सीरीज में उन्होंने कई अहम मौकों पर टीम इंडिया के लिए फिनिशर की भूमिका निभाई थी, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप 2022 में वह अपने खेल से प्रभावित करने में बुरी तरह से नाकाम साबित हुए. इसी वजह से उनका करियर खत्म माना जाने लगा.

भारत के लिए खेले तीनों ही फॉर्मेट

दिनेश कार्तिक ने टीम इंडिया के लिए तीनों ही फॉर्मेट में क्रिकेट खेला है, लेकिन खराब प्रदर्शन की वजह से वह टीम इंडिया में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए. कार्तिक ने भारत के लिए 26 टेस्ट मैचों में 1025 रन, 94 वनडे मैचों में 1752 रन बनाए हैं. वहीं, 60 टी20 खेलने वाले कार्तिक ने 48 पारियों में 26.38 के औसत और 142.62 के स्ट्राइक रेट से 686 रन बनाए हैं.

शिखर धवन ने 10 साल बड़ी और तलाकशुदा लड़की से की थी शादी, ज्यादा दिन नहीं टिका रिश्ता

शिखर धवन न्यूजीलैंड टूर पर 3 वनडे मैचों में टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं. उनके पास ओपनिंग करने का अपार अनुभव है और उन्होंने अपने दम पर टीम इंडिया को कई मैच जिताए हैं. धवन ने साल 2012 में तलाकशुदा आयशा मुखर्जी से शादी की थी, लेकिन उनका रिश्ता ज्यादा दिन नहीं चल पाया. आयशा ऑस्ट्रेलिया में रहती हैं. शिखर धवन ने आयशा मुखर्जी से साल 2012 में शादी की थी. साल 2014 में दोनों के एक बेटा हुआ, जिसका नाम जोरावर रखा. वहीं, आयशा मुखर्जी को पहली शादी से दो बेटियां भी हैं, जिनके नाम लिया और रिया हैं. आयशा मुखर्जी का जन्म भारत के पश्चिम बंगाल में 27 अगस्त 1975 में हुआ था. उनके पिता भारतीय बंगाली समुदाय से ताल्लुक रखते हैं. वहीं, उनकी मां ब्रिटिश मूल की हैं. आयशा के जन्म के बाद उनका परिवार ऑस्ट्रेलिया शिफ्ट हो गया.

शिखर धवन और आयशा मुखर्जी की मुलाकात फेसबुक पर हुई. फिर बातें शुरू हुईं इसके बाद ये दोस्ती प्यार में बदल गई. धवन से आयशा 10 साल बड़ी हैं, लेकिन प्यार में उम्र की सीमा नहीं देखी जाती है. आयशा पहले ही शादीशुदा थीं, उन्होंने धवन से शादी करने से पहले एक ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायी से शादी की थी. शिखर धवन की वाइफ आयशा मुखर्जी ने साल 2021 में इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने तलाक के बारे में बताया. तभी से ये कपल अलग रहने लगा है. आयशा का दो बार तलाक हो चुका है. धवन और आयशा के तलाक के पीछे के कारण के बारे में बहुत कुछ पता नहीं चला है.

शिखर धवन न्यूजीलैंड दौरे पर टीम इंडिया के कप्तान हैं. रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में उन्होंने पहले भी भारतीय टीम की कमान संभाली है. वह विस्फोटक बैटिंग माहिर हैं. उनके पास वह काबिलियत है कि वो किसी भी गेंदबाजी आक्रामण की धज्जियां उड़ा सकें. धवन ने भारत के लिए 161 वनडे मैचों में 6672 रन बनाए हैं, जिसमें 17 तूफानी शतक शामिल हैं.

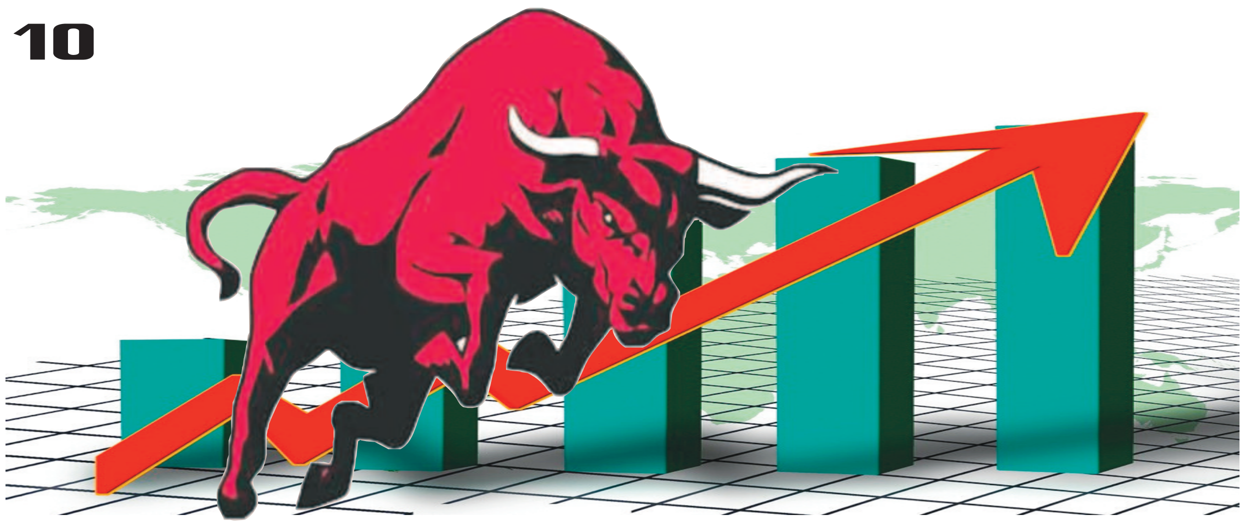

सीतारमण ने राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ की बैठक, आगामी बजट पर सुझाव व इनपुट लिए

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ एक पूर्व-बजट बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य वर्ष 2023-24 के आगामी बजट के लिए इनपुट और सुझाव लेना था। यह बैठक शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित हुई। बैंठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राज्य-केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के अलावा केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी व भागवत कराड, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के

विभिन्न अंगों के सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन व अन्य मौजूद थे। बैठक के बारे में अधिक जानकारी अभी साझा नहीं की गई है। बता दें कि सीतारमण अब तक कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विशेषज्ञों सहित कई जानकारों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक कर चुकी हैं। सबसे पहली बैठक सोमवार को हुई थी। अगले वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक बजट तैयार करने की औपचारिक कवायद बीते 10 अक्टूबर से शुरू हुई। 2023-24 का बजट एक फरवरी को पेश किए जाने की संभावना है। बता दें कि यह आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मोदी 2.0 सरकार का आखिरी पूर्ण बजट होगा। 2024 के अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं।

केंद्र ने नोटबंदी पर अहम दस्तावेज छुपाए, भारतीय रिजर्व बैंक या कैबिनेट के पास नहीं थी पूरी जानकारी'- चिदंबरम ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। नोटबंदी के 6 साल बीत चुके हैं, लेकिन राजनीति अब भी जारी है। अब इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कोर्ट में वकील और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने नोटबंदी को लेकर घेरते हुए जमकर निशाना साधा। चिदंबरम ने कहा कि नोटबंदी और उसकी प्रक्रिया गलत थी। केंद्र सरकार ने नोटबंदी में जो प्रक्रिया अपनाई उसमें भारी खामी थी। चिदंबरम ने इस फैसले को केवल पीएम मोदी का फैसला बताया। उन्होंने कहा कि इस फैसले की जानकारी न तो रिजर्व बैंक के पास थी और न ही केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास इस संबंध में पूरी जानकारी थी। नोटबंदी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 58 याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। पांच जजों की बेंच इस केस की सुनवाई कर रही है। बेंच में जस्टिस एस अब्दुल नजीर, जस्टिस बीआर

गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस वी रामासुब्रमण्यम और जस्टिस बीवी नागरत्ना शामिल हैं। याचिकार्ताओं की ओर से पी चिदंबरम वकील हैं। चिदंबरम ने कहा कि नोटबंदी का फैसला पूरी तरह से विफल रहा है।

नोटबंदी का फैसला पूरी तरह गलत था

चिदंबरम ने कोर्ट में कहा कि नोटबंदी का फैसला पूरी तरह से गलत था। उन्होंने कहा कि सरकार ने ये फैसला लेने से पहले कुछ भी नहीं सोचा। पुराने और नए नोटों को लेकर कोई आंकड़ा नहीं जुटाया गया। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि कोर्ट के आदेश के बाद भी सरकार ने नोटबंदी से संबंधित जरूरी दस्तावेजों को छिपाया है। कोर्ट ने 12 अक्टूबर को सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से नोटबंदी से संबंधित दस्तावेजों को पेश करने को कहा था।

कालाधन-आतंकवाद पर लगाम नहीं लगी

चिदंबरम ने कहा, सरकार की दलील है कि कालाधन को बाहर लाने के लिए नोटबंदी की गई थी, लेकिन ये पूरी तरह से असफल रही है। 2000 के नोट आने से जमाखोरी और आसान हो गई। सरकार की दलील है कि नोटबंदी का फैसला आतंकवाद, ड्रग तस्करी और कालेधन को काबू करने के लिए ये फैसला लिया गया था, लेकिन ड्रग्स का करोबार बदस्तूर जारी है। आतंकवाद में कोई लगाम नहीं लगी है।

नोटबंदी पर सरकार की दलीलें हास्यास्पद

चिदंबरम ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पेश किया गया हलफनामा हास्यास्पद है। हलफनामे में कहीं कोई जिक्र नहीं है कि नोटबंदी का फैसला लेते वक्त कौन मौजूद था और कौन नहीं। इस फैसले को लेने में रिजर्व बैंक की क्या भूमिका ता। जो बैठक हुई उसका कोरम पूरा भी था या नहीं। हलफनामे के मुताबिक सब कुछ दो घंटे में हो गया।

आर्मी की कैंटीन में हर चीज सस्ती क्यों मिलती है ?

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सेना के जवानों के लिए कैंटीन भंडारण विभाग की सुविधा दी है। जहां बाजार के मुकाबले काफी सस्ता सामान जवानों को उपलब्ध कराया जाता है। हम आम बोलचाल की भाषा में सीएसडी को आर्मी कैंटीन भी कहते हैं। लोगों के मन में यह सवाल अक्सर उठता है कि आखिर आर्मी कैंटीन में सामान इतने सस्ते दामों पर कैसे मिल जाता है। चलिए आज हम आपको इसके बारे में पूरी जानकारी देंगे। आइए शुरू करते हैं...कैंटीन भंडारण विभाग रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत जवानों को कम दरों पर सामान उपलब्ध कराने का भारत सरकार का एक उपक्रम है। जिसकी शुरुआत 1948 में की गई थी। इसे सैन्य बलों द्वारा ही संचालित किया जाता है। इसके स्टोर सभी प्रमुख सैनिक अड्डों पर खुले हुए हैं। देश में अलग-अलग मिलिट्री स्टेशन पर सीएसडी डिपो बने हुए हैं। यहीं से यूआरसी में समान की सप्लाई की जाती है। लेह से लेकर अंडमान तक इसके लगभग 34 डिपो हैं और करीब 3700 यूनिट रन कैंटीन हैं। हर तीन महीने में फीडबैक लिया जाता है। ओपन मार्केट में जो सामान होता है उसमें से कुछ भी सामान की डिमांड लाभार्थी कर सकते हैं। यह फीड बैक फिर हेड ऑफिस भेजा जाता है और एक कमिटी देखती है कि क्या-क्या सामान खरीद कर कैंटीन में उपलब्ध कराना है। तीनों सेनाओं (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) के जवानों और उनके परिजनों के साथ ही पूर्व सैनिकों और उनके डिपेंडेंट को मिलाकर सीएसडी के लगभग डेढ़ करोड़ लाभार्थी हैं। सेना के आदेश एओ 32/84 के

अनुसार, भूतपूर्व सैनिक और उनके परिवार और कम से कम 5 साल की सेवा वाले पूर्व रक्षा कर्मी इकाइयों / प्रतिष्ठानों में उपलब्ध सीएसडी (आई) कैंटीन सुविधाओं के हकदार हैं। चिकित्सा आधार पर निकाले गए कैडेट/भर्ती भी कैंटीन भंडारण विभाग की सुविधाओं का लाभ उठाने के हकदार हैं। भारत में कैंटीन सेवाओं का (संचालक मंडल) बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर कैंटीन सर्विसेस है। जिसके अध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। कैंटीन भंडारण विभाग में प्रसाधन सामाग्री, घरेलू आवश्यकताओं की वस्तुएं, सामान्य उपयोग की वस्तुएं, घड़ियां और स्टेशनरी, शराब, खाद्य और औषधीय वस्तुएं, जूते, चार पहिया वाहन, दो पहिया वाहन और व्हाइट गुड्स के साथ स्टोर में चार हजार से अधिक उत्पाद मिलते हैं। इन सभी उत्पादों और ब्रांडों की जानकारी कार्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सीएडी कैंटीनों में सालाना लगभग 2 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के सामन की बिक्री होती है। सीएसडी कैंटीन में सरकार जीएसटी कर में 50 प्रतिशत की छूट देती है। जिसकी वजह से यहां सामान आधे दामों पर मिलता है। इसका मतलब यह हुआ कि अगर किसी समान पर बाजार में 5% जीएसटी लगती है तो कैंटीन के लिए वह 2.5 % होगी।

भारत सरकार में 15 साल पुरानी गाड़ियों को करना होगा स्क्रैप

नितिन गडकरी बोले- राज्यों को भी पुरानी बसों, ट्रकों को बंद कर देना चाहिए

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि 15 साल पुराने सरकारी वाहन को स्क्रैप किया जाएगा और इस संबंध में एक नीति भी राज्य सरकारों को भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों को सड़कों पर चलने वाले 15 साल पुराने वाहनों को हटाने के लिए कहा गया है। इसमें बस, ट्रक और कार सहित सभी वाहन शामिल हैं। नितिन गडकरी ने कहा कि हर पुरानी गाडिय़ों को सड़कों से हटाया जाएगा। उन्होंने कहा, "15 साल पुरानी भारत सरकार या भारत सरकार के उपक्रमों की गाडिय़ां हटानी होंगी ये गाड़ियां सड़कों पर नहीं दौड़ेंगी भारत सरकार ने यह नीति सभी राज्यों को भेज दी है। राज्य सरकारों को भी अपने दायरे में आने वाले विभागों में 15 साल

पुरानी बसों, ट्रकों, कारों को बंद कर देना चाहिए।"ट बता दें कि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के प्रयास में सरकार द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में वाहन परिमार्जन नीति की घोषणा की गई थी। वाहन परिमार्जन नीति में कहा गया है कि पुराने और अनुपयुक्त वाहनों को हटा दिया जाना चाहिए और सड़कों पर आधुनिक और नए वाहनों को ही चलाना चाहिए। यह नीति 1 अप्रैल, 2022 को लागू हुई थी। वाहनों को स्क्रैप करने की घोषणा से पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने कर दी थी। 29 अक्टूबर 2018 को राष्ट्रीय राजधानी में 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीजल वाहनों को चलाने पर रोक लगा दी थीगई थी। पिछले महीने ही नितिन गडकरी पिछली सीट सहित सभी यात्रियों के लिए सीटबेल्ट पहनने की महत्वपूर्ण योजना लेकर आए थे। वहीं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने 2014 में एक आदेश जारी किया था, जिसने 15 साल से अधिक पुराने वाहनों को किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र में पार्क करने पर रोक लगा दी थी। दिल्ली-एनसीआर में 10 साल से पुराने डीजल वाहन पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं, जबकि 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर भी बैन लगा हुआ है। मगर अब यह नियम सरकारी गाड़ियों पर भी लग गया है। केंद्र के अलावा राज्यों में भी इस नियम को लागू करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

सोने-चांदी के दामों में कमी, जानें आज कितना सस्ता हुआ गोल्ड-सिल्वर

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में शुक्रवार की सुबह सोने और चांदी के दाम में कमी देखी गई है। लेटेस्ट रेट्स पर नजर डालें तो 999 प्योरिटी वाला दस ग्राम सोना गिरावट के साथ 52 हजार के पार बना हुआ, जबकि 999 प्योरिटी वाली एक किलो चांदी के दाम 61 हजार के पार बनी हुई है। आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, आज सुबह 995 प्योरिटी वाले दस ग्राम सोने के दाम घटकर 52451 रुपये पहुंच गए हैं। वहीं, 916 शुद्धता वाला सोना आज 48238 रुपये का हो गया है। इसके अलावा, 750 प्योरिटी वाले सोने के दाम घटकर 39497 रुपये पर आ गए हैं। वहीं, 585 प्योरिटी वाला गोल्ड आज सस्ता होकर 30807 रुपये आ गया है। इसके अलावा, 999 प्योरिटी वाली एक किलो चांदी आज 61777 रुपये की हो गई है। सोने-चांदी के दाम में सुबह और शाम दोनों समय बदलाव देखने को मिलता है। सुबह के ताजा अपडेट के मुताबिक, 999 और 995 प्योरिटी वाला 10 ग्राम सोना 51 रुपये

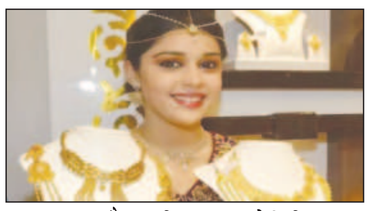

सस्ता हुआ है। वहीं, 916 प्योरिटी वाला सोना 47 रुपये, 750 प्योरिटी वाला सोना 38 रुपये और 585 प्योरिटी वाला सोना 30 रुपये सस्ता हुआ है। उधर, एक किलो चांदी की कीमत की बात करें तो यह आज 489 रुपये सस्ती हो गई है। 24 कैरट वाले गोल्ड को प्योरेस्ट गोल्ड कहते हैं। इसमें किसी प्रकार की दूसरे धातु की मिलावट नहीं होती है। इसे 99 ।9 प्रतिशत शुद्धता का गोल्ड कहा जाता है। 22 कैरेट के गोल्ड में 91 ।67 प्रतिशत प्योर गोल्ड होता है।

अन्य 8 ।33 प्रतिशत में दूसरे धातु होते हैं। वहीं, 21 कैरेट गोल्ड में 87 ।5 0प्रतिशत प्योर गोल्ड होता है। 18 कैरेट में 75 प्रतिशत प्योर गोल्ड होता है और 14 कैरेट गोल्ड में 58 ।5 प्रतिशत प्योर गोल्ड होता है।

यस बैंक घोटाले में राणा कपूर को जमानत

466 करोड़ के मनी लॉड्रिंग केस में किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आज यस बैंक के पूर्व एमडी व सीईओ राणा कपूर को नियमित जमानत दे दी। कपूर को 466 ।51 करोड़ रुपये के मनी लॉड्रिंग मामले में ईडी ने 2020 में गिरफ्तार किया था। ईडी यस बैंक से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले की जांच कर रहा है। पूर्व एमडी व सीईओ राणा कपूर पर पद के दुरुपयोग करने और अपने परिवार को लाभ पहुंचाने का आरोप है। इस मामले में सीबीआई ने मार्च 2020 में धोखाधड़ी व आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया था। इसी आधार पर ईडी ने भी उनके खिलाफ मनी लॉड्रिंग का केस दर्ज किया है। सीबीआई ने कपूर व अवंता समूह के प्रवर्तक गौतम थापर के खिलाफ सितंबर में धोखाधड़ी के मामले में आरोप पत्र दायर किया था। हालांकि, पिछले

साल 2 जून को दायर एफआईआर में कपूर का नाम संदिग्ध के तौर पर शामिल नहीं था। इसके बाद घोटाले की जांच में उनका नाम उभरा था। कपूर पर आरोप है कि भारी मात्रा में कर्ज मंजूर करने के एवज में ली गई रिश्वत की राशि उनके परिवार के नियंत्रण वाली कंपनियों में लगाई गई। आरोप है कि कपूर के अनुचित कार्यों की वजह से यस बैंक को 466 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ा। हाईकोर्ट के जस्टिस सुधीर कुमार जैन ने राणा कपूर द्वारा दायर जमानत याचिका मंजूर कर ली। कपूर को निचली अदालत ने यह कह कर जमानत देने से इनकार कर दिया था कि उन पर लगाए गए आरोप गंभीर हैं। हालांकि, निचली कोर्ट ने 15 अन्य सह आरोपियों को जमानत दे दी थी। निचली कोर्ट ने पिछले साल अक्तूबर में मनी लॉनड्रिंग मामले में यस बैंक के राणा कपूर और कई कर्मचारियों से जुड़े अवंता समूह के प्रमोटर गौतम थापर के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) चार्जशीट का संज्ञान लिया था। ईडी के मुताबिक, गौतम थापर, अवंता रियल्टी लिमिटेड, ऑयस्टर बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ एक ईसीआईआर दर्ज की गई थी। इसमें 2017 से 2019 की अवधि के दौरान सार्वजनिक धन की हेराफेरी, आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और जालसाजी के आरोप लगाए गए थे।

एनडीटीवी खरीदना हमारा दायित्व, सरकार सही करे तो उसे भी दिखाने का साहस होना चाहिए

प्रणय रॉय बने रहें चेयरमैन- बोले गौतम अडानी

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के तीसरे नंबर के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी ने समाचार चैनल एनडीटीवी खरीदने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि नई दिल्ली टेलीविजन लिमिटेड (एनडीटीवी) को खरीदना व्यवसाय से अधिक जिम्मेदारी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रणय रॉय इसके चेयरमैन बने रहें, उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। गौतम अडानी ने फाइनेंसियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, "स्वतंत्रता का मतलब है कि अगर सरकार ने कुछ गलत किया है, तो आप उसे गलत कहते हैं। लेकिन साथ ही आपको साहस होना चाहिए जब सरकार हर दिन सही काम कर रही हो, आपको यह भी दिखाना है। एनडीटीवी के मालिक और संस्थापक प्रणय रॉय को अधिग्रहण पूरा होने पर चेयरमैन बने रहने के लिए भी कहा गया है।" गौतम अडानी ने इंटरव्यू में यह भी कहा कि वह अपने गृह राज्य गुजरात में एक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में $4 बिलियन से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही एक रिपोर्ट के अनुसार गौतम अडानी की हवाई अड्डे के यात्रियों को अडानी समूह की अन्य सेवाओं से जोड़ने के लिए उनकी अगले तीन से छह महीनों में एक "सुपर ऐप" लॉन्च करने की भी योजना है। गौतम अडानी द्वारा चलाए जा रहे पोर्ट-टू-एनर्जी ग्रुप ने अगस्त के अंत में एनडीटीवी में हिस्सेदारी हासिल करने की योजना का खुलासा किया था। इस अधिग्रहण के प्रयास ने पत्रकारों और राजनेताओं के बीच चिंता पैदा कर दी है कि एनडीटीवी के मालिकाना हक़ में बदलाव इसकी संपादकीय अखंडता को कमजोर कर सकता है। बाजार से अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए मंगलवार से खुली पेशकश शुरू किया है। अडानी समूह की ओर से इसका प्रबंधन करने वाली जेएम फाइनेंशियल ने एक नोटिस में कहा कि ओपन ऑफर 22 नवंबर को खुलेगा और पांच दिसंबर को बंद हो जायेगा। कंपनी ने अपनी खुली पेशकश के लिए मूल्य का दायरा 294 रुपये प्रति शेयर तय किया है। प्रणय रॉय और उनकी पत्नी राधिका रॉय ने 1988 में एनडीटीवी की स्थापना की थी।

जब अडानी समूह ने एनडीटीवी को खरीदने का प्रस्ताव रखा, इसपर एनडीटीवी ने कहा कि अडानी ग्रुप ने ये फैसला बिना एनडीटीवी संस्थापकों से बातचीत या सहमति के बिना लिया गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	05-46	बजे
चंद्र-	धंनु	में	धनु---	08-01	बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	10-06	बजे
बुध-	वृश्चिक	में	कुंभ -	12-07	बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	13-35	बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	मेष--	15-11	बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	16-56	बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	18-57	बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	21-08	बजे
			सिंह...	23-21	बजे
			कन्या..	01-31	बजे
			तुला	03-37	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व-अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया **- 19 -28** तक उपरान्त चतुर्थी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , शनिवार **Nov 26**
नक्षत्र -मूल **- 14 - 58 -** तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - शूल **- 01 - 12 -** तक उप- गण्ड
करण- तैतिल **-09 - 01 -** तक उप- गर
विशेष:- व्रत -त्योहार - मूल नक्षत्र ~१४~५८ तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:16 से 10:40 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	**06:28 - 07:52**	अशुभ	लाभ	**17:38 - 19:15**	शुभ
शुभ.	**07:52 - 09:16**	शुभ	उत्पात	**19:15 - 20:51**	अशुभ
रोग.	**09:16 - 10:40**	अशुभ	शुभ.	**20:51 - 22:27**	शुभ
उत्पात	**10:40 - 12:03**	अशुभ	अमृत	**22:27 - 00:04**	शुभ
चंचल	**12:03 - 13:27**	शुभ	चंचल	**00:04 - 01:40**	शुभ
लाभ	**13:27 - 14:51**	शुभ	रोग	**01:40 - 03:16**	अशुभ
अमृत	**14:51 - 16:15**	शुभ	काल	**03:16 - 04:52**	अशुभ
काल	**16:15 - 17:35**	अशुभ	लाभ	**04:52 - 06:30**	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं। आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा। कोई भी काम करने से पहले ये मूल्याकंन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें ।इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे ।दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें ।तर्कशक्ति से काम लें ।अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें ।निवेश के लिए अच्छा दिन है ।अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा। आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे ।लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा ।आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है। आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे ।इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे। आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है ।प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है। हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है। आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है। कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): इस समय आपको अपनी मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए आध्यत्मिकता का सहारा लेना चाहिये। ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जिनका झुकाव आधात्मिकता की और है। फिलहाल आप या तो मोटापे से परेशान हैं या फिर जीवन की कुछ विशेष घटनाओं से ,इसीलिए आप कहीं भी फोकस नही कर पा रहे हैं।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें। बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें। जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें ।दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा ।आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा। हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं। आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी ।इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है। हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं। आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं। इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी। आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी। आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं। भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए। आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

उतार-चढ़ाव के बाद सपाट ढंग से बाजार बंद

सेंसेक्स 21 अंक चढ़ा, निफ्टी 18500 के पार

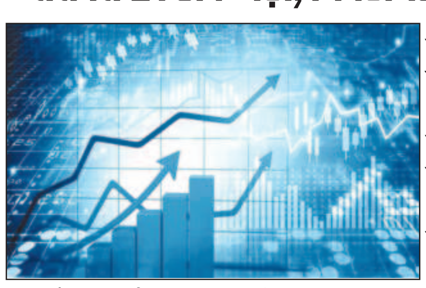

दिनभर के उतार-चढाव के बाद आखिर में सपाट ढंग से बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 20.96 अंकों की बढ़त के साथ 62.293.64 अंकों पर बंद हुआ। नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार वहीं, निफ्टी 28.65 अंकों की बढ़त के साथ 18,512.72 अंकों पर बंद हुआ।

नासा के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए क्यों आखिरी मिशन हो सकता है आर्टेमिस

सस्ता और सुरक्षित विकल्प बन रहे रोबोट्स

लंदन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। नील आर्मस्ट्रांग ने 1969 में चंद्रमा पर अपना ऐतिहासिक 'एक छोटा कदम' उठाया था और ठीक तीन साल बाद, अंतिम अपोलो अंतरिक्ष यात्री हमारे आकाशीय पड़ोसी को छोड़ आए। तब से, सैकड़ों अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा गया, लेकिन मुख्य रूप से पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए। वास्तव में, किसी ने भी पृथ्वी से कुछ सौ किलोमीटर से अधिक की दूरी तय नहीं की है। हालांकि, अमेरिका के आर्टेमिस कार्यक्रम का उद्देश्य इस दशक में मनुष्यों को फिर चंद्रमा पर ले जाना है- आर्टेमिस एक अपनी पहली परीक्षण उड़ान के हिस्से के रूप में पृथ्वी पर वापस आते हुए, चंद्रमा के चारों ओर घूम रहा है। अपोलो युग और 2020 के मध्य के बीच सबसे अधिक प्रासंगिक अंतर कंप्यूटर शक्ति और रोबोटिक्स में एक अद्भुत सुधार है। इसके अलावा, महाशक्ति प्रतिद्वंद्विता सोवियत संघ के साथ शीत युद्ध स्पर्धा के रूप में बड़े पैमाने पर व्यय को उचित नहीं ठहराया जा सकता। आर्टेमिस मिशन नासा के एकदम नए स्पेस लॉन्च सिस्टम का उपयोग कर रहा है, जो अब तक का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है - डिजाइन में सैटर्न वी रॉकेट के समान है जिसने एक दर्जन अपोलो अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजा था।

हर लॉन्च की लागत चार अरब डॉलर

अपने पूर्ववर्तियों की तरह, आर्टेमिस बूस्टर तरल हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को समुद्र में गिरने से पहले भारी भारोत्तोलन शक्ति बनाने के लिए जोड़ता है। चूंकि इसे दोबारा कभी उपयोग नहीं किया जाता है इसलिए प्रत्येक लॉन्च की अनुमानित लागत दो अरब डॉलर और चार अरब डॉलर के बीच होती है। यह इसके स्पेसएक्स प्रतिद्वंद्वी 'स्टारशिप' के विपरीत है, जो कंपनी को पहले चरण में इसे फिर से प्राप्त करने और पुनः उपयोग करने में सक्षम बनाता है।

रोबोटिक्स के लाभ

मंगल ग्रह पर रोवर्स की गतिविधियों से रोबोटिक अन्वेषण में प्रगति को जाना

जा सकता है, जहां परसवर्रेंस, नासा के नवीनतम प्रॉस्पेक्टर, पृथ्वी से केवल सीमित मार्गदर्शन के साथ चट्टानी इलाके में खुद अपना रास्ता ढूंढ सकते हैं। सेंसर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में सुधार से रोबोट स्वयं विशेष रूप से दिलचस्प साइटों की पहचान करने में सक्षम होंगे, जहां से पृथ्वी पर लौटने के लिए नमूने एकत्र किए जा सकते हैं।

अगले एक या दो दशकों के भीतर, मंगल ग्रह की सतह का रोबोटिक अन्वेषण लगभग पूरी तरह से स्वायत्त हो सकता है, जिसमें मानव उपस्थिति थोड़ा लाभ प्रदान करती है। इसी तरह, इंजीनियरिंग परियोजनाओं - जैसे कि खगोलविदों का चंद्रमा के दूर की ओर एक बड़े रेडियो टेलीस्कोप के निर्माण का सपना, जो पृथ्वी के हस्तक्षेप से मुक्त हो - को अब मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। ऐसी परियोजनाओं का निर्माण पूरी तरह से रोबोट द्वारा किया जा सकता है।

मानव मिशन से सस्ते और सुरक्षित रोबोट्स

अंतरिक्ष यात्रियों को तो रहने के लिए एक ठीक-ठाक जगह और सुविधाओं की आवश्यकता होती है, जबकि रोबोट स्थायी रूप से अपने कार्य स्थल पर रह सकते हैं। इसी तरह, यदि दुर्लभ सामग्रियों के लिए चंद्र मिट्टी या क्षुद्रग्रहों का खनन आर्थिक रूप से व्यवहार्य हो जाता है, तो यह भी रोबोटों के साथ अधिक सस्ते और सुरक्षित रूप से किया जा सकता है। रोबोट थोड़े अतिरिक्त खर्च के साथ बृहस्पति, शनि और उनके आकर्षक विविध चंद्रमाओं का भी पता लगा सकते हैं, क्योंकि कई वर्षों की यात्रा रोबोट के लिए छह महीने की मंगल यात्रा की तुलना में थोड़ी अधिक चुनौती पेश करती है। इनमें से कुछ चंद्रमा वास्तव में अपने उप-सतही महासागरों में जीवन युक्त हो सकते हैं। अगर हम मनुष्यों को वहां भेजें, तो यह अपने आप में एक बुरा विचार हो सकता है क्योंकि वे उस दुनिया को पृथ्वी के सूक्ष्म जीवों से दूषित कर सकते हैं।

जोखिमों से भरी मंगल यात्रा

अपोलो अंतरिक्ष यात्री नायक थे। उन्होंने उच्च जोखिम को स्वीकार किया और प्रौद्योगिकी का अधिकतम इस्तेमाल किया। इसकी तुलना में, आर्टेमिस कार्यक्रम की 90 अरब डॉलर की लागत के बावजूद, 2020 के दशक में चंद्रमा की छोटी यात्राएं लगभग नियमित लगती है। चंद्रमा की यात्रा पर होने वाले विशाल व्यय को देखते हुए, मानव और रोबोट यात्रा के बीच लागत अंतर किसी भी दीर्घकालिक प्रवास के लिए बहुत बड़ा होगा। चंद्रमा की तुलना में सैकड़ों गुना आगे मंगल की यात्रा न केवल अंतरिक्ष यात्रियों को कहीं अधिक जोखिम में डाल देगी, बल्कि आपातकालीन सहायता को भी कम संभव बना देगी। यहां तक कि अंतरिक्ष यात्रा के प्रति अति उत्साही भी स्वीकार करते हैं कि मंगल की पहली चालक दल की यात्रा से पहले लगभग दो दशक बीत सकते हैं।

मंगल की रेस में अब प्राइवेट कंपनियां

निश्चित रूप से रोमांच चाहने वाले ऐसे साहसी लोग होंगे जो स्वेच्छा से कहीं अधिक जोखिम स्वीकार करेंगे - कुछ ने अतीत में प्रस्तावित एकतरफा यात्रा के लिए भी हामी भरी है। यह अपोलो युग और आज के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर का संकेत देता हैः एक मजबूत, निजी अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी क्षेत्र का उदय। निजी क्षेत्र की कंपनियां अब नासा के साथ प्रतिस्पर्धी हैं, इसलिए उच्च जोखिम वाली, कम कीमत वाली मंगल ग्रह की यात्राएं, अरबपतियों और निजी प्रायोजकों द्वारा वित्तपोषित, इच्छुक स्वयंसेवकों द्वारा तैयार की जा सकती हैं। अंततः जनता इस बात से खुश हो सकती है कि इन बहादुर साहसी लोगों की यात्रा का खर्च उसे नहीं उठाना होगा। यह देखते हुए कि निचली कक्षा से परे मानव अंतरिक्ष यान पूरी तरह से उच्च जोखिम को स्वीकार करने के लिए तैयार निजी-वित्त पोषित मिशनों में स्थानांतरित होने की संभावना है, इस बात को लेकर संदेह है कि क्या नासा की बहु-अरब डॉलर की आर्टेमिस परियोजना सरकार के पैसे खर्च करने का एक अच्छा तरीका है।

चीन के शिनजियांग प्रांत के अपार्टमेंट में लगी भीषण आग

10 की मौत, प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

आग बुझाने और राहत कार्य में भी दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी

बीजिंग, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर पश्चिमी चीन के शिनजियांग प्रांत में एक अपार्टमेंट में आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में नौ लोगों के घायल होने की भी खबर है। अधिकारियों के मुताबिक प्रांतीय राजधानी उरुमकी में गुरुवार देर रात को एक अपार्टमेंट में आग लग गई। इस आग पर काबू पाने में दमकलकर्मियों को तीन घंटे से भी अधिक का समय लगा। मौसम बदलने के साथ यहां पर रात में तापमान शून्य से भी नीचे चला जाता है।

प्रांतीय सरकार का कहना है कि हादसे में घायल सभी लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर उनकी हालत खतरे से बाहर है। सरकार ने उम्मीद जताई है कि ये लोग जल्द ही अपने परिवार के बीच होंगे। सरकार की तरफ से इस आग के लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। शुरुआती जांच से पता चला है कि ये आग वेल्डिंग की चिंगारी से लगी थी। अधिकारियों के मुताबिक इस क्षेत्र में स्थित औद्योगिक व्यापारिक कंपनी में उस वक्त वेल्डिंग का काम चल रहा था। वहां से निकली चिंगारी से सूती कपड़े में आग लग गई और धीरे-धीरे इसने एक बड़े इलाके और अपार्टमेंट को अपनी चपेट में ले लिया। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही चीन के एक अपार्टमेंट में आग लगने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। कुछ दिनों के अंतराल में ही ये चीन में आग लगने की तीसरी घटना है। पुलिस ने आन्यांग शहर में आग लगने के मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है। स्थानीय अधिकारियों ने व्यापक सुरक्षा निरीक्षण के आदेश भी दे दिए हैं। हाल के कुछ समय में चीन के अंदर अपार्टमेंट या दूसरी औद्योगिक इकाइयों में लबुनियादी ढांचे में कमी , खराब सुरक्षा, जागरूकता में कमी और कुछ मामलों में सरकारी भ्रष्टाचार शामिल है।

अब बादलों में घर बसाने का सपना होगा पूरा

दुबई में बन रही 100 मंजिला बिल्डिंग, दुनिया में सबसे बड़ी

रियाद, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई में 100 मंजिला इमारत बनने की तैयारी हो चुकी है। यह इमारत न सिर्फ दुबई का एक आकर्षण होगी बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी बिल्डिंग भी होगी। जो बात सबसे दिलचस्प है, वह है कि बिल्डिंग रिहायशी होगी। आमतौर पर ऑफिस या फिर कमर्शियल बिल्डिंग्स इतनी ऊंची होती हैं। ऐसे में इस बिल्डिंग को आर्किटेक्चर का नायाब नमूना करार दिया जा रहा है। इस 100 मंजिला इमारत को बुर्ज बिनघाती जैकब एंड को रेजीडेंसेज की तरफ से तैयार किया जा रहा है। विशेषज्ञ इस मॉर्डन आर्किटेक्चर की प्रेरणा करार दे हे हैं। साथ ही वो यह भी कह रहे हैं कि यह बिल्डिंग आने वाले कई समय तक इंजीनियरों को बेहतर करने के लिए आइडिया देती रहेगी।

ऊंचाई की कोई जानकारी नहीं

अभी तक यह नहीं बताया गया है कि इस बिल्डिंग की ऊंचाई कितनी होगी लेकिन इसकी पहली झलक दुनिया को दिखा दी गई है। जो तस्वीरें सामने आई हैं, उससे साफ पता लग रहा है कि दुबई की सबसे बड़ी इमारत प्रिंसेज टॉवर से इसे साफ देखा जा सकता है। प्रिंसेज टॉवर की ऊंचाई 1289 फीट है। यह नई बिल्डिंग न्यूयॉर्क की 57वीं स्ट्रीट मैनहैट्टन स्थित सेंट्रल पार्क टॉवर के लिए खतरा बन सकती है। सेंट्रल पार्क टॉवर 98 मंजिला बिल्डिंग है जिसकी ऊंचाई 1550 फीट है।

बुर्ज खलीफा का रिकॉर्ड बरकरार

यह नई बिल्डिंग बुर्ज खलीफा का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाएगी। बुर्ज खलीफा की ऊंचाई 2716 फीट है जिसमें कुछ कमर्शियल ऑफिसेज भी हैं। इस वजह से ही इसे रिहायशी इमारत में गिना नहीं जाता है। जैकब एंड को के चेयरमैन और क्रिएटिव डायरेक्टर जैकब अराबको का दावा है कि नई इमारत रीयल एस्टेट और लग्जरी की उस दुनिया को सामने लेकर आएगी जिसके बारे में कभी किसी ने नहीं सुना होगा। दोनों कंपनियों की तरफ से बिनघाती के सीईओ और आर्किटेक्चर के मुखिया मोहम्मद बिनघाती ने कहा है कि नई इमारत सौम्यता और सुंदरता का मिश्रण होगी। बिनघाती की मानें तो दोनों ही उनके ब्रांड्स हैं और कोशिश रहेगी कि पहले की सभी सीमाओं को तोड़ दिया जाए।

कब होगी पूरी

उन्होंने कहा, 'जो बिनघाती ने रीएल एस्टेट में किया है, वह बहुत ही मुश्किल है। बिनघाती ने आर्किटेक्चर में दुनिया को जिससे जो जैकब एंड को ने ज्वैलरी वर्ल्ड को नवाजा है।' इस इमारत में घर लेने के लिए लोगों ने अपनी रूचि दिखानी शुरू कर दी है। यह प्रोजेक्ट कब पूरा होगा, इसकी कोई तारीख अभी तय नहीं की गई है। लेकिन माना जा रहा है कि दुबई में ही जारी वस्ल टॉवर के साथ इसे पूरा किया जाएगा जो साल 2024 में पूरी हो जाएगी।

लंबे समय तक सुधारवादी नेता रहे अनवर बने मलयेशियाई पीएम

सादा समारोह में ली शपथ

कुआलालंपुरम, 25 नवंबर (एजेंसियां)। लयेशिया में लंबे समय तक विपक्ष के सुधारवादी नेता रहे अनवर इब्राहिम ने बृहस्पतिवार को देश के पीएम के रूप में शपथ ले ली। इससे पहले मलयेशियाई सुल्तान अब्दुल्ला अहमद शाह ने उन्हें देश का प्रधानमंत्री घोषित किया। इसी के साथ मलयेशिया में खंडित जनादेश वाले आम चुनावों के बाद कई दिनों से जारी सियासी अनिश्चितता का अंत हो गया है। अनवर ने राष्ट्रीय महल में सादा समारोह में शपथ ली। मलयेशिया के सुल्तान ने 75 वर्षीय अनवर को देश के 10वें नेता के रूप में यह कहते हुए नामित किया कि वह अनवर जैसे प्रत्याशी से संतुष्ट हैं जिनके पास बहुमत का समर्थन होने की संभावना है। अनवर के एलायंस ऑफ होप ने 82 सीटों के साथ शनिवार के चुनाव में

जीत हासिल की लेकिन यह गठबंधन बहुमत के लिए जरूरी 112 सीटें नहीं जीत पाया। लेकिन अब अनिश्चितता दूर हो गई है।

नई सरकार से विनम्र रहने का आग्रह

75 वर्षीय मुहिद्दीन के हार मानने से इन्कार के बीच, मलयेशिया के सुल्तान ने अनवर और उनकी नई सरकार से विनम्र रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, पीएम सियासी उथल-पुथल खत्म करने के लिए सामंजस्य स्थापित करें।

कम रहेगी इस्लामीकरण की आशंका

माना जा रहा था कि किसी भी दल को सरकार बनाने के लिए पैन-मलयेशियन इस्लामी पार्टी की मदद लेना पड़ेगी। लेकिन अब इसकी संभावना नहीं बची है। इससे अल्पसंख्यकों में व्यापक इस्लामीकरण पर भय कम हुआ है।

सुल्तान ने दिया था एकता सरकार का प्रस्ताव

मलेशिया के प्रधानमंत्री के बारे में घोषणा अधिकांश दलों द्वारा सुल्तान अब्दुल्ला अहमद शाह के एकता सरकार के गठन के प्रस्ताव पर सहमत होने के बाद की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अनवर इब्राहिम और उनके प्रतिद्वंद्वी पेरिकटन नेशनल (पीएन) के प्रमुख मुहीद्दीन यासिन संसद में बहुमत के लिए आवश्यक 112 सांसदों का समर्थन हासिल करने में असमर्थ थे।

इसके बाद गुरुवार को यूनाइटेड मलेशियाई नेशनल ऑर्गनाइजेशन (यूएमएनओ) पार्टी ने बारिसन नेशनल (बीएन) गठबंधन की विपक्ष में रहने की पिछली राय से अलग रुख अपनाते हुए एकता सरकार का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त की। मलेशिया में अन्य राजनीतिक दलों ने भी यूएमएनओ द्वारा अपनाए गए रुख का समर्थन किया। पीएन ने यह भी घोषणा की कि वह समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों के साथ एकता सरकार के प्रस्ताव पर विचार करेगी

चीन में खतरनाक तरीके से बढ़ रहे कोरोना के मामले, लगातार दूसरे दिन 30 हजार से अधिक लोग संक्रमित

बीजिंग, 25 नवंबर (एजेंसियां)। चीन में कोरोना के मामले बहुत तेजी से बढ़ने लगे हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक 25 नवंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार चीन में बीते 24 घंटों में 32,943 मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में 1287 अधिक है। देश में लगातार दूसरे दिन 30 हजार से अधिक मामले सामने आए हैं। वहीं, कोरोना संक्रमण में खतरनाक वृद्धि को देखते हुए लॉकडाउन की अवधि को बढ़ा दिया गया है। झोंगझोउ के आठ जिलों की कुल आबादी करीब 66 लाख है और वहां लोगों को गुरुवार से लेकर पांच दिन तक अपने-अपने घरों में रहने को कहा गया है। शहर की सरकार ने संक्रमण से निपटने की कार्रवाई के तहत वहां व्यापक स्तर पर जांच के आदेश दिए हैं।

जनरल कमर जावेद बाजवा ने माना

राजनीति में सेना का दखल, 1971 के युद्ध पर भी किया खुलासा

इस्लामाबाद, 25 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने स्वीकार किया कि सैन्य प्रतिष्ठान राजनीति में शामिल रहा है। उन्होंने कहा कि सेना ने राजनीति में हस्तक्षेप बंद करने का फैसला किया है। शहीद दिवस समारोह को संबोधित करते हुए जनरल बाजवा ने कहा, दुनियाभार में सेनाओं की शायद ही कभी आलोचना की जाती है, लेकिन हमारी सेना की अक्सर आलोचना की जाती है। मुझे लगता है कि इसका कारण सेना की राजनीति में भागीदारी है। इसलिए फरवरी में सेना ने राजनीति में हस्तक्षेप न करने का फैसला किया। सेना प्रमुख के तौर पर अपने अंतिम संबोधन के रूप में बाजवा ने कहा, कई क्षेत्रों में सेना की आलोचना की और अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया। सेना की आलोचना करना राजनीतिक दलों और लोगों का अधिकार है, लेकिन इस्तेमाल की जाने वाली भाषा में सावधानी बरतनी चाहिए। देश के एक प्रमुख अखबार ने सेना प्रमुख के हवाले से कहा, मैं जल्द ही सेवानिवृत्त हो रहा हूं। इस बार यह समारोह कुछ देरी के बाद आयोजित किया जा रहा है। बाजवा 29 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। शहीद दिवस 1965 के युद्ध में मारे के सैनिकों के बलिदान के याद में प्रतिवर्ष 6 सितंबर को रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) में आयोजित किया जाता है। हालांकि, इस साल बाढ़ पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इसे स्थगित कर दिया गया था। इसके अलावा निवर्तमान थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल कमर जावेद बाजवा ने बुधवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि 1971 के युद्ध में केवल 34,000 पाक सैनिकों ने भारत के सामने आत्मसमर्पण किया था। मुख्य अतिथि के रूप में रक्षा और शहीद दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, सेना प्रमुख ने कहा कि पूर्वी पाकिस्तान संकट, एक सैन्य नहीं बल्कि एक राजनीतिक विफलता थी। लड़ने वाले सैनिकों की संख्या 92,000 नहीं थी, बल्कि केवल 34,000 थी, बाकी विभिन्न सरकारों से थे। सीओएएस ने कहा कि ये 34,000 लोग 2,50,000 भारतीय सेना के सैनिकों और 200,000 प्रशिक्षित मुक्ति बाहिनी का सामना कर रहे थे,

यूके में 'एशियाई अमीरों' की लिस्ट में ऋषि सुनक-अक्षता का डेब्यू

जानें कौन-कौन 'भारतीय' हैं शामिल?

लंदन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी को यूनाइटेड किंगडम के 'एशियाई अमीरों' की लिस्ट में रखा गया है। वहीं, 'एशियन रिच लिस्ट 2022' में भारतीय मूल के एक और अमीर कारोबारी हिंदुजा परिवार को शीर्ष स्थान पर रखा गया है। इस लिस्ट में एशिया के उन लोगों को शामिल किया गया है, जो यूनाइटेड किंगडम में रहते हैं और जिन्होंने अपने कारोबार की बदौलत अरबों की संपत्ति बनाई है।

कितनी है ऋषि सुनक की संपत्ति?

ब्रिटेन की राजनीति के अहम नाम बन चुके भारतीय मूल के ऋषि सुनक अब यूनाइटेड किंगटम के प्रधानमंत्री हैं और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति भारत के सम्मानित कारोबारी नारायण मूर्ति की बेटी हैं, जो सॉफ्टवेयर कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऋषि सुनक की संपत्ति 790 मिलियन डॉलर आंकी गई है और उन्हें इस लिस्ट में 17वें नंबर पर रखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार की एशियाई अमीरों की जो लिस्ट जारी की गई है, उसमें सभी अमीरों की संपत्ति को

अगर एक साथ काउंट किया जाए, तो वो संपत्ति 113.2 अरब पाउंड होती है, जो पिछले साल की तुलना में 13.4 अरब पाउंड ज्यादा है।

लिस्ट में टॉप पर हिंदुजा परिवार

'एशियन रिच लिस्ट 2022' की लिस्ट में हिंदुजा परिवार लगातार आठवीं बार 30.5 अरब पाउंड की अनुमानित संपत्ति के साथ शीर्ष पर है, और पिछले साल के मुकाबसे हिंदुजा परिवार की संपत्ति में इस साल 3 अरब डॉलर का इजाफा दर्ज किया गया है। लंदन के मेयर सादिक खान ने बुधवार रात वेस्टमिंस्टर पार्क प्लाजा होटल में 24वें वार्षिक एशियन बिजनेस अवाड्र्स में हिंदुजा समूह के को-चेयरमैन गोपीचंद हिंदुजा की बेटी रितु छाबड़िया को 'एशियन रिच लिस्ट 2022' की एक प्रति भेंट की है। आपको बता दें कि, हिंदुजा समूह एक इंडियन इंटरनेशनल ग्रुप है और ये समूह 11 अलग अलग क्षेत्रों में व्यापार करता है।

ब्रिटेन में एशियाई लोगों की तरक्की

एशियन बिजनेस अवाड्र्स कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ओलिवर डाउडेन, जो एमपी, लैंकेस्टर के डची के चांसलर हैं, उन्होंने कहा कि, हर साल, हम देखते हैं कि ब्रिटिश एशियाई समुदाय का कद लगातार बढ़ रहा है, जो व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि, अपने पूरे जीवन में, मैंने पहली बार ब्रिटिश एशियाई समुदाय की कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता को देखा है। और निश्चित रूप से एक चांसलर के तौर पर काम करते हुए मेरे बॉस भी एक एशियाई हैं, जिनका नाम ऋषि सुनक है, जो मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और यूनाइटेड किंगडम के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधान मंत्री हैं। आपको बता दें कि, इस साल एशियाई अमीरों की लिस्ट में 16 ब्रिटिश-एशियन को शामिल किया गया है, जिसमें ऋषि सुनक भी शामिल हैं।

ऋषि सुनक बने हैं प्रधानमंत्री

आपको बता दें कि, आज से ठीक एक महीने पहले 25 अक्टूबर को ऋषि सुनक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने थे और वो एशियाई मूल के पहले व्यक्ति बने, जो यूके के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे। फाइनेंस बैंकर से ब्रिटिश राजनीति में आए ऋषि सुनक ब्रिटेन के पिछले 210 सालों के राजनीतिक इतिहास में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री हैं और पहले हिन्दू प्रधानमंत्री हैं। राजनीति में आने से पहले ऋषि सुनक साल 2001 से 2004 तक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स के एनालिस्ट रह चुके हैं और अभी उनकी उम्र 42 साल है। आपको बता दें कि, ऋषि सुनक ब्रिटेन के सबसे अमीर सांसद हैं और साल 2015 में पहली बार यॉर्कशायर के रिचमंड से सांसद का चुनाव जीता था।

कितनी है पति-पत्नी की संपत्ति

आपको बता दें कि, रिपोर्ट्स में कहा गया है कि, ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति की कुल संपत्ति 15 मिलियन पाउंड है और दंपति के पास ब्रिटेन में अलग अलग जगहों पर तीन घर हैं। दो घर लंदन में हैं तो एक यॉर्कशायर में घर है। वहीं, ऋषि का एक घर अमेरिका के लॉस एंजिल्स में भी है। वहीं, बात अगर सिर्फ अक्षता की संपत्ति के बारे में की जाए, तो उनके पास इंफोसिस में 690 मिलियन पाउंड की संपत्ति है, जो इंफोसिस के कुल शेयर का 0.93 प्रतिशत है।

लिस्ट में और किन-किनके नाम?

एशिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में श्री प्रकाश लोहिया एंड फैमिली की संपत्ति में भारी इजाफा देखा गया है और पिछले साल के मुकाबले उनकी संपत्ति में 5 अरब डॉलर का इजाफा दर्ज किया गया है और अब इस परिवार की कुल संपत्ति 8.8 अरब पाउंड हो गई है। वहीं, लक्ष्मी मित्तल और उनके बेटे आदित्य (12.8 बिलियन पाउंड) और प्रकाश लोहिया और परिवार (8.8 बिलियन पाउंड) और निर्मल सेठिया (6.5 बिलियन पाउंड) इस लिस्ट में शामिल हैं।

रेप का आरोप लगाने वाली लेखिका ने ट्रंप के खिलाफ दायर किया मानहानि केस

वाशिंगटन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक नई मुसीबत में फंस गए हैं. ट्रंप पर लेखिका (ई. जीन कैरोल) ने मानहानि का मुकदमा दायर किया है. ये वही लिखिका हैं, जिन्होंने ट्रंप पर बलात्कार का आरोप लगाया था. ई. जीन कैरोल के वकील ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से कानूनी कागजात दाखिल किए, क्योंकि एडल्ट सर्वाइवर एक्ट ने यौन हमले पर मुकदमा करने के लिए राज्य की सामान्य समय सीमा को अस्थायी रूप से हटा दिया है. लेखिका ने दर्द और पीड़ा, मनोवैज्ञानिक नुकसान, गरिमा हानि और प्रतिष्ठा क्षति के लिए दंडात्मक क्षति की मांग की है.

टीएन शेषन- जिन्होंने नेताओं को भी नकेल डाल दिया था

सरकार ने वोटर आईडी के लिए पैसा नहीं दिया तो शेषन बोले- देश में चुनाव नहीं कराऊंगा

एक्सक्लूसिव डेस्क, 25 नवंबर। 2 अगस्त 1993 का दिन था। उस वक्त के चुनाव आयुक्त ने 17 पेज का एक आदेश जारी किया। आदेश में लिखा था- जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नहीं देती, देश में कोई भी चुनाव नहीं कराया जाएगा। ऐसा आदेश जारी करने वाले चुनाव आयुक्त थे टीएन शेषन, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट आज पूरी शिद्दत से बार-बार याद कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि संविधान ने मुख्य चुनाव आयुक्त यानी सीईसी और 2 चुनाव आयुक्तों के जर्जर कंधों पर बहुत से अधिकार दिए हैं। ऐसे में वह टीएन शेषन जैसे मजबूत चरित्र के इंसान को मुख्य चुनाव आयुक्त देखना चाहते हैं। 5 जजों की संविधान पीठ ने कहा कि सीईसी तो कई हुए हैं, लेकिन शेषन जैसे बिरले ही होते हैं। 1990 से 1996 के बीच भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन के ऐसे किस्से बता रहे हैं, जिनकी वजह से आज उन्हें सुप्रीम कोर्ट याद कर रहा है।

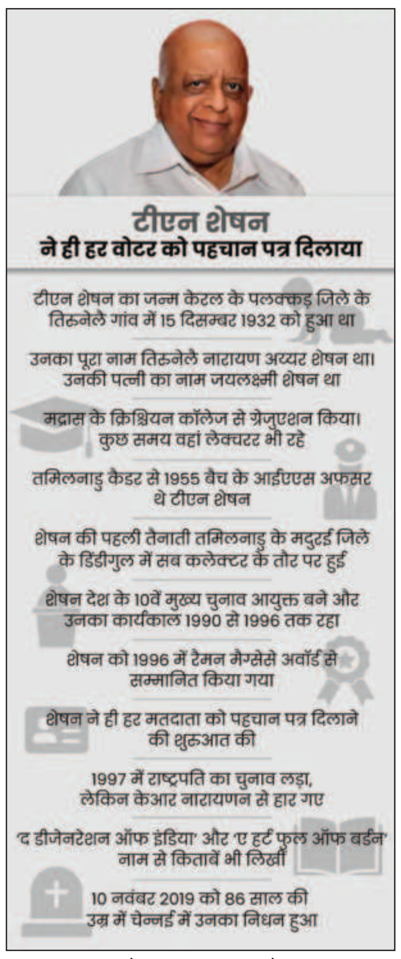

राजीव गांधी बोले- दाढ़ी वाले को पछताना पड़ेगा

90 के दशक की बात है। वीपी सिंह सरकार गिरने के बाद 10 नवंबर 1990 को कांग्रेस के सपोर्ट से चंद्रशेखर देश के नए प्रधानमंत्री बने। एक महीने बाद केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी देर रात नई दिल्ली के पंडारा रोड पर योजना आयोग के सदस्य टीएन शेषन के घर पहुंचते हैं। टीएन शेषन जैसे ही घर पर उनका स्वागत करते हैं, स्वामी पूछते हैं- क्या आप भारत का अगला मुख्यचुनाव आयुक्त बनना पसंद करेंगे? शेषन का रिएक्शन काफी ढीला होता है। जाहिर है कि वो मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं बनना चाह रहे थे, लेकिन स्वामी 2 घंटे तक शेषन को मनाते रहे। आखिर में शेषन बोले- मैं इस बारे में सोचूंगा। दरअसल 60 के दशक में हार्वर्ड में पढ़ाई के दौरान शेषन और स्वामी के बीच गुरु और शिष्य वाला रिश्ता रह चुका था। स्वामी के जाने के बाद शेषन ने फौरन राजीव गांधी को फोन करके मिलने का समय मांगा। कुछ देर बाद शेषन राजीव गांधी के घर पहुंचे और इस बारे में सलाह मांगी।

थोड़ी देर बाद राजीव ने उन्हें प्रस्ताव स्वीकार करने की सलाह दी, लेकिन शेषन को विदा करने गेट तक पहुंचे तो राजीव बोले- वो दाढ़ी वाला इंसान उस दिन को कोसेगा, जिस दिन उसने तुम्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बनाने का फैसला किया था। वो उस समय के प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को दाढ़ी वाला कह रहे थे। इसके बाद टीएन शेषन 12 दिसंबर 1990 को देश के 10वें मुख्य चुनाव आयुक्त बने।

कैबिनेट सचिव रहे शेषन ने एक बार राजीव गांधी के मुंह से यह कहते हुए बिस्किट खींच लिया कि प्रधानमंत्री को वो चीज नहीं खानी चाहिए, जिसका पहले परीक्षण न किया गया हो।

जब 50-50 हजार अपराधियों को लेनी पड़ी अग्रिम जमानत

ये वो दौर था जब चुनावों में बाहुबल और धनबल का बोलबाला था। शेषन ने इसका तोड़ निकाला। उन्होंने सभी जिला मजिस्ट्रेटों, पुलिस अफसरों और पर्यवेक्षकों से कह दिया था कि एक भी गलती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही शेषन ने करीब 50,000 अपराधियों को ये विकल्प दिया था कि या तो वो अग्रिम जमानत ले लें या खुद को पुलिस के हवाले कर दें। अखबारों में छपी कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, तब एक रिटर्निंग ऑफिसर ने कहा था- हम एक दयाविहीन इंसान की दया पर निर्भर हैं।

सरकार हिचकिचाई तो बोले- चुनाव ही नहीं कराऊंगा

शेषन के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने के बाद फर्जी वोटरों को रोकने के लिए फोटो वाले वोटर आईडी कार्ड बनाने की बात उठी। नेताओं ने यह कहकर विरोध किया कि भारत में इतनी खर्चीली व्यवस्था संभव नहीं है। इस पर शेषन ने कहा था- अगर मतदाता पहचान पत्र नहीं बनाए, तो देश में कोई चुनाव नहीं होगा। शेषन इस बात पर अड़े हुए थे कि अगर सरकार फोटो वाले मतदान पहचान पत्र लाने में देर करती रहेगी तो वो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के नियम 37 को लगाएंगे, जिसमें कहा गया है कि चुनाव आगे बढ़ाए जा सकते हैं या नहीं भी कराए जा सकते हैं। इसके बाद 1993 में देश में वोटर आईडी की शुरुआत हुई।

राज्यपाल को शेषन की वजह से पद छोड़ना पड़ा

1993 में मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव हो रहे थे। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सतना विधानसभा सीट से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलेशर अहमद के बेटे सईद अहमद को टिकट दिया था। उस समय गुलशेर अहमद हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल थे। बेटे को टिकट मिलने के बाद

उनके काम को सुप्रीम कोर्ट ने किया याद

गुलशेर अहमद चुनाव प्रचार करने के लिए हिमाचल से सतना पहुंच गए। राज्यपाल की चुनाव प्रचार करते हुए तस्वीर अखबारों में छपी। चुनाव आयोग इसे चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना। इसके बाद गुलशेर का राज्यपाल का पद छोड़ना पड़ा। वहीं उनका बेटा चुनाव भी हार गया। लालू प्रसाद यादव को सबसे ज्यादा जीवन में किसी ने परेशान किया, तो वे शेषन ही थे। 1995 का चुनाव बिहार में ऐतिहासिक रहा। लालू, शेषन को जमकर लानतें भेजते। कहते- शेषनवा को भैंसिया पे चढ़ाकर के गंगाजी में हेला देंगे। बिहार में चार चरणों में चुनाव का ऐलान हुआ और चारों बार तारीखें बदली गईं। यहां सबसे लंबे चुनाव हुए।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त रहे एसवाई कुरैशी एक घटना को याद करते हुए बताते हैं, 'मैं 1996 के बिहार चुनाव में एक पर्यवेक्षक के रूप में तैनात था। शेषन ने मुझसे कहा कि चिंता मत करो कुछ नहीं होगा, सिवाय आपके आसपास बम फटने और गोली चलने के। वास्तव में यही हुआ। मुझसे कुछ ही दूरी पर दो बम धमाके हुए।'

ज्योति बसु ने शेषन को पागल कुत्ता कहा था, मुखर्जी को सांसदी गंवानी पड़ी

1993 की शुरुआत में हर्षद मेहता कांड और प्रतिभूति घोटाला यानी सिक्योरिटीज स्कैम सामने आता है। सियासी दबाव के बाद वाणिज्य राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार पी. चिदंबरम को इस्तीफा देना पड़ता है। नरसिम्हा राव सरकार को मझे हुए नेता की जरूरत थी। ऐसे में उनकी नजर उस वक्त के योजना आयोग के उपाध्यक्ष प्रणब मुखर्जी पर पड़ती है। प्रणब को वाणिज्य मंत्री बनाया जाता है। चूंकि प्रणब संसद के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे, ऐसे में उन्हें मंत्री पद की शपथ लेने के दिन से 6 महीने के भीतर संसद के किसी भी सदन का सदस्य बनना अनिवार्य था। इसी दौरान पश्चिम बंगाल से दो सीटों के लिए राज्यसभा का चुनाव होना था। उस चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल की विधानसभा में कांग्रेस की हैसियत इतनी थी कि वह कम से कम अपने एक कैंडिडेट को राज्यसभा भेज सकती थी। इसके बाद प्रणब मुखर्जी को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया गया।

तभी एक पेंच फंस जाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन 2 अगस्त 1993 को 17 पेज का आदेश जारी करते हैं। कहते हैं कि जब तक सरकार चुनाव आयोग की शक्तियों को मान्यता नहीं देता, देश में कोई भी चुनाव नहीं होगा। यानी हर दो साल पर होने वाले राज्यसभा के चुनाव और विधानसभा के उप चुनाव भी, जिनकी घोषणा की जा चुकी है, आगामी आदेश तक नहीं होंगे। इसके चलते पश्चिम बंगाल की राज्यसभा सीट पर चुनाव नहीं हो पाए और केंद्रीय मंत्री प्रणब मुखर्जी को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। इस घटना से उस वक्त के पश्चिम बंगाल के सीएम ज्योति बसु इतने नाराज हुए कि उन्होंने शेषन को 'पागल कुत्ता' तक कह दिया। वहीं वीपी सिंह ने उस समय कहा था कि हमने पहले कारखानों में लॉक-आउट के बारे में सुना था, लेकिन शेषन ने तो प्रजातंत्र को ही लॉक-आउट कर दिया है। शेषन ने अपने कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव से लेकर बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव किसी को नहीं बख्शा।

राजनेता भगवान से डरते हैं या शेषन से

टीएन शेषन ने देश के आम आदमी को चुनाव आयोग की ताकत का एहसास कराया। 90 के दशक में शेषन के बारे में एक लाइन बोली जाती थी- राजनेता या तो भगवान से डरते हैं या फिर शेषन से। उनके सख्त होने की बानगी उनके ही एक बयान से समझी जा सकती है। 1990 में मुख्य चुनाव आयुक्त बनने के बाद शेषन ने कहा था, 'आई ईट पॉलिटीशियंस फॉर ब्रेक फॉस्ट' यानी मैं नाश्ते में राजनीतिज्ञों को खाता हूं। उम्मीदवारों के खर्च पर लगाम हो या फिर सरकारी हेलिकॉप्टर से चुनाव प्रचार के लिए जाने पर रोक शेषन ने ही लगाई। दीवारों पर नारे, पोस्टर चिपकाना, लाउडस्पीकरों से शोर, प्रचार के नाम पर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने वाले भाषण देना, उन्होंने सब पर सख्ती की। एक बार टीएन शेषन ने अपना परिचय बताते हुए कहा था कि मैं इंसानों की उस प्रजाति का हिस्सा हूं जिन्हें पालघाट ब्राह्मण कहा जाता है। इनकी चार किस्में पाई जाती हैं। रसोइया, धोखेबाज, सिविल सर्वेंट और संगीतकार। मैं समझता हूं कि मुझमें थोड़ी बहुत ये सारी खूबियां हैं। मैं अच्छा खाना बनाता हूं, मैं थोड़ा बहुत धोखेबाज भी हूं, मैं सिविल सर्वेंट हूं, मैं संगीतकार भले ही नहीं हूं, लेकिन संगीत की समझ मेरे अंदर है।

सरकार से बिना पूछे लोकसभा चुनाव स्थगित करा दिए

चुनाव आयोग को इंडिपेंडेंट बॉडी बनाने में भी उनका योगदान रहा है। इसकी बानगी उनके इस फैसले से समझी जा सकती है। राजीव गांधी की हत्या के बाद उन्होंने उस वक्त की सरकार से बिना पूछे लोकसभा चुनाव स्थगित करा दिए थे। शेषन ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'मुझे याद है कि जब मैं कैबिनेट सचिव था तो प्रधानमंत्री ने मुझे बुला कर कहा कि मैं चुनाव आयोग को बता दूं कि मैं इस दिन चुनाव करवाना चाहता हूं। तब मैंने उनसे कहा कि हम ऐसा नहीं कर सकते। हम चुनाव आयोग को सिर्फ ये बता सकते हैं कि सरकार चुनाव के लिए तैयार है।' इस दौरान उन्होंने बताया कि पहले मुख्य चुनाव आयुक्त, कानून मंत्री के ऑफिस के बाहर बैठ कर इंतजार करते थे कि उन्हें कब अंदर बुलाया जाए। इसी वजह से मैंने तय किया कि मैं कभी ऐसा नहीं करूंगा। हमारे ऑफिस में पहले सभी लिफाफे पर लिख कर आता था, चुनाव आयोग भारत सरकार। मैंने उन्हें साफ कर दिया कि मैं भारत सरकार का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन सिंह को भी नहीं बख्शा था। मध्यप्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश में बीजेपी की सरकारों को भंग करने के बाद पीवी नरसिम्हाराव सरकार के सबसे ताकतवर मंत्रियों में शुमार अर्जुन सिंह ने कहा इन राज्यों में चुनाव एक साल बाद होंगे। शेषन ने तुरंत प्रेस विज्ञप्ति जारी कर याद दिलाया कि चुनाव की तारीख मंत्री या प्रधानमंत्री नहीं बल्कि चुनाव आयोग तय करता है।

दिल्ली शराब घोटाले में सीबीआई ने दाखिल की चार्जशीट

सात आरोपियों के नाम शामिल

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने दिल्ली शराब घोटाले में शुक्रवार (25 नवंबर, 2022) को कुल 7 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। दाखिल की गई चार्जशीट में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया का नाम शामिल नहीं है। सीबीआई ने दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इसी कोर्ट में शराब घोटाले की सुनवाई होगी। दिल्ली शराब घोटाले में जिन सात आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। उनमें विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, समीर महेंद्रू, मुत्तथा गौतम, अरुण आर पिल्लई के नाम शामिल हैं। इसके अलावा सीबीआई ने एक्साइज के दो पूर्व अधिकारियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

सीबीआई ने बताया कि आरोप पत्र में दो गिरफ्तार कारोबारी, एक समाचार चैनल का प्रमुख, हैदराबाद निवासी एक शराब कारोबारी, दिल्ली निवासी एक शराब वितरक और आबकारी विभाग के दो अधिकारी शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी की जांच अभी जारी है। सीबीआई ने 10 हजार पेज की चार्जशीट दाखिल की है और अब रॉउज एवन्यू कोर्ट मामले में 30 नवंबर को अगली सुनवाई होगी।

एक अधिकारी ने कहा कि हमने अपनी चार्जशीट में उल्लेख किया है कि हमारी जांच अभी भी चल रही है और हम प्राथमिकी में उल्लिखित अन्य व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रहे हैं। सीबीआई ने जिन 15 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, उनमें सिसोदिया, आबकारी विभाग के तीन अधिकारी और कई वेंडर और वितरक शामिल हैं।

इस मामले पर आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि मई-जून के महीने से भाजपा ने यह बात कहनी शुरू कर दी थी कि तथाकथित एक्साइज पॉलिसी में गड़बड़ हुई है और भाजपा वाले कहते थे कि अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी, लेकिन 6 महीने बीत जाने के बाद भी इनको कुछ नहीं मिला। 500 अफ़सरों के छानबीन करने के बाद और 600 जगह छापेमारी के बाद भी इनको मनीष सिसोदिया के खिलाफ कुछ नहीं मिला।

भारद्वाज ने कहा कि डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया जिनको आरोप नंबर 1 बनाया गया, उनके खिलाफ कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इतने दिनों की मशक़्क़त के बाद अगर सीबीआई को कुछ नहीं मिला और चार्जशीट में मनीष सिसोदिया का नाम तक नहीं है तो इसके बाद बीजेपी के प्रवक्ताओं और नेताओं को देश के लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इतिहास में ऐसा पहली बार है कि किसी मामले में आरोपी नंबर 1 के ऊपर आरोप तय नहीं हो पाए।

कैबिनेट ने आरक्षण पर दो संशोधित विधेयकों को दी मंजूरी

अब विधानसभा में किए जाएंगे पेश

रायपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में दो आरक्षण संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी गई है। अब इसे एक और दो दिसंबर को होने वाले विशेष विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा।

गुरुवार को सीएम आवास पर कैबिनेट की बैठक हुई। कृषि मंत्री रवींद्र चौबे ने कहा कि विधानसभा से विधेयक पारित होने के बाद राज्य में कुल आरक्षण बढ़कर 76 फीसदी हो जाएगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण) संशोधन अधिनियम एवं शिक्षण संस्थानों में प्रवेश संबंधी संशोधन के संबंध में विधेयकों को मंजूरी दी गई है।

'एनपीएस के 17 हजार 240 करोड़ रुपए लौटाए केंद्र सरकार'

केंद्रीय वित्त मंत्री से बोले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, दिल्ली में हुई बजट से पहले की बैठक

रायपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। शुक्रवार को दिल्ली में बजट से पहले की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्री पहुंचे हैं। जिनमें छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल भी हैं। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। और एनपीएस से जुड़ी राशि की मांग की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा- राज्य को एनपीएस की 17,240 करोड़ की राशि लौटाई जाए, राज्य का अंश पृथक पेंशन निधि में जमा किया जाएगा। इस बैठक में बजट 2023 को लेकर वित्त मंत्री से अहम मुद्दों पर चर्चा की जा रही है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में देश के सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों की बैठक बुलाई है। इसी में सीएम बघेल भी शामिल हैं। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पिछले सप्ताह शिमला में कहा कि राष्ट्रीय पेंशन योजना में जमा पैसा इसमें योगदान करने वाले व्यक्तियों का है और कानून के तहत राज्य सरकारें इसे नहीं ले सकती हैं। सीतारमण ने कहा राजस्थान और छत्तीसगढ़ सरकारें केंद्र से पैसा लौटाने के लिये कह रही हैं, लेकिन कानून के तहत ऐसा नहीं किया जा

सकता है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ दोनों कांग्रेस शासित राज्यों ने सरकारी कर्मचारियों के लिये पुरानी पेंशन व्यवस्था फिर से लागू करने को अधिसूचित किया है। राज्य सरकार का कहना है कि केंद्र कर्मचारियों का पैसा नहीं रख सकता है। पेंशन के पैसों को लेकर मंत्री सीतारमण ने शिमला में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि, ''कानून के तहत, एनपीएस के तहत केंद्रीय मदद में जमा पैसा राज्यों को नहीं जा सकता, यह केवल उन कर्मचारियों के पाए जाएगा, जो इसका योगदान कर रहे हैं। क्या हम कानून बदल सकते हैं? यह केंद्र के पास जमा कर्मचारियों का पैसा है। यह पैसा केवल लाभार्थी कर्मचारियों के पास जाएगा न कि किसी एक प्राधिकरण या इकाई के पास है, उन्होंने कहा कि मैं यहां राजनीति की बात नहीं कर रही हूं. मैं केवल कानून की बात कर रही हूं।'' पिछले साल दिसंबर के महीने में भी बजट 2022 से पहले बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सीतारमण से कई मांगें की थीं जो लंबित हैं। इनमें मुख्यमंत्री बघेल ने जीएसटी क्षतिपूर्ति की भरपाई, कोल उत्खनन पर केंद्र के पास जमा 4,140 करोड़ रुपये छत्तीसगढ़ को शीघ्र देने एवं नक्सल उन्मूलन के लिए तैनात केन्द्रीय सुरक्षा बलों पर किये 15 हजार करोड़ के व्यय की प्रतिपूर्ति की मांग की थी।

हेमंत सोरेन से ईडी फिर करेगी पूछताछ, तैयारी तेज

मुख्यंमत्री हेमंत सोरेन से 7 दिसंबर को हो सकती है पूछताछ, सवालों की फेहरिस्त तैयार

रांची, 25 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी(प्रवर्तन निदेशालय) दोबारा पूछताछ कर सकती है। ईडी मुख्यमंत्री को समन भेजने की तैयारी कर रही है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री को 7 दिसंबर को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। पूछताछ से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जिन कागजातों की मांग की गयी है, उसे भी जमा करने के लिए कहा गया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी ने 17 नवंबर को लंबी पूछताछ की थी। लगभग 9 घंटे की पूछताछ में अवैध खनन से जुड़े कई सवाल किये गये थे। विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के संबंध में भी पूछताछ के संबंध में मिले कई अहम सवालों को सीएम के सामने रखा गया था। ईडी से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह पूछा था कि क्या दो सालों में एक हजार करोड़ का घोटाला संभव है ? अब चर्चा है कि ईडी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से दूसरी बार पूछताछ करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस संबंध में समन कभी भी जारी किया जा सकता है। इस बार भी सीएम से पूछताछ के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारी साथ मौजूद होंगे। ईडी के रांची स्थित जोनल कार्यालय में सीएम से पूछताछ के दौरान ईडी के संयुक्त निदेशक कपिल राज सहित कई अन्य अधिकारी शामिल थे। पिछली बार सीएम के जवाब के आधार पर नये सवालों की सूची तैयार की गयी है, जिसे हेमंत सोरेन से पूछा जाना है। साहिबगंज में 1000 करोड़ के अवैध खनन मामले में विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के घर से छापेमारी में एक लिफाफा मिला था, इस लिफाफे को लेकर भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल किया गया था। इस सवाल के जवाब में सीएम ने स्पष्ट जानकारी नहीं दी थी।

राजस्थान में कमाने गए मजदूरों से बंधक बनाकर करवाया गया काम

किसी तरह जान बचाकर सभी लौटे घर

बिलासपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले से राजस्थान में कमाने खाने गए मजदूरों को बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। जन साहस मजदूर हेल्पलाइन की टीम द्वारा मिली मदद से मजदूर आरोपी के चंगुल से बचकर किसी तरह वापस अपने-अपने गांव लौटे। मजदूरों ने मामले की उच्च अधिकारियों से शिकायत कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। दरअसल, 20 से अधिक मजदूर बिलासपुर कलेक्ट्रेट पहुचें थे। उन्होंने बताया कि काम के सिलसिले में ठेकेदार चंपकलाल से संपर्क किया, जिस पर चंपकलाल ने अजय चंदेल नाम के युवक से राजस्थान के सेठ प्रकाश भाई से फोन पर संपर्क करने के कहा। अजय चंदेल दो-तीन साल पहले उसे दूसरे भट्टे पर काम करते समय मिला था। संपर्क के बाद उसके काम के लिए बुलाने पर छत्तीसगढ़ के कुछ लोग अपने बच्चो के लेकर वहां जाने को तैयार हो गए। इसी साल के सितंबर महीने की 26 तारीख को सभी निकल गए। दो दिन बाद वे ग्राम तिलवाड़ा तहसील जसोल जिला बाड़मेर राजस्थान प्रकाश के पास पहुंचे, वहां पर इन्हें काम के लिए ले जाया गया, लेकिन पांच से छह हफ्ते किसी प्रकार कोई काम नहीं दिया गया। आरोप है कि सिर्फ खर्च देकर इन मजदूरों को रखा था। इसी दौरान खर्च कम पड़ने पर मजदूरों ने कहा कि काम दो सिर्फ खर्च पर कब तक रहेंगे। मजदूरों ने कहा कि अगर ऐसा ही करना है तो उन्हें वापस दिया जाए। उनकी बात सुनकर मालिक ने ईट बनवाने का काम शुरू कराया। काम चालू होने पर इन मजदूरों से ज्यादा काम लिया गया और मारपीट भी की गई। साथ ही महिलाओं से भी अभद्र व्यवहार करने का आरोप मजदूरों ने लगाया है। इस सब से परेशान होकर सभी मजदूर 17 नवंबर को भट्ठे से भागकर गुजरात चले गए। बताया है कि यहां दो से तीन साल पहले इन मजदूरों ने काम किया था। मजदूरों ने वहां के सेठ से आपबीती बताई, जिसके बाद पुराने सेठ ने मदद करते हुए इन्हें कुछ खर्चा और काम दिया।

मजदूरों के मुताबिक, इस बीच फिर से राजस्थान से सेठ प्रकाश पांच लोगों को लेकर गुजरात पहुंच गया और उन्हें धमकी देते हुए उनके बच्चे को जबरदस्ती गाड़ी में बिठा कर सभी मजदूरों को वापस काम पर लौटने के लिए दबाव बनाने लगा।

साथ ही अपने द्वारा दिए गए पैसे को वापस करने पर बच्चे को छोड़ने की बात कहने लगा। इस पर मजदूरों ने जन साहस मजदूर हेल्पलाइन नंबर 18002000211 मे मदद लेकर डायल 100 में कॉल की, तब पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंची, जिसमें पुलिस अधिकारियों ने इन मजदूरों को छुड़वाया। वहीं गुजरात के सेठ ने जो खर्चा मजदूरो को दिया हुआ था। उसी रुपए और जन साहस मजदूर की टीम के माध्यम से वे अपने-अपने गांव वापस पहुंचे।

मनोज तिवारी को कैसे पता कि कोई कर सकता है केजरीवाल पर हमला

सिसोदिया ने की गिरफ्तारी की मांग, भाजपा नेता बोले- हमें दिल्ली सीएम की चिंता

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा को लेकर जंग छिड़ गई है। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी के एक ट्वीट के बाद दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मनोज तिवारी पर गंभीर आरोप लगाए और उनकी गिरफ़्तारी की मांग की। वहीं इसके जवाब में मनोज तिवारी ने कहा कि उन्हें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा की चिंता है।

शुक्रवार सुबह मनीष सिसोदिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, “मनोज तिवारी ने केजरीवाल जी को धमकी दी है। इस धमकी से साफ़ है कि बीजेपी अरविंद केजरीवाल जी की हत्या करने की साजिश रच रही है। षड्यंत्र में फंसाने की साजिश में बीजेपी कामयाब नहीं हो पाई, इसलिए ये साजिश रच रही है। मनोज तिवारी को कैसे पता कि केजरीवाल पर हमला हो सकता है? इस पूरे मामले की शिकायत चुनाव आयोग से करेंगे और मांग करेंगे कि हत्या की धमकी देने के लिए मनोज तिवारी को गिरफ्तार किया जाए।” वहीं सिसोदिया के आरोपों के बाद मनोज तिवारी ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और कहा कि उन्हें केजरीवाल की सुरक्षा की चिंता है। उन्होंने कहा, “मुझे अरविंद केजरीवाल के सुरक्षा की चिंता है। केजरीवाल का दावा है कि सिसोदिया को गिरफ्तार किया जाएगा जबकि सिसोदिया ने केजरीवाल की हत्या की भविष्यवाणी की है। पता नहीं दोनों के बीच क्या चल रहा है।” बता दें कि मनोज तिवारी के एक ट्वीट के बाद पूरा विवाद शुरू हुआ।

जंगल में मिली 40 किलो वजनी लैंडमाइन, और मिले माओवादियों के पोस्टर

रांची, 25 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले के एक जंगल में गुरुवार को 40 किलोग्राम वजनी बारूदी सुरंग मिली है। इसकी पुलिस ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के खर्की गांव के पास एक जंगल में बारूदी सुरंग मिली। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल से 26 माओवादियों के पोस्टर भी मिले हैं। पुलिस अधीक्षक मनोज रतन छोठे ने कहा कि संदेह है कि माओवादियों ने इसे सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने के लिए लगाया था। उन्होंने कहा कि झारखंड जगुआर बल के बम निरोधक दस्ते ने बारूदी सुरंग को निष्क्रिय कर दिया, जिसका वजन 40 किलोग्राम था।

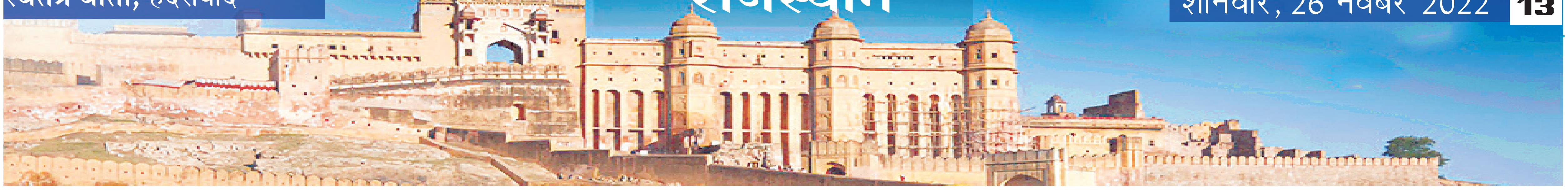

पायलट के विरोध में किस हद तक जाएगा गहलोत गुट ?

विवाद बढ़ा तो विधानसभा भंग भी हो सकती है, आजाद से तुलना का जवाब गद्दार

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। 50 साल के राजनीतिक करियर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का एक नया रूप देखने को मिल रहा है। साल 2020 में पायलट खेमे की बगावत के बाद उन्होंने पहली बार अपने धुर विरोधी सचिन पायलट पर खुलकर हमला बोला है। इस हमले से राहुल गांधी की यात्रा के राजस्थान आने से 10 दिन पहले गहलोत ने सियासी खींचतान का नया चैप्टर शुरू कर दिया है।

अब तक पायलट पर जो हमले गहलोत के समर्थक विधायक और मंत्री बोल रहे थे, अब खुद गहलोत ने उन पर मुहर लगा दी है। गहलोत ने समर्थक विधायकों की 25 सितंबर की बगावत को क्लीन चिट देकर खुद की सियासी लाइन को क्लीयर कर दिया है। इससे हाईकमान के फैसले पर भी सवालिया निशान लग गया है।

25 सितंबर को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने से जो हालात पैदा हुए थे, कांग्रेस अब दो महीने बाद वहीं आकर खड़ी हो गई है। गहलोत ने धमकी भरे लहजे में साफ इशारा कर दिया कि पायलट को अब किसी भी रूप में लीडरशिप वाली पोजिशन नहीं लेने दी जाएगी।

गहलोत और पायलट खेमों के बीच झगड़े की सबसे बड़ी जड़ ही यही है। राहुल की यात्रा से पहले गहलोत के विस्फोटक इंटरव्यू को राजनीतिक जानकार बड़े मैसेज के लिए सोची समझी रणनीति मान रहे हैं। पायलट पर हमले की टाइमिंग और सियासी लाइन क्लीयर करने के बाद अब कांग्रेस में टकराव बढ़ना तय हो गया है।

गहलोत ने विधायक दल की बैठक के बहिष्कार के समर्थक विधायकों के कदम का पहली बार खुलकर समर्थन करके उसे पायलट के खिलाफ बगावत करार देकर नई लड़ाई का ऐलान कर दिया है। अब तक गहलोत बैठक के बहिष्कार पर नपा-तुला जवाब ही देते आए थे। अब गहलोत ने हाईकमान की राय के खिलाफ जाकर बागी तेवर दिखाने वाले विधायकों-मंत्रियों का खुलकर बचाव करने के साथ ही इस घटना के बाद हुए फैसलों पर भी सवाल उठा दिए हैं।

गहलोत के बयान से यह साफ संकेत हैं कि उन्होंने अपने समर्थक नेताओं के खिलाफ 25 सितंबर की घटना को लेकर किसी तरह का एक्शन नहीं लेने की चेतावनी दी है। उस घटना को पायलट के खिलाफ बगावत करार देकर जस्टिफाई करने का मतलब है कि जरूरत पड़ी तो खुलकर टकराव भी हो सकता है।

बगावत को लीड करने वाले नेताओं पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज राजस्थान प्रभारी अजय माकन के इस्तीफे को भी गहलोत ने इशारों में गलत ठहराया है। अजय माकन पर गहलोत समर्थक मंत्रियों ने पक्षपात करने और पायलट के समर्थन में विधायकों को फोन करने के आरोप लगाए थे।

गहलोत ने उन आरोपों को सही बताकर माकन की भूमिका पर भी सवाल उठा दिए हैं। अब मौजूदा हालात में माकन के लिए प्रदेश प्रभारी बने रहने के आसार कम हैं, ऐसे में राजस्थान प्रभारी की जिम्मेदारी किसी दूसरे नेता को दी जा सकती है। 25 सितंबर को हुई बगावत के वक्त गहलोत खुद अलग थे और उनके समर्थक विधायक आगे थे, इस बार पायलट पर हमले की कमान खुद गहलोत ने संभाली है। यह भी साफ है कि गहलोत और पायलट खेमों के बीच मतभेद मनभेद में बदल चुके हैं, जिन्हें मिटाना अब आसान नहीं है।

25 सितंबर को गहलोत समर्थक 90 विधायकों ने पायलट के विरोध में स्पीकर सीपी जोशी को इस्तीफे दे दिए थे। स्पीकर जोशी के पास अब भी गहलोत समर्थक विधायकों के इस्तीफे रखे हुए हैं। माना जा रहा है कि ये इस्तीफे ही प्रेशर पॉलिटिक्स का सबसे बड़ा हथियार हैं।

गहलोत पर अगर प्रेशर बढ़ा तो समर्थक विधायक इस्तीफे मंजूर करवा सकते हैं। ऐसे हालात में विवाद और बढ़ने पर बात विधानसभा भंग कराने तक पर जा सकती है, इस्तीफों का सियासी मकसद यही माना जा रहा है। बताया जाता है कि हाईकमान इसी वजह से राजस्थान को लेकर जल्दबाजी करने के मूड में नहीं है।

सचिन पायलट को लेकर अशोक गहलोत अचानक अलग तेवरों में आए हैं, इसके पीछे सियासी जानकार कई तरह के कयास लगा रहे हैं। एक संभावना यह भी है कि राजस्थान को लेकर हाईकमान आगे बड़ा फैसला करने वाला हो और इसकी भनक गहलोत को लग गई हो। गहलोत के इंटरव्यू की टाइमिंग और पायलट को किसी भी रूप में लीडरशिप पोजिशन पर स्वीकार नहीं करने की बात हाईकमान के लिए भी एक चेतावनी के तौर पर मानी जा रही है।

1 नवंबर को मानगढ़ धाम के कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम गहलोत एक मंच पर थे। पीएम ने गहलोत को मुख्यमंत्रियों में सबसे सीनियर बताते हुए गहलोत की तारीफ की थी।

राजस्थान में सर्दी ने तोड़ा 11 साल का रिकॉर्ड

अगले 48 घंटे के लिए तेज ठंड का अलर्ट; जमने लगी बर्फ

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सर्दी रिकॉर्ड तोड़ने लगी है। रात का पारा लगातार गिरता जा रहा है। पत्तों पर ओस की बूंदें बर्फ बनने लगी हैं। साथ ही कई शहरों में कोहरा भी छाने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार अभी धीरे-धीरे सर्दी के तेवर और तेज होंगे। अगले 48 घंटे में पारा 2 डिग्री तक गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, बीती रात कई शहरों में न्यूनतम तापमान में गिरावट होने से यहां सर्दी और बढ़ गई। कोटा, बूंदी, बारां समेत कई शहरों में तापमान गिरकर 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। कोटा में बीती रात पिछले 11 साल में नवंबर की सबसे सर्द रात रही, जहां न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

हाड़ौती (कोटा, बूंदी, झालावाड़ा, बारां) अंचल के अलावा हिल स्टेशन माउंट आबू में भी आज पारा 2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हालांकि, शेखावाटी के सीकर, चूरू में तापमान में बढ़ोतरी होने से लोगों को सर्दी से हल्की राहत मिली। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में

मौसम शुष्क रहेगा और सर्द हवाओं का असर रहेगा, जिससे तापमान में गिरावट होने की संभावना है।

जयपुर में आज मौसम की स्थिति देखें तो सुबह तेज सर्दी रही और यहां न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हालांकि, सुबह सूरज निकलने के साथ ही सर्दी का असर कम हो गया और तेज धूप निकलने लगी। जयपुर में लगातार दूसरे दिन भी रात का तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

इसी तरह अलवर, पाली, जोधपुर और टोंक में भी पिछले दो दिन से तापमान स्थिर बना हुआ है। वहीं, गंगानगर, धौलपुर, बाड़मेर, उदयपुर, सिरोही, डूंगरपुर, बारां में बीती रात न्यूनतम तापमान में कल के मुकाबले एक डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई। नवंबर के महीने में इस बार कोटा में रिकॉर्ड तोड़ सर्दी पड़ी है। यहां कल रात न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले कोटा साल 2020 में तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था, जो नवंबर का पिछले 11 साल में सबसे कम तापमान था, लेकिन ये रिकॉर्ड भी आज टूट गया। कोटा में 2012 से अब तक नवंबर में केवल 1 बार ही तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गया है।

पिछले एक सप्ताह से लगातार शेखावाटी में गिर रहे तापमान पर आज ब्रेक लगा। चूरू, फतेहपुर, सीकर में आज तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हुआ, जिससे लोगों को सर्दी से मामूली राहत मिली। हालांकि सुबह-शाम अब भी तेज गलन भरी सर्दी ने वहां लोगों की धूजणी छूटा रखी है। खुले में रहने वाले लोगों के लिए यहां सुबह-शाम अलावा ही सर्दी से बचने का सहारा बने हुए है। सीकर में आज न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 8 पर पहुंच गया, जबकि चूरू में तापमान करीब एक डिग्री सेल्सियस बढ़कर 5 डिग्री पर आ गया।

पूर्व विधायक राजावत बोले- गरीब अतिक्रमियों के साथ खड़ा रहूंगा

फल बेचने वालों को हटाने का विरोध, कहा- ठेला ही लगा रहे, बिल्डिंग नहीं बना रहे

कोटा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। यूआईटी की तरफ से शहर में कई स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। गत दिनों एयरपोर्ट के सामने से लेकर अनंतपुरा तक यूआईटी के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने कई अतिक्रमण हटाये थे। यहां सड़क किनारे कई लोग फलों के ठेले, कच्ची दुकानें बनाकर फल फ्रूट बिक्री कर रहे थे। जिन्हें यूआईटी ने हटा दिया था। इनके पुनर्वास की मांग को लेकर शुक्रवार को पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत इन फल फ्रूट वालों के साथ यूआईटी में पहुंच गए।

उन्होंने इन्हें हटाए जाने को लेकर नाराजगी जताई। भवानी सिंह राजावत ने कहा- गरीब लोग ठेले लगाकर अपना पेट पाल रहे हैं। शहर में बड़े-बड़े अतिक्रमण हो रहे हैं लेकिन उन पर यूआईटी कार्यवाही नहीं करती और गरीब लोगों के रोजगार को छीन रही है। राजावत ने कहा- अतिक्रमण हटाना अच्छी कार्यवाही ही है, लेकिन इन गरीबों के ठेले और दुकानें तोड़ रहे हैं। इनके सामान फेंक रहे हैं। इससे नुकसान होता है।

ऐसे में उनका पुनर्वास किया जाए। अगर इसी तरह यूआईटी कार्रवाई करेगी तो इसके विरोध में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। राजावत ने तो यहां तक कह दिया कि शनिवार को वह इन फल फ्रूट वालों के साथ उसी जगह मौजूद रहकर उनकी दुकानें लगवाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह लोग ठेला लगाकर रोजगार कर रहे हैं कोई बड़ी बिल्डिंग नहीं बना रहे जो इन्हें अतिक्रमण कह रहे हैं।

जयपुर आ रहे वेणुगोपाल लाएंगे बड़ा मैसेज

पायलट पर गहलोत के सीधे हमले के बाद अब विवाद जल्द निपटाने की तैयारी में कांग्रेस

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में लंबे समय से चल रहे सियासी संकट का निपटारा अब जल्द हो सकता है। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पायलट की ताजपोशी होगी या गहलोत ही सीएम बने रहेंगे, इस पॉलिटिकल ड्रामे की पूरी फिल्म का टीजर 29 नवंबर को जारी हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल जयपुर आ रहे हैं।

गुरुवार को जिस तरह CM अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर बड़ा हमला किया। उसके बाद यह तय हो गया है कि अगले 5 दिन में ही राजस्थान में कांग्रेस के सियासी ड्रामे की पिक्चर क्लियर हो जाएगी। वेणुगोपाल का यह जयपुर दौरा यूं तो 'भारत जोड़ो' यात्रा की तैयारियों को लेकर है, मगर गुरुवार को हुए घटनाक्रम के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि अब वेणुगोपाल दिल्ली से मैसेज लेकर सियासी विवाद को निपटाने आ रहे हैं। वेणुगोपाल का यह मैसेज राजस्थान में आने वाले दिनों में कांग्रेस की दिशा तय करेगा।

भारत जोड़ो की बैठक, गहलोत-पायलट दोनों को होना है शामिल

29 नवंबर का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वेणुगोपाल यहां आकर भारत जोड़ो कॉर्डिनेशन कमेटी की मीटिंग लेने वाले हैं। यह बैठक यात्रा को मजबूत बनाने की तैयारी के तौर पर शेड्यूल है। इस बैठक में कॉर्डिनेशन कमेटी के 35 सदस्य शामिल होंगे। इसमें सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों को भी शामिल होना है। ऐसे में वेणुगोपाल इस बैठक में दोनों को साथ बैठाकर पार्टी हाईकमान की अप्रोच और मैसेज बता सकते हैं।

पार्टी को पसंद नहीं आया गहलोत का सीधा हमला

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि जिस तरह से भारत जोड़ो यात्रा से ठीक पहले गहलोत ने पायलट पर

हमला किया, वह पार्टी को पसंद नहीं आ रहा। वरिष्ठ नेता भी इसे गलत समय पर दिया गया बयान बता रहे हैं। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने भी गुरुवार को बयान जारी कर जल्द मसला सुलझाने की भावना जताई थी। ऐसे में अब पार्टी राजस्थान के मसले पर निर्णय लेने में ज्यादा समय नहीं लगाएगी। भले ही पार्टी का फैसला राहुल गांधी की यात्रा के बाद हो, मगर उसकी तैयारी और मैसेज वेणुगोपाल के जयपुर दौरे के साथ ही सामने आ जाएगा।

डिसीजन का दबाव में बन रही ये तीन संभावनाएं

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि अब इस घटनाक्रम के बाद पार्टी जल्द राजस्थान पर निर्णय लेगी। तीन अलग-अलग संभावनाएं नजर आती हैं, जिन पर कांग्रेस विचार कर सकती है।

पहली संभावना: अशोक गहलोत को 2023 तक सीएम घोषित कर दें

यात्रा को विवादों से दूर रखने के लिए पार्टी यह फॉर्मूला अपना सकती है। कांग्रेस शासित राज्य में यात्रा अच्छे से निकल जाए और यात्रा के दौरान किसी भी तरह का विवाद न हो उसके चलते पार्टी अशोक गहलोत को ही 2023 तक सीएम बनाए रखने का निर्णय कर सकती है। हालांकि इससे पायलट गुट कैसे रिएक्ट करता है, यह पार्टी के लिए चुनौती हो सकती है। इसका असर 2023 के विधानसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है।

दूसरी संभावना: सचिन पायलट को सीएम बनाया जाए

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि गुजरात चुनाव होने के बाद कांग्रेस के लिए भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान से ज्यादा अहम मसला है। ऐसे में सिर्फ एक राज्य के लिए गांधी परिवार और पार्टी नेतृत्व पूरी यात्रा को खराब नहीं करना चाहेगा। राहुल की यात्रा का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में अपनी ही सत्ता वाले राजस्थान में पार्टी नेतृत्व की क्षमता पर सवाल उठे यह कांग्रेस नहीं चाहेगी।

इसके चलते पार्टी सख्त गहलोत को सीएम पद से हटाने का कड़ा निर्णय कर सचिन पायलट को सीएम बना सकती है। हालांकि कांग्रेस के कई नेता कहते हैं कि इससे राजस्थान में कांग्रेस की सरकार गिरने की नौबत भी आ सकती है। मगर इसके बावजूद पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर एक सख्त मैसेज दे सकती है।

तीसरी संभावना: अनिश्चितता बनाए रखें

कुछ जानकारों का यह भी कहना है कि कांग्रेस के पास अनिश्चितता बनाए रखने का भी विकल्प है। जिस तरह पिछले 2.5 साल से किसी भी एक पक्ष की तरफ निर्णय न कर पार्टी ने राजस्थान में सरकार चलाई है। ठीक उसी तरह अगला कुछ समय भी कांग्रेस निकाल सकती है। हालांकि इससे पार्टी हाईकमान की नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता पर सवाल खड़ा होगा। पार्टी उदयपुर संकल्प के बाद बड़े बदलाव की ओर है, ऐसे में इससे पार्टी बचना चाहेगी।

सियासी विवाद बनी ओबीसी आरक्षण की विसंगति दूर

पूर्व सैनिकों को अब हॉरिजेंटल आरक्षण मिलेगा, कैबिनेट ने नियम बदलने को मंजूरी दी

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। ओबीसी कोटे में पूर्व सैनिकों के आरक्षण के पैटर्न पर हुए विवाद के बाद अब राज्य सरकार ने प्रावधान बदलने का फैसला किया है। सीएम अशोक गहलोत की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में पूर्व सैनिकों को सरकारी नौकरी में आरक्षण के प्रावधानों में संशोधन को मंजूरी दी है। इसके लिए राजस्थान सिविल सेवा (भूतपूर्व सैनिकों का आमेलन) नियम, 1988 में संशोधन को मंजूरी दी है। इससे राज्य की भर्तियों में भपूर्व सैनिकों को हॉरिजॉन्टल कैटेगरीवाइज आरक्षण मिलेगा।

इस संशोधन से एससी, एसटी के पूर्व सैनिकों को भी सीधी भर्तियों में आनुपातिक रूप से प्रतिनिधित्व मिलेगा। ओबीसी के लिए आरक्षित पदों में से पिछड़ा वर्ग के गैर सामान्य कैंडिडेट्स को भी पूरा कोटा मिल सकेगा।

मौजूदा नियमों से ओबीसी कैंडिडेट्स को थी भारी आपत्ति

मौजूदा भर्ती नियमों में पूर्व सैनिकों को राज्य सरकार की नौकरियों में भर्ती के लिए उनकी वर्गवार कैटेगरी में से आरक्षण मिलता है। इस व्यवस्था से पूर्व सैनिकों के अपनी कैटेगरी में समायोजित होने के कारण

एससी, एसटी के पूर्व सैनिकों का चयन कम हो पा रहा है। साथ ही पूर्व सैनिकों के लिए तय आरक्षण के बाद चयनित कैंडिडेट्स के अपने वर्ग में समायोजित हो जाने के कारण कुछ भर्तियों में ओबीसी वर्ग के कैंडिडेट्स के लिए पद नहीं बच रहे थे।

पूर्व सैनिकों को छूट मिलती रहेगी, पूर्व सैनिकों के खाली पद

पूर्व सैनिकों को हॉरिजेंटल कैटेगरी के हिसाब से आरक्षण मिलेगा। पूर्व सैनिकों को भर्तियों में मौजूदा दौर में मिल रही अधिकतम उम्र में छूट और मिनिमम अंकों में छूट का लाभ भी मिलता रहेगा। पूर्व सैनिकों के किसी भर्ती के खाली रहे पदों को एक साल तक आगे के लिए कैरी फॉरवर्ड की जाती रहेगी।

गहलोत ने कल घोषणा की थी, आज कैबिनेट में नियम बदलने का फैसला

ओबीसी आरक्षण विसंगति को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक दिन पहले ही सुधार करने की घोषणा की थी। गहलोत ने पिछली बीजपी सरकार के समय 2018 में जारी सर्कूलर को वापस लेने के संकेत देते हुए हरीश चौधरी पर भी नाम लिए बिना निशाना साधा था। गहलोत ने कहा था ओबीसी नोजवानों की मांग भी वाजिब है। ओबीसी युवाओं की जो मांग है, पिछली सरकार से टेक्निकली गलती हुई है। हमने पूरा सर्वे करवाया है। पूरे देश 16 राज्यों और केंद्र के अंदर ओबीसी आरक्षण का जो फार्मूला है, वह फार्मूला राजस्थान में भी लागू होगा। किसी के साथ अन्याय किसी रूप में नहीं होगा।

पिछली कैबिनेट की बैठक में टल गया था मामला

ओबीसी के आरक्षण में पूर्व सैनिकों के कोटे को लेकर बीजेपी राज के समय 2018 में जारी सर्कूलर कोवापस लेने के मुद्दे पर मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और राजेंद्र गुढ़ा विरोध जता चुके हैं। यह मामला पिछली कैबिनेट की बैठक में आरया था लेकिन मंत्री प्रतापसिंह खाचरियाावास ने इस पर चर्चा करने की मांग की थी, इसलिए इसे डेफर कर दिया गया था। पिछली कैबिनेट में मामला डेफर होने के बाद कांग्रेस के मंत्री विधायकों में खूब बयानबाजी हुई थी।

'जिसका मन नहीं लग रहा, वो अपना रास्ता तय करें' इशारों में कटारिया का वसुंधरा पर निशाना

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान निकलने वाली बीजेपी की जन आक्रोश रैली को लेकर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की दूरियां चर्चा का विषय बनी हुई है. जन आक्रोश रैली के कार्यक्रम की शुरूआत से ही राजे कैंप ने दूरी बना रखी है.

'जिसका मन नहीं लग रहा, वो अपना रास्ता तय करें' इशारों में कटारिया का वसुंधरा पर निशानाजन आक्रोश रैली से पहले बीजेपी में खींचतान !

राजस्थान में कांग्रेस की खींचतान के साथ बीजेपी की गुटबाजी भी बराबर चल रही है. जहां कांग्रेस में कुर्सी की लड़ाई जोरों पर है वहीं बीजेपी खेमे में कुर्सी पर बैठने वाले चेहरे को लेकर तकरार चरम पर है. ताजा घटनाक्रम के मुताबिक बीजेपी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान निकलने वाली जन आक्रोश रैली से जुड़ा है जिसको लेकर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की दूरियां चर्चा का

विषय बनी हुई है. जन आक्रोश रैली के कार्यक्रम की शुरूआत से ही राजे कैंप ने दूरी बना रखी है. वहीं रैली की तैयारियों को लेकर होने वाली कार्यशाला में नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने बड़ा बयान दिया है. माना जा रहा है कि पूनिया और कटारिया ने राजे पर निशाना साधा है. कार्यशाला में कटारिया बोले कि जिसका मन नहीं लग रहा है तो वो अपना अलग रास्ता ले लें, वहीं सतीश पूनिया ने इस दौरान कहा कि किसी का नाम नहीं आए या मंच पर जगह नहीं मिले, तो उसको मनभेद नहीं रखना चाहिए. अब दोनों नेताओं के बयान को राजे की दूरी से जोड़कर देखा जा रहा है. हालांकि, कटारिया और पूनिया ने किसी नेता का नाम नहीं लिया.

कटारिया ने कहा कि कोई मनभेद या मतभेद होता ही नहीं है, एक पार्टी में हर कोई एक साथ चलता है, और काम करता है. उन्होंने आगे कहा कि अगर किसी के मन में उठापटक चल रही है तो वह अपना रास्त ले सकता है.

गैंगरेप के बाद पिता को सड़क किनारे लहूलुहान मिली

दरिंदों ने दिन-दहाड़े किया किडनैप; बोल-सुन नहीं सकती है युवती

बाड़मेर, 25 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में एक के बाद एक गैंगरेप के मामले बढ़ते जा रहे हैं। एक और ऐसा मामला सामने आया है, जहां बदमाशों ने मूक बधिर दलित युवती के साथ गैंगरेप किया। खून से लथपथ हालत में परिजन देर रात उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। मामला सामने आने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। मामला बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना थाना इलाके का है।

पुलिस को परिजनों से मिली रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को शाम को करीब 4 बजे मूक बधिर युवती (20) स्कूल के पास में बकरियां चराने के लिए गई थी। तभी एक सफेद बोलेरो कैंपर सड़क के किनारे

आकर रुकी।

इसमें दो-चार युवक उतरे और खेत में बकरियां चार रही युवती के मुंह पर हाथ रख वन विभाग के एरिया की दीवार के पीछे ले जाकर युवकों ने बारी-बारी रेप किया। युवती के अंदरूनी अंगों पर गहरी चोट से बेहोश हो गई।

पिता ने बताया कि देर शाम तक युवती जब घर पर नहीं आई तो मैं और एक अन्य पैरों के निशान देखकर मौके पर गए। वहां पर मेरी युवती बेहोश की हालात में पड़ी थी। युवती को धोरीमन्ना हॉस्पिटल लाए। उसने इशारों में हमें उक्त घटना की जानकारी दी। युवकों के पैरों के निशान भी मौके पर मौजूद है। सूचना पर धोरीमन्ना पुलिस मौके पर पहुंची।

धोरीमन्ना थानाधिकारी सुखराम विश्नोई के मुताबिक सूचना मिलने मौके पर पहुंचे। लोगों से पूछताछ की है। रात हो जाने के कारण लोगों से विशेष जानकारी नहीं मिल पाई है। डॉक्टरों द्वारा चैक करने पर रेप करने जैसी बात सामने आई है।

यूरिया के लिए किसानों ने हाईवे किया जाम

दुकानों पर पड़ा 2600 कट्टे खाद, एसडीएम ऑफिस के बाहर हंगामा

बूंदी. 25 नवंबर (एजेंसियां)। बूंदी के नैनवां कस्बे में खाद की दुकानों पर 2600 कट्टे यूरिया खाद पड़ा होने के बाद भी वितरण नहीं करने से नाराज किसानों ने शुक्रवार को एसडीएम ऑफिस के बाहर हंगामा कर स्टेट हाईवे जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों और पुलिस ने किसानों से समझाइश कर जाम खुलवाया। किसानों को कूपन दिए गए हैं और शनिवार को खाद वितरण किया जाएगा।

हाईवे जाम की सूचना मिलने पर नैनवां थाने का जाप्ता, दो नायब तहसीलदार और कृषि विभाग के सहायक कृषि अधिकारी मौके पर पहुंचे। किसानों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि खाद लेकर ही जाएंगे। खाद नहीं मिलेगा तब तक जाम नहीं हटाया जाएगा। किसानों ने बताया कि गुरुवार को तहसील कार्यालय पर प्रदर्शन के दौरान शुक्रवार को खाद वितरण कराने की बात कही थी। जब खाद पड़ा है तो वितरण करें। इधर, सहायक कृषि अधिकारी नरेंद्र कुमार जैन ने बताया कि सहायक निदेशक रतन लाल ने शुक्रवार को खाद वितरण नहीं करने का आदेश देने से खाद वितरण नहीं कर पा रहे है। नैनवां में दुकानों पर 26 सौ कट्टे खाद पड़ा है, लेकिन उच्च अधिकारियों ने खाद वितरण करने से मना कर दिया। बाद में पुलिस उपाधीक्षक योगेश चोधरी भी मौके पर पहंचे और किसानों को समझाने में जुटे।

बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट व अग्रवाल सेवा दल की वार्षिक सभा आयोजित

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल द्वारा आज वार्षिक सभा का आयोजन किया गया। अवसर पर चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान देने वालों, मेधावी विद्यार्थियों और स्वयंसेवियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी.पित्ती ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि इस सभा का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक सेवा गतिविधियों में समर्थन करने वालों का सम्मान करना है। हमारे पास अग्र महिला मंच और अग्रणी महिला मंच की टीम का समर्थन है। इसके अलावा पित्ती इंजीनिय्रिंग लिमिटेड के स्वसंसेवियों का भी साथ है, जो शिविरों और अन्य गतिविधियों के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इन सभी के प्रयास से संस्था का कार्य संभव हो पाया है, जिसके लिए वे आभारी है। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, जिसमें से विधवा सहायता एक है। इसके द्वारा 80 विधवाओं की हर माह 750 रुपये की आर्थिक सहायता की जाती है। कुल मिलाकर हर साल 7 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। अन्य गतिविधियों के बारे में भी उन्होंने जानकारी दी। इस अवसर पर 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 25 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इसके अलावा एलसीएस डुंडों आई इन्स्टिटयूट से किशोर छावरिया, सेंचूरी सुपर स्पेशयलिटी हॉस्पिटल, बंजारा हिल्स से शेखर, डॉ.विजय भास्कर, बजाज फिजियो केयर से डॉ.मीता बजाज, मेडिकवर अस्पताल से महेश, इवोक डेंटल केयर से डॉ.मनीता सेठ, ब्लू क्रॉस लेबोरेटरीज से झांगीर व अन्य, उमेश पुरुषोत्तम अग्रवाल ट्रस्ट बंजारा हिल्स, क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड अबंरपेट, एएस मोतीनगर शाखा से सतीश, राजपूत समाज से गोपाल सिंह, यादव सेवा संघम से एसएनए राव यादव, ए.एस मोतीनगर शाखा से सतीश अग्रवाल, निर्मल देवी कैलाशचंद केडिया चैरिटी ट्रस्ट काटेदान, ए.एस उर्दू गली शाखा, ए.एस.रिकाबगंज शाखा, ए.एस.मुरलीनगर शाखा, ए.एस.चेलापुर शाखा, तेलंगाना चैंबर ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट आबिड्स, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अगापुर, अग्र महिला मंच, अग्रणी महिला मंच, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव, जितेंद्र गोयल, मोहन मित्तल, बतिनी गौड़ परिवार, मनोज सिंह, पित्ती लैमिनेशन स्टाफ एवं अन्य का सम्मान किया गया। मंगलवार, 29 नवंबर को रोज गार्डन में होनेवाले कार्यक्रम के दौरान मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अवसर पर डॉ.सुचिता गोयल, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, जितेंद्र गोयल एवं अन्य ने अपने सुझाव रखें और विचारों का आदान-प्रदान किया। कैलाश केडिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज चेलापुर शाखा से उमेश अग्रवाल, धर्मेंद्र अग्रवाल, विजय अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, कैलाश केडिया, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, निखिल रानासराय, उर्मिला अग्रवाल, बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के ट्रस्टी लक्ष्मीनिवास शर्मा, निर्मला केडिया, अनीता अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम, मोहन मित्तल, जितेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, बतिनी हरिनाथ गौड़, बतिनी शिवशंकर गौड़, बतिनी गौरी शंकर यादव, बतिनी शेखर गौड़, बतिनी अजय गौड़, अल्का गौड़, अर्चना गौड़, मनोज सिंह, उमेश पुरुषोत्तम अग्रवाल ट्रस्ट, मधु अग्रवाल, अग्रवाल समाज मोती नगर शाखा से सतीष अग्रवाल, क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट से गोपाल सिंह, रवि पब्लिक स्कूल से रजनीकांत, यादव सेवा संघ से शरद यादव, अरुण यादव, महेश यादव, अग्रवाल समाज उर्दू गली शाखा से शेष गोयल, धीरज गुप्ता, अग्रवाल समाज रिकबगंज शाखा से बजरंग लाल अग्रवाल, अग्रवाल समाज मुरली नगर शाखा से राजेंदर भालवाले, शिव कुमार भालवाले, उमेश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, तेलंगाना चैंबर ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट से घीसुलाल जैन, अजंनी गोयल, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप से सुरेंद्र ठोलिया, अग्र महिला मंच से दीपा गर्ग, अंजु गोयल, सरला अग्रवाल, मनीषा जालान, वंदना, अग्रणी महिला मंच से सुमन भुवानिया, रीतु, बबीता, सुनैना एवं अन्य ने हिस्सा लिया।

सेंट्रल राजपूत कोर कमेटी ने की बैठक, नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेंट्रल राजपूत कोर कमिटी की बैठक सैनिकपुरी सिकंदराबाद में संपन्न हुई। जिसमें धनंजय सिंह, एके सिंह, एमबी सिंह, रामसागर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, बबन सिंह, एसके सिंह, कामेश्वर सिंह, एच एस चौहान, अविनाश सिंह लोगों ने भाग लिया। जेके सिंह ने जानकारी दी कि राजपूत सेंट्रल कमेटी की बैठक का मुख्य उद्देश्य अपने राजपूत समाज का निर्माण एवं कमेटी मेंबर की नियुक्ति के विषय पर चर्चा की गई। चर्चा के बाद सभी का सुझाव लिया गया। इसमें कि हम एक दूसरे के साथ मिलजुल कर सभी राजपूत भाई को कैसे आगे की ओर ले जाए एवं एक-दूसरे के सुख दुख में कैसे साथ दिया जाए।

तत्पश्चात सभी लोगों के सुझाव के अनुसार एक राजपूत समिति का गठन किया गया, जिसका नाम "बीजेयू राजपूत सेवा संघ हैदराबाद", के नाम का चयन किया गया।

सभी के सुझाव एवं विचार की सहमति से यह नाम सुनिश्चित किया गया। कमेटी के नामकरण के साथ-साथ प्रथम कमिटी मेंबर का नाम सभी के सहमति से घोषित किया गया, जिसमें एचएस चौहान को प्रेसिडेंट, बबन सिंह व धर्मेंद्र सिंह वाइस प्रेसिडेंट, धनंजय सिंह जनरल सेक्रेटरी, अविनाश सिंह व जितेंद्र सिंह ज्वाइंट सेक्रेट्री, एमबी सिंह ट्रेजरर तथा एसके सिंह कामेश्वर सिंह और रामसागर सिंह एक्सक्यूटिव मेंबर बनाए गए।

श्याम बाबा के दो वर्षों से जारी अखंड कीर्तन के तहत विशेष कार्यक्रम

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लौह पुरुष सेवा समिति के तत्वावधान में पिछले दो वर्षों से जारी श्याम बाबा के अखंड कीर्तन के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। समिति के संस्थापक दर्शन अग्रवाल द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक जगत में श्याम दीवाने एक से बढ़कर एक देखे जाते हैं, परंतु हैदराबाद में श्याम प्रेमी सत्संगी सम्पूर्ण परिवार प्रथम बार देखने को मिला, जो 27 नवंबर 2020 से दो वर्ष बिना किसी विघ्न बाधा के बाबा श्याम की कृपा से अखंड कीर्तन करता आया है।

यह कीर्तन एक ही परिवार के सदस्य उमेश कुमार शर्मा, श्रीमती सरिता शर्मा, फाल्गुनी शर्मा, रोशन शर्मा, सुरभी शर्मा द्वारा किया जाता है। इन पांचों सदस्यों ने मिलकर लगातार 730 दिवस तक अखंड कीर्तन करके प्रभु श्री श्याम, जो "हारे का सहारा" है, उनके चरणों में अर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया है। सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस परिवार ने यह अखंड कीर्तन संगीतमय वातावरण में किया है।

साध्वीश्री त्रिशला कुमारी ने मंगल पाठ सुनाया

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अणुव्रत अनुशास्ता महान तपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री त्रिशला कुमारी जी व सहवर्ती साध्वी वृन्द टाणा 5 का नगर विचरण के दौरान हनुमान जिनैन्द्र बैद के घर पर पधारना हुआ। दिन का प्रवास रहा। पूरे दिन ज्ञान-ध्यान धर्म का ठाट लगा रहा। सुबह श्रावक समाज को मंगल पाठ सुनाया। दिनभर श्रावकों का आवागमन रहा। रात्रि में कार्यक्रम रहा। श्रीमती दीपिका बैद ने स्वागत गीत मधुमय पावन मोहल बेला मंगलमय गीत सुनाती है। आप श्री एम.पी. की तरफ विहार कर रही है। आप सभी के स्वस्थ स्वास्त्य की मंगल कामना की। हमें अध्यात्म का मार्ग दिखाती रहे व जैन शासन की अधिक से अधिक प्रभावना हो। साध्वी श्री रश्मिप्रभा जी ने सुमधुर गीतिका सुनायी। उनके कोकिल स्वर से सब गदगद हो गये। साध्वी श्री त्रिशला कुमारीजी ने बच्चों को धर्म के संस्कार देने पर जोर दिया। समय प्रबन्धन के बारे में बताया। जीवन में ऐसा होने व्यक्ति बहुत काम कर सकता है। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के मंत्री सुशील संचेती, युवक परिषद के वीरेन्द्र घोसल, टीपीएफ के. पंकज संचेती, मोहित बैद, मंत्री लक्ष्मीपत बैद, प्रमुख व्यवसायी इन्द्रचन्द सिंघी, सम्पत मन्जुदुगड, नीता डागा, प्रेमसुख बेगानी सेवाभावी है। हनुमान जिनेन्द्र नयन अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों ने दर्शन सेवा का लाभ लिया। सुबह प्रार्थना के बाद विहार शुरू हुआ।

आर्य कन्या विद्यालय में सम्मान कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आर्य कन्या विद्यालय (हाई स्कूल), सुल्तान बाजार हैदराबाद ने भूतपूर्व छात्र लेप्टिनेंट कामंडर विशाल पाटिल व उनकी पत्नी श्रीमती गीतिका पाटिल व श्रीमती उनकी माताजी करूणा पाटिल को सम्मानित व उनके प्रेरणादायक भाषण हेतु स्कूल में आमंत्रित किया। विशाल पाटिल आर्य कन्या विद्यालय से 10वीं टॉपर रहकर पास किया। उसके पश्चात वे आईआईटी लखनऊ और खडगपुर से सफलता पूर्वक स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके पश्चात कन्या विद्यालय गर्व महसूस करती है। लेप्टिनेंट कमांडर विशाल पाटिल ने उनके स्कूल के जीवन व अध्यापकों के मार्गदर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाले भविष्य को ध्यान में रखते हुए बच्चों को सुझाव, उथक परिश्रम एवं पुरुषार्थी से जीवन में हर तरह की सफलता प्राप्त कर सकते है। विद्यार्थियों का उत्साह बडाया। इस अवसर पर आर्यकन्य विद्यालय के मंत्री सोभनाथ, कोषाध्यक्ष प्रदीप जजू, सदस्य भक्तराम, प्रधानाध्यपिका श्रीमती उमा दुबे व स्कूल के सभी अध्यापक व कर्मचारी उपस्थित थे। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

नाप-तोल विभाग अधिकारी से की शिकायत

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद एवं बोईनपल्ली व्यापारी संघ के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष ए. गौतम जैन के नेतृत्व में नापतोल विभाग के अधिकारी शिवानन्दम से मुशीराबाद स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। उन्होंने अधिकारी को आये दिन नाप-तोल विभाग द्वारा सिकंदराबाद मोडामार्केट और बोईनपल्ली मार्केट याड में व्यापारियों को तंग किया जा रहा है एवं केस बुक हो रहे हैं। गौतम जैन ने कहा आज अनलाइन बिजनेस ने व्यापारियों की कमर तोड दी है एवं व्यापारियों का बिजनेस चौपट हो गया है, जिसमें आये दिन छोटी-मोटी दूकाने जो व्यापार के द्वारा अपना पारिवार चलाते थे, आज तेजी से बन्द हो रही हैं। इस पर सरकार को ध्यान देकर कुछ ठोस निर्णय लेना चाहिये। इस प्रतिनिधिमंडल में संयुक्त सचिव हरिकिशन बंग, अनन्द बंग, मधुबाबू आदि उपस्थित थे।

तिरयानी में बाघ की हरकत का फर्जी संदेश वायरल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक व्हाट्सएप संदेश, जिसमें तिरयानी मंडल में एक बाघ के आंदोलन का दावा किया गया था और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, बाद में नकली पाया गया। संदेश में कहा गया है कि तिरयानी मंडल के कोयाथेंडी गांव में एक नाले पर एक बाघ देखा गया जिससे खेत मजदूरों में दहशत फैल गई। स्थानीय खेत मजदूरों को कपास की गेंदों का संग्रह रोकने के लिए मजबूर किया गया और बाघ को देखकर घर लौट आए। उन्होंने वन अधिकारियों को सूचित किया, जो मौके पर पहुंचे और बाघ की तलाश शुरू की। संपर्क करने पर प्रभारी जिला वन अधिकारी ने दावे का खंडन किया और स्पष्ट किया कि तिरयानी मंडल में कोई बाघ नहीं घूम रहा था.

हिंदी महाविद्यालय में दूसरे दिन के कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी महाविद्यालय में आयोजित त्रि दिवसीय प्रवेश एवं अभिविन्यास कार्यक्रम के दूसरे दिन के कार्यक्रम के कार्यक्रम आज सम्पन्न हुए। हिंदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने आज बताया कि तीन सत्रों में सम्पन्न इन कार्यक्रमों के प्रथम सत्र में श्री संपत कुमार जी, एसिटेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, ट्रैफिक, उस्मानिया यूनिवर्सिटी डिवीजन मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित हुए। इस सत्र में डी नागराज, ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और लाइसेंस विधान, ट्रैफिक नियमों पर विस्तार से जानकारी दी। संपत कुमार जी, ए सी पी, ट्रैफिक ने रोड सेफ्टी, रोड दुर्घटनाओं और उनसे बचने हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि जन साधारण में चालान व्यवस्था के कारण रोष की भावना स्वाभाविक है लेकिन उनको समझना चाहिए कि हम जन साधारण की सुरक्षा के लिए ही नियमों के आधार पर कार्य करते हैं और सभी को ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए। हिंदी महाविद्यालय की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। इस सत्र में प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने अतिथियों का परिचय दिया और उपप्राचार्या ड. श्रीदेवी ने स्वागत भाषण दिया। हिंदी महाविद्यालय अंग्रेजी विभाग की अध्यक्षा श्रीमती शारदा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में रवि कुमार जी, इस्पेक्टर ऑफ पुलिस, नल्लाकुंटा मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित हुए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिसंबर के अंत तक 2बीएचके का काम पूरा करने का निर्देश दिया

निजामाबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने अधिकारियों को डबल बेडरूम मकानों का निर्माण कार्य दिसंबर के अंत तक पूरा करने का निर्देश दिया है। कलेक्टर, जिन्होंने शुक्रवार को इंदलवाई में बने डबल बेडरूम हाउस का निरीक्षण किया, ने कहा कि सरकार 15 जनवरी, 2023 तक लाभार्थियों को डबल बेडरूम हाउस सौंपने की योजना बना रही है, इसलिए अधिकारियों को सभी कार्यों को दिसंबर अंत तक पूरा करने के उपाय करने चाहिए। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि करीब 48 घर बनकर तैयार हो गए हैं और बाकी को साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को सड़क, पेयजल, बिजली आवास और जल निकासी से जुड़े कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा करने को कहा। नारायण रेड्डी ने कहा कि लाभार्थियों का चयन नियमानुसार किया जाना चाहिए और सरकार द्वारा निर्दिष्ट समय के भीतर उन्हें डबल बेडरूम हाउस आवंटित किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि यदि लाभार्थियों की संख्या उपलब्ध मकानों से अधिक है तो लाभार्थियों का चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा और शेष को अगले चरण में पात्र लाभार्थी माना जाएगा। कलेक्टर के साथ डीसीओ सिंहाचलम, विभिन्न विभागों के अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी थे।

गोशामहल विधायक टी.राजासिंह से मुलकात कर उनका सम्मान करते हुए जाट समाज ट्रस्ट अध्यक्ष दूदाराम बाबल, पानीपत इंडियन नेशनल लोकदल अध्यक्ष डॉ. नवीन नैण, प्रवीण नैण, तेलंगाना वैष्णव नवयुवक मंडल महासचिव संतोष टीलावत, जगदीश, प्रभाकर, विनोद व देवेन्द्रनगर के प्रवासी बन्धु।

एससीआर जीएम ने किया सिकंदराबाद मंडल का वार्षिक निरीक्षण

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने शुक्रवार को सिकंदराबाद मंडल का निरीक्षण किया। काजीपेट जम्मीकुंटा-पेद्दापल्ली-रामगुंडम-मंचिरयाल-बेलमपल्ली-सिरपुर कागजनगर-मानिकगढ़ खंड पर निरीक्षण किया गया। महाप्रबंधक ने काजीपेट रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण शुरू किया, जिसमें उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और नए पुनर्निर्मित आरक्षित लाउंज सहित स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने काजीपेट में टीटीई लॉबी, रिफ्रेशमेंट रूम और बेस किचन, सोलर पावर प्लांट और पुनर्निर्मित क्रू लॉबी का उद्घाटन किया। दयाकर पसुनूरी, संसद सदस्य, वारंगल और नन्नापनेनी नरेंद्र, विधान सभा सदस्य, वारंगल ने काजीपेट में महाप्रबंधक से मुलाकात की और उनके निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की। महाप्रबंधक ने उप्पल-जमीकुंटा खंड में समपार फाटक का उद्घाटन एवं निरीक्षण किया. इसके अलावा, उन्होंने जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और स्टाफ क्वार्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर एक सौर ऊर्जा संयंत्र (20 किलोवाट) का भी उद्घाटन किया। विधान परिषद सदस्य कौशिक रेड्डी ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर विकास योजनाओं पर चर्चा की। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने जम्मीकुंटा-बिसुगीर शरीफ खंड में नए रोड अंडर ब्रिज का निरीक्षण किया. उन्होंने कोलनूर-पेद्दापल्ली खंड में एक छोटे से पुल का भी निरीक्षण किया। पेद्दापल्ली के विधान सभा सदस्य मनोहर रेड्डी ने महाप्रबंधक से मुलाकात की और पेद्दापल्ली रेलवे स्टेशन पर आगे की विकास योजनाओं पर चर्चा की।

बाद में अरुण कुमार जैन ने रामागुंडम रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और रनिंग रूम और सर्कुलेटिंग एरिया सहित स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला रनिंग स्टाफ के लिए ब्लॉक का भी उद्घाटन किया, स्टेशन पर जिम और चिल्ड्रन पार्क खोला और नए आवधिक ओवरहालिंग रेक को झंडी दिखाकर रवाना किया।

बाद में, महाप्रबंधक ने रामागुंडम में नियमित ओवरहालिंग शेड का दौरा किया, जहां उन्होंने एक नए सम्मेलन हॉल का उद्घाटन किया और वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने रिमोट वीडियो लिंक के माध्यम से मेटपल्ली और सुल्तानाबाद में इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वेट ब्रिज का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने पेड्डमपेट-मंचिरयाल खंड में एक बड़े पुल की जांच की। उन्होंने मंचिरयाल रेलवे स्टेशन का दौरा किया और स्टेशन परिसर, सर्कुलेटिंग एरिया और गुड्स शेड का विस्तृत निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने पटरियों की सुरक्षा की जांच की और स्टेशन पर सुरक्षा कर्मचारियों से बातचीत की. उन्होंने मंचिरयाल में एनर्जी न्यूट्रल ट्रैक मेंटेनेंस टूल कम रेस्ट रूम और हमाली के शेड का भी उद्घाटन किया। बाद में उन्होंने मंचिरयाल से बेलमपल्ली तक स्पीड टेस्ट किया। अरुण कुमार जैन बेलमपल्ली रेलवे स्टेशन पर आगे बढ़े, जहां उन्होंने स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया जिसमें क्रू लॉबी, रनिंग रूम, कैरिज और वैगन डिपो और स्टेशन पर नवाचारों और अच्छे काम के लिए स्थापित स्टॉल शामिल थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

गहलोत के बयान...

दरअसल, गहलोत ने दो दिन पहले एक इंटरव्यू में कहा कि सचिन पायलट गद्दार हैं। उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर बगावत करने की कोशिश की। दस-दस करोड़ रुपये विधायकों को दिए गए, इसकी पुष्टि कर सकता हूं। दस विधायक उनके साथ नहीं हैं, उन्हें सीएम के तौर पर कोई स्वीकार नहीं करेगा। देर शाम को पायलट की भी सधी हुई प्रतिक्रिया आई। उन्होंने पलटवार किया कि गहलोत एक वरिष्ठ नेता हैं और उनसे ऐसे बयान की उम्मीद नहीं थी।

वह मुझे गद्दार, नाकारा और निकम्मा कहते हैं, लेकिन मेरी परवरिश ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने की नहीं है। इस समय हमें कांग्रेस को मजबूत करना है। राहुल गांधी का हाथ मजबूत करना है।

अमिताभ के नाम, ...

दरअसल, कई छोटी-बड़ी कंपनियां बिना परमिशन के अमिताभ की फोटो, आवाज और नाम का इस्तेमाल करती हैं। कई विज्ञापनों में उनकी इजाजत के बिना चेहरा दिखाया जाता है। इसी बात को लेकर अमिताभ के वकील हरीश साल्वे ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी। इसमें अपील की गई थी कि कॉमर्शियल इंडस्ट्री में इस पर रोक लगानी चाहिए।

इस केस की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस नवीन चावला की अदालत में हुई। जस्टिस चावला ने इलेक्ट्रानिक एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री और टेलिकॉम सर्विसेस से कहा कि वे फौरन बिग-बी के नाम, फोटो और आवाज से जुड़े कंटेट को हटा दें। इसके अलावा, कोर्ट ने इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स से उन ऑनलाइन लिंक्स को भी हटाने के लिए कहा है जो बिग-बी की पर्सनैलिटी राइट्स के तहत आते हैं।

दीदी ने सुवेंदु को

हालांकि, इस मुलाकात का विस्तृत विवरण अभी नहीं मिला है। बंगाल के जुझारू भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी की सीएम ममता बनर्जी व उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस से लंबे समय से तकरार चल रही है।

यह किसी से छिपी भी नहीं है। भाजपा व तृणमूल के बीच सियासी व जमीनी घमासान भी आए दिन सामने आता है। लेकिन, हाल ही में केंद्र सरकार ने पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. सीवी आनंद बोस को नया राज्यपाल बनाया है। राज्यपाल आनंद ने माहौल बदलने की बात कही है। देखना होगा कि सियासी कटुता कैसे व कब पूरी तरह सार्थक पक्ष व विपक्ष के रिश्तों का रूप लेगी।

न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में भारत को सात विकेट से रौंदा

तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

ऑकलैंड, 25 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में कीवी टीम ने भारत को सात विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 307 रन का लक्ष्य रखा। इसके जवाब में कीवी टीम ने केन विलियम्सन और टॉम लाथम के बीच 221 रन की साझेदारी के चलते सात विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

न्यूजीलैंड ने भारत को सात विकेट से हराकर तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के सामने 307 रन का लक्ष्य रखा था। इसके जवाब में कीवी टीम ने 47.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 309 रन बनाए और आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड के लिए केन विलियम्सन और टॉम लाथम ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों ने 221 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रेयस अय्यर, शिखर धवन और शुभमन गिल के अर्धशतक के चलते सात विकेट खोकर 306 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के लिए टिम साउदी और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए थे।

भारत के लिए सबसे ज्यादा दो विकेट उमरान मलिक ने लिए। हालांकि, इस मैच में सभी भारतीय गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। सुंदर ने जरूर कंजूसी से रन दिए, लेकिन वह कोई विकेट नहीं ले पाए। टॉम लाथम और केन विलियम्सन के बीच 200 रन की साझेदारी हो चुकी है। इस जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी कर मैच को एकतरफा कर दिया है। टॉम लाथम वनडे में न्यूजीलैंड के लिए भारत के खिलाफ सबसे बड़ी पारी खेल रहे हैं। कीवी टीम जीत के करीब है।

न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 280 रन के पार जा चुका है। टॉम लाथम और केन विलियम्सन क्रीज पर जमे हुए हैं। दोनों बल्लेबाज आसानी से रन बना रहे हैं और मैच को एकतरफा कर चुके हैं। 45 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 282 रन है।

तीन विकेट के नुकसान पर न्यूजीलैंड का स्कोर 250 रन के पार जा चुका है और अब कीवी टीम के लिए जीत हासिल करना बहुत आसान होगा। विलियम्सन और लाथम ने 170 रन से ज्यादा की साझेदारी कर मैच में एकतरफा कर दिया है। 43 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 265 रन है।

न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम लाथम ने वनडे करियर का सातवां शतक जड़ा। उन्होंने 76 गेंदों पर शतक पूरा किया। लाथम ने शार्दुल ठाकुर के 40वें ओवर में चार चौके और एक छक्का जड़ा। शार्दुल के इस ओवर में 25 रन आए। 40 ओवर के बाद न्यूजीलैंड ने तीन विकेट गंवाकर 241 रन बना लिए हैं। फिलहाल टीम को 60 गेंदों में 66 रन की जरूरत है। लाथम 76 गेंदों पर 100 रन और कप्तान केन विलियम्सन 82 गेंदों में 73 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच 150+ रन की साझेदारी हो चुकी है।

केन विलियम्सन और टाम लाथम की शानदार बल्लेबाजी के चलते न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 200 रन के पार जा चुका है। दोनों बल्लेबाज बेहतरीन लय में खेल रहे हैं और अब आसानी से रन बटोर रहे हैं। भारतीय गेंदबाज अपने सारे पैंतरे आजमा चुके हैं, लेकिन इस जोड़ी को नहीं तोड़ पाए हैं। 37 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 200 रन है।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन और टॉम लाथम के बीच शतकीय साझेदारी हो चुकी है। दोनों बल्लेबाज बेहतरीन लय में दिख रहे हैं। दोनों ही बल्लेबाजों ने अपने अर्धशतक पूरे कर लिए हैं। 36 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 191 रन है। इस जोड़ी ने मैच में कीवी टीम की शानदार वापसी कराई है और अब मैच रोमांचक हो चुका है।

केन विलियम्सन के बाद टॉम लाथम ने भी अपना अर्धशतक पूरा कर लिया है। उन्होंने 51 गेंद में अपने 50 रन पूरे किए। इन दोनों के बीच अब तक 92 रन की साझेदारी हो चुकी है। अब न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य की तरफ बढ़ रही है। 34 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 180 रन है।

तीन विकेट के नुकसान पर न्यूजीलैंड का स्कोर 150 रन के पार जा चुका है। केन विलियम्सन और टॉम लाथम बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे हैं और कीवी टीम को लक्ष्य के करीब ले जा रहे हैं। दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हो चुकी है। 32 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 163 रन है।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन का अर्धशतक पूरा हो चुका है। उन्होंने 54 गेंद में अपने 50 रन पूरे किए। इस मैच में वह अब तक बेहतरीन लय में दिखे हैं और अपनी टीम को मुश्किल स्थिति से निकालकर मैच में लाए हैं।

29 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 143 रन है।

केन विलियम्सन और टॉम लाथम ने न्यूजीलैंड की पारी संभाली है। दोनों के बीच अच्छी साझेदारी हो रही है और कीवी टीम का स्कोर तीन विकेट पर 130 रन के पार जा चुका है। कीवी कप्तान केन विलियम्सन अपने अर्धशतक के करीब पहुंच चुके हैं। 28 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 134 रन है।

न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 100 रन के पार जा चुका है। कीवी कप्तान केन विलियम्सन और टॉम लाथम क्रीज पर हैं। 23 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 106 रन है। अपने पहले वनडे मैच में ही उमरान मलिक ने शानदार गेंदबाजी की है। वह अब तक दो विकेट ले चुके हैं। उन्होंने डेरिल मिशेल को दीपक हुड्डा के हाथों कैच कराकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। मिशेल ने 16 गेंद में 11 रन बनाए। अब केन विलियम्सन और टॉम लाथम क्रीज पर हैं। 21 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 93 रन है।

स्विट्जरलैंड ने कैमरून को हराया

ब्रील एम्बोलो ने जड़ा इकलौता गोल पर सेलिब्रेट नहीं किया, जानिए कारण

खेल डेस्क, 25 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप में गुरुवार को स्विट्जरलैंड ने कैमरून को 1-0 से हराया। स्विट्जरलैंड की ओर से ब्रील एम्बोलो ने हाफ टाइम के ठीक बाद 48वें मिनट में गोल दागा। हालांकि, उन्होंने गोल सेलिब्रेट नहीं किया। दरअसल, ब्रील का जन्म कैमरून में ही हुआ था, लेकिन वे अब स्विट्जरलैंड से खेलते हैं।

इस मैच के बाद अब ग्रुप G में स्विट्जरलैंड 3 पॉइंट्स के साथ टॉप पर आ गया है। ग्रुप का अगला मुकाबला आज देर रात ब्राजील और सर्बिया के बीच खेला जाएगा।

एम्बोलो ब्रील जब पांच साल के थे, तब उनके पैरेंट्स अलग हो गए थे। ब्रील मां के साथ फ्रांस चले गए और अगले साल स्विट्जरलैंड चले गए। इससे उन्हें स्विट्जरलैंड की नागरिकता मिल गई और उन्होंने वहां से ही स्विट्जरलैंड नेशनल फुटबॉल टीम में जगह बनाई।

पहले हाफ में स्कोर 0-0 था। पहले हाफ के ठीक बाद 48 वें मिनट में स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी ब्रील एम्बोलो ने गोल किया। बॉक्स के अंदर उन्हें पास मिला जिसका फायदा उठाते हुए उन्होंने गोलकीपर को छकाते हुए गोल स्कोर किया। स्विट्जरलैंड ने गोल पर 6 शॉट मारे जिसमें से एक नेट के अंदर गया।

कैमरून ने चांस बनाए पर गोल करने में नाकाम

कैमरून ने गेम के दौरान स्विट्जरलैंड से ज्यादा चांस बनाए। जहां स्विट्जरलैंड ने गोल की तरफ 6 शॉट मारे, वहीं कैमरून ने 8 शॉट मारे। इसके बावजूद कैमरून अच्छी फिनिशिंग नहीं कर पाया और मैच जीतने में नाकाम रहा।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के मालिक ने तोड़ी चुप्पी

क्लब को बेचने और रोनाल्डो पर सवाल का दिया जवाब

लंदन, 25 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के मैनचेस्टर यूनाईटेड से बाहर जाने के बाद यह क्लब लगातार चर्चा में है। इसके साथ ही इस क्लब को बेचने का फैसला करने के बाद ग्लेजर फैमिली भी खबरों में बनी हुई है।

मैनचेस्टर यूनाईटेड के मालिक अवराम ग्लेजर ने अपने क्लब को बेचने और रोनाल्डो से जुड़े सवाल पर चुप्पी तोड़ी है। हालांकि, उन्होंने अभी भी कुछ साफ नहीं किया है कि वह मैनचेस्टर यूनाईटेड को बेच रहे हैं या नहीं। उनका कहना है कि वह सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने रोनाल्डो को महान खिलाड़ी कहा। ग्लेजर ने भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं।

मंगलवार को मैनचेस्टर यूनाईटेड के मालिकों ने एलान किया था कि इस क्लब को 17 साल तक अपने पास रखने के बाद वह इसे बेचने के लिए तैयार हैं और खरीदारों की तलाश की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स में अवराम और जोएल के हवाले से कहा गया कि वे सभी विकल्पों पर विचार करेंगे। इसके बाद वही फैसला लेंगे, जो फैंस और क्लब के हित में होगा।

इस मामले पर अवराम ने कहा ₹हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी विकल्पों का मूल्यांकन करेंगे कि हम अपने प्रशंसकों की सर्वोत्तम सेवा करें और मैनचेस्टर यूनाइटेड आज और भविष्य में क्लब के लिए उपलब्ध महत्वपूर्ण विकास अवसरों को अधिकतम करे। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान हम अपने प्रशंसकों, शेयरधारकों और विभिन्न हितधारकों के सर्वोत्तम हितों की सेवा पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करेंगे।₹

अवराम ने बताया कि बोर्ड एक प्रक्रिया से गुजरा है और वे विभिन्न रणनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। अवराम ग्लेजर ने कहा, ₹बोर्ड एक प्रक्रिया से गुजरा और विभिन्न रणनीतिक विकल्पों को देखने का फैसला किया गया और यही हम कर रहे हैं।₹

यह पूछे जाने पर कि क्या यूनाइटेड को बेचने का यह सही समय है, ग्लेजर ने फिर से पुष्टि की कि क्लब सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है और वे देखेंगे कि क्या नतीजा निकलता है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लेकर अवराम ग्लेजर ने कहा, ₹मैं क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बारे में बताने जा रहा हूं। वह मैनचेस्टर यूनाइटेड के एक महान खिलाड़ी हैं। मैं क्लब के लिए उनके हर काम की सराहना करता हूं और भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

जातिवादी बीसीसीआई ?: संजू सैमसन और सूर्या को बांग्लादेश वनडे से बाहर रखने पर विवाद, एक जाति को प्रमोट का आरोप

खेल डेस्क, 25 नवंबर (एजेंसियां)। क्या भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई जाति देखकर टीम इंडिया में खिलाड़ियों का सिलेक्शन करता है? अगले महीने बांग्लादेश दौरे को लेकर चुनी गई टीम को लेकर इस तरह के आरोप बोर्ड पर लगने लगे हैं। शानदार फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार यादव और प्रतिभाशाली विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को बांग्लादेश में होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया है। तब से सोशल मीडिया पर कास्टिस्ट बीसीसीआई यानी जातिवादी बीसीसीआई ट्रेंड कर रहा है।

40 हजार लोगों ने बीसीसीआई पर पोस्ट डाला

बांग्लादेश दौरे के लिए टीम इंडिया से सूर्या और सैमसन को बाहर रखे जाने की खबर आते ही ट्विटर पर फैंस ने बीसीसीआई को निशाना बनाना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में बीसीसीआई ट्रेंडिंग हैशटैग बन गया और समाचार लिखे जाने तक करीब 40 हजार लोग इस हैशटैग पर पोस्ट लिख चुके थे।

लगातार फ्लॉप होने पर पंत को क्यों मिल रहा मौका

ज्यादातर पोस्ट में ऋषभ पंत को लगातार फेल होने के बावजूद टीम इंडिया में मौका दिए जाने का विरोध हो रहा है। पंत व्हाइट बॉल क्रिकेट में अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने अब तक 27 वनडे मैचों में 36.52 की औसत से 840 रन बनाए हैं। टी-20 इंटरनेशनल में उनका प्रदर्शन और भी कमजोर है। इस फॉर्मेट में उन्होंने 66 मैचों में 22 की औसत से 987 रन बनाए हैं।

विरोध करने वालों का मानना है कि केरल के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का दावा पंत की तुलना में ज्यादा मजबूत है। सैमसन ने अब तक 10 वनडे मैचों में 73.50 की औसत से 294 रन बनाए हैं। टी-20 इंटनेशनल में सैमसन का रिकॉर्ड भी पंत की तरह कमजोर रहा है। उन्होंने 16 टी-20 में 21 की औसत से 296 रन बनाए हैं। हालांकि, सैमसन को कभी निरंतर रूप से भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला है।

इन-फॉर्म सूर्या को रेस्ट देने पर भी नाराजगी

बीसीसीआई का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को बांग्लादेश दौरे से आराम दिया गया है। सूर्या जुलाई से लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं और वर्ल्ड कप के बाद वे न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेले थे। कुछ अधिकारियों ने कहा कि वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत सूर्या को आराम दिया गया है। हालांकि, यह फैसला सूर्या के फैंस को रास नहीं आ रहा है। उनका कहना है कि सूर्या को वैसे ही काफी देरी से भारत के लिए खेलने का मौका मिला है। ऐसे में जब वे अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं तो उनको ज्यादा से ज्यादा मैच देना चाहिए।

एक जाति को सपोर्ट करने का आरोप

जातिवादी बीसीसीआई हैशटैग से जितने पोस्ट लिखे गए उनमें से कई में बोर्ड पर एक जाति (ब्राह्मण) को ज्यादा तरजीह देने के आरोप भी लगे हैं। वरिष्ठ पत्रकार दिलीप मंडल ने अपने पोस्ट में लिखा कि भारत के 11 खिलाड़ियों में 7 ब्राह्मण होते हैं। मौजूदा समय में टीम के कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ भी ब्राह्मण हैं।

मंडल ने भारतीय क्रिकेट में पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव का आरोप भी लगाया है। इसके समर्थन में उन्होंने एक पोस्ट भी शेयर किया है जिसके मुताबिक भारत के लिए अब तक टेस्ट खेल चुके 302 क्रिकेटर्स में सिर्फ 5% मुसलमान शामिल रहे हैं।

वहीं, शेड्यूल्ड कास्ट की जातियों को महज 8% प्रतिनिधित्व मिला है। भारत की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी करीब 15% और शेड्यूल्ड कास्ट जातियों की हिस्सेदारी 25% है।

5 बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील की विजयी शुरुआत

सर्बिया को ग्रुप मैच में हराया ; रिचार्लिसन ने दागा 'एक्रोबैटिक गोल'

लुसैल, 25 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में शुक्रवार देर रात हुए मैच में ब्राजील ने सर्बिया को 2-0 से हरा दिया। लुसैल स्टेडियम में 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के लिए दोनों गोल रिचार्लिसन ने किए।

62वें मिनट में ब्राजील के नेमार और विनिसियस जूनियर के मौके मिस करने के बाद रिचार्लिसन ने मैच का पहला गोल दागा। फिर 73वें मिनट में विनिसियस के ही क्रॉस पर रिचार्लिसन ने एक्रोबैटिक गोल किया।

इस जीत के साथ ब्राजील अपने ग्रुप में टॉप पर पहुंच चुका है। गुरुवार शाम को ग्रुप जी के पहले मैच में स्विट्जरलैंड ने कैमरून को 1-0 से हराया था। इससे वह ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। कैमरून तीसरे और सर्बिया चौथे स्थान पर है।

दोनों ही टीमों के पास एक भी पॉइंट नहीं है। फर्स्ट हाफ में स्कोर लाइन 0-0 रहने के बाद सेकेंड हाफ में मैच का पहला गोल आया। ब्राजील के फॉरवर्ड नेमार जूनियर बॉल को सर्बिया के गोल पोस्ट के पास ले गए। उनके गोल चांस मिस करने के बाद लेफ्ट फॉरवर्ड विनिसयस जूनियर ने शॉट मारा। बॉल गोलकीपर से लग कर रिचार्लिसन के पास गई। यहां रिचार्लिसन ने कोई गलती नहीं की और बॉल को सीधा गोल पोस्ट में डाल कर मैच का पहला गोल अपने नाम किया।

62वें मिनट में बढ़त बनाने के बाद भी ब्राजील ने अटैक करना नहीं छोड़ा। उन्होंने लगातार बॉल पर पॉजीशन रखते हुए सर्बिया पर दबाव बनाया। 73वें मिनट में विनिसियस बॉल लेकर सर्बिया के गोल पोस्ट की ओर दौड़े। उन्हें 2 डिफेंडर्स ने घेर रखा था। विनिसियस ने मौका देखा और गोल के ठीक सामने खड़े रिचार्लिसन को क्रॉस दिया। रिचार्लिसन ने बॉल पर बेहतरीन कंट्रोल दिखाते हुए एक्रोबैटिक गोल दाग दिया।

रिचार्लिसन पूरे मैच के दौरान बेहतरीन फॉर्म में दिखे। वहीं, विनिसियस जूनियर, नेमार और राफिन्हा ने भी शानदार खेल दिखाया। उनके खेल की बदौलत ब्राजील ने पूरे मैच में 22 शॉट लिए, इनमें से 8 शॉट टारगेट पर थे। वहीं, सर्बिया मैच में 5 ही शॉट ले सका, लेकिन ब्राजील के डिफेंस के सामने एक भी शॉट टारगेट पर नहीं गया। ब्राजील ने मैच में 582 पास और सर्बिया ने 406 पास किए। ब्राजील के पास मैच के 59% समय बॉल रही और उन्हें 6 कॉर्नर मिले। सर्बिया के पास 41% समय बॉल रही और उन्हें 4 कॉर्नर मिले। लेकिन, वे एक भी कॉर्नर पर गोल स्कोर नहीं कर सके। सर्बिया को 3 यलो कार्ड मिले, वहीं ब्राजील को एक भी नहीं।

फर्स्ट हाफ में ब्राजील की टीम पूरी तरह से हावी रही। उन्होंने हाफ टाइम में ज्यादातर समय बॉल अपने पास रखी। लेकिन, सर्बिया के डिफेंस के सामने वे गोल स्कोर नहीं कर पा रहे थे। इस दौरान सर्बिया के बॉल पोजीशन बहुत कम समय के रही। ऐसे में उन्हें भी गोल करने का चांस नहीं मिला।

मां-बाप ने बदला देश, अब भाइयों ने 2 अलग-अलग टीमों के लिए किया वर्ल्ड कप डेब्यू

खेल डेस्क, 25 नवंबर (एजेंसियां)। ये दोनों भाई स्पेन के दिग्गज क्लब एथलेटिक बिलवायो के लिए साथ खेलते हैं और क्लब का अहम हिस्सा हैं लेकिन इंटरनेशनल स्तर पर दोनों की टीमें बदल जाती हैं. इस समय कतर में फीफा विश्व कप का आयोजन किया जा रहा है. इस विश्व कप में एक भाई अपने ही भाई के खिलाफ खेलने के लिए बेसब्र है. आमतौर पर इंटरनेशनल स्तर पर ऐसा देखा नहीं जाता कि दो भाई एक दूसरे के खिलाफ अलग-अलग टीम से उतरें, लेकिन इस विश्व कप में ऐसा हो रहा है. विलियम्स बंधु इस विश्व कप में एक दूसरे के सामने हैं.

ये कहानी है इनाकी विलियम्स और निको विलियम्स की. इनाकी विलियम्स बड़े भाई हैं और वह घाना से खेल रहे हैं. वहीं निको विलियम्स स्पेन के लिए खेल रहे हैं. ये दोनों अलग-अलग टीमों से अपना विश्व कप डेब्यू कर रहे हैं.

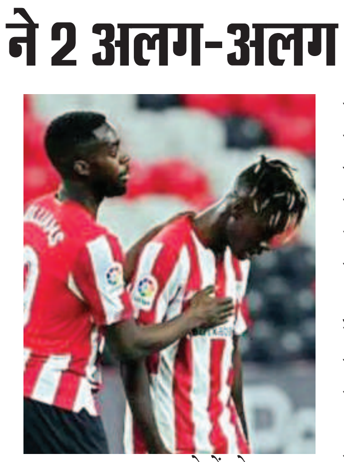

दरअसल, इन दोनों के माता-पिता घाना के ही हैं. इनके पिता घाना और मां लाइबेरिया की हैं. ये दोनों घाना की राजधानी एकरा से स्पेन के शहर मेल्ला आ गए थे. इनके पिता का नाम फेल्किस विलियम्स और मां का नाम मारिया आर्थर है. इन दोनों ने सहारा रेगिस्तान को 50 डिग्री सेल्सियस की गर्मी में पार करते हुए स्पेन का सफर तय किया था.

उस समय मारिया गर्भवती थीं. वह अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली थीं लेकिन उन्हें इसके बारे में पता नहीं था. समाचार एजेंसी एएफपी से बातचीत में मारिया ने कहा, ₹अगर मुझे पता होता तो मैं रुक जाती.₹ इन दोनों ने ट्रक देश बदलने के लिए ट्रक में सफर किया और जब स्पेन पहुंचे तो पुलिस ने इन्हें हिरासत में लिया था. बाद में जब फेलिक्स और मारिया ने बताया कि वह उस देश से आ रहे हैं जहां लड़ाई हो रही है तो पुलिस ने इन्हें जाने दिया.

रोनाल्डो की टीम ने जीता रोमांचक मुकाबला

फर्स्ट हाफ में 0-0 रही स्कोर लाइन, सेकेंड हाफ में दोनों टीमों ने दागे 5 गोल

दोहा, 25 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में गुरुवार को रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल ने घाना को 3-2 से हरा दिया। करीबी मुकाबले में रोनाल्डो ने मैच का पहला गोल पेनाल्टी से दागा। पहले हाफ में दोनों ही टीमें कोई गोल स्कोर नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में 5 गोल देखने को मिले। इनमें से 3 पुर्तगाल और 2 घाना ने किए। पुर्तगाल के लिए क्रिस्टियानो रोनाल्डो, जोआओ फेलिक्स और राफेल लिआओ ने गोल किए। वहीं, घाना के लिए आंद्रे अयू और ओस्मान बुखारी ने गोल दागे।

सेकेंड हाफ के 63वें मिनट में पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो बॉल लेकर घाना के गोल पोस्ट की ओर दौड़े। तभी घाना के डिफेंडर आंद्रे अयू ने रोनाल्डो को पुश किया। अयू के पुश से रोनाल्डो पेनाल्टी बॉक्स के अंदर गिर गए। घाना ने पेनाल्टी को चैलेंज किया। लेकिन, रेफरी ने पुर्तगाल के हक में फैसला देकर उन्हें पेनाल्टी अवॉर्ड की। 65वें मिनट में मिली पेनाल्टी को रोनाल्डो ने राइट फुट से किक किया। बॉल घाना के गोलकीपर के ऊपर से राइट कॉर्नर में जा लगी। इस तरह पुर्तगाल और मैच का पहला गोल आया। इसके साथ ही रोनाल्डो ने लगातार 5 वर्ल्ड कप में गोल दागने का रिकॉर्ड बनाया। वह ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने। ॉघाना के कप्तान आंद्रे अयू ने घाना के लिए पहला गोल किया। उन्होंने 73वें मिनट में गोल दागा। पुर्तगाल के डिफेंस को भेदते हुए घाना के कुदुस आगे की ओर दौड़े और अयू को क्रॉस दिया। इसका फायदा उठाते हुए अयू ने गोलकीपर को छकाते हुए गोल कर दिया।

रोनाल्डो के गोल के बाद घाना के कप्तान आंद्रे अयू ने 73वें मिनट में गोल किया। स्कोर लाइन 1-1 होने के बाद अयू सब्स्टीट्यूट हो कर बाहर चले गए। अयू बाहर जा कर गोल सेलिब्रेट कर ही रहे थे कि पुर्तगाल के जोआओ फेलिक्स ने 78वें मिनट में साथी खिलाड़ी के क्रॉस पर दूसरा गोल दाग दिया।

78वें मिनट में स्कोर लाइन 2-1 होने के बाद भी पुर्तगाल की टीम हावी होने लगी। उन्होंने लगातार अटैक किया और 80वें मिनट में 15 नंबर की जर्सी पहने पुर्तगाल के राफेल लीआओ ने तीसरा गोल दाग दिया। उनके गोल के बाद स्कोर लाइन 3-1 हो गया। पुर्तगाल ने मैच के आखिरी 10 मिनट में डिफेंड करने की स्ट्रैटजी अपनाई। उन्होंने रोनाल्डो समेत अपने तीनों फॉरवर्ड प्लेयर्स को सब्स्टीट्यूट कर बाहर भेज दिया। स्कोर लाइन पुर्तगाल के फेवर में 3-1 होने के बाद घाना ने अटैक किया। अटैक की बदौलत ओस्मान बुखारी ने घाना के लिए दूसरा गोल दाग दिया। 89वें मिनट गोल की तरफ क्रॉस आया और उन्होंने शानदार हेडर मारते हुए बॉल को नेट में डाल दिया।

बुखारी के गोल के बाद स्कोर लाइन 3-2 हो गई। 90 मिनट पूरे होने के बाद 9 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिला। लेकिन, दोनों ही टीमें इस टाइम में गोल नहीं दाग सकीं।

फर्स्ट हाफ में पुर्तगाल की टीम पूरी तरह से हावी रही। उन्होंने ज्यादातर समय बॉल अपने पास रखी। इस दौरान दो बार रोनाल्डो को गोल करने के चांस मिले। लेकिन, वे घाना के डिफेंस के सामने इसे कन्वर्ट नहीं कर सके।

तेलंगाना में कृषि उत्पादन में तेजी से वृद्धि : निरंजन रेड्डी

केंद्र सरकार पर लगाया पिछले आठ वर्षों में एक भी सिंचाई परियोजना नहीं बनाने का आरोप

खम्मम, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में कृषि उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी जा रही है, जबकि कांग्रेस और भाजपा शासित राज्यों की स्थिति उलट रही है।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा उठाए गए किसान हितैषी उपायों से कृषि उत्पादन में कई गुना वृद्धि हुई है। 2014 से पहले, तेलंगाना में कृषि उत्पादन केवल 62 लाख मीट्रिक टन था, लेकिन पिछले साल अकेले धान का उत्पादन तीन करोड़ मीट्रिक टन रहा। उन्होंने परिवहन मंत्री पुववाड़ा अजय कुमार के साथ शुक्रवार को जिले के रघुनाथपालेम मंडल के जिन्कलागुडेम में 14.90 करोड़ रुपये की लागत से पांच एकड़ भूमि पर निर्मित 20,000 मीट्रिक टन की कुल क्षमता वाले तीन गोदामों का उद्घाटन किया। निरंजन रेड्डी ने कहा कि देश के किसी भी राज्य में नए गोदामों का निर्माण नहीं किया जा रहा है। तेलंगाना एकमात्र राज्य है जहां कृषि उत्पादन में वृद्धि के कारण नए गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। पंजाब और पश्चिम बंगाल में उत्पादन राज्यों में कमी देखी गई, जबकि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में समान उत्पादन स्तर बनाए रखा गया। तेलंगाना में सबसे अधिक कृषि भूमि का उपयोग किया जा रहा है, जिसमें 1.46 करोड़ एकड़ भूमि खेती के तहत है। यद्यपि संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय देशों और अन्य देशों में कृषि भूमि के बड़े क्षेत्र हैं, कृषि उत्पादन में कमी आई है और वे खाद्य आयात पर निर्भर हैं, जबकि भारत लगभग 40 करोड़ एकड़ कृषि भूमि के साथ खाद्यान्न उत्पादन और निर्यात करने की स्थिति में है। खम्मम किसानों ने यासांगी के मौसम में कपास का उत्पादन किया और आदिलाबाद के किसानों ने सेब का उत्पादन किया, जो इस तथ्य को साबित करता है कि तेलंगाना देश में कृषि उत्पादन और राज्य में सभी प्रकार की फसलों के लिए उपयुक्त भूमि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

निरंजन रेड्डी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में एक भी सिंचाई परियोजना नहीं बनाई है, जबकि तेलंगाना ने सिंचाई परियोजनाओं पर लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने बताया कि यासंगी रायथु बंधु की राशि दिसंबर में जमा कर दी जाएगी और आने वाले दिनों में फसल ऋण माफ करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। अजय कुमार के अनुरोध पर मंत्री ने नवनिर्मित गोदामों के परिसर में आंतरिक सीसी सड़कों के लिए 2.50 करोड़ रुपये मंजूर किए। अपने संबोधन में, अजय कुमार ने निरंजन रेड्डी को किसानों के लाभ के लिए गोदामों के लिए धन देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती खम्मम जिले के किसान फसल विविधीकरण, कृषि प्रेम के लिए जाने जाते थे और गुणवत्तापूर्ण कपास और मिर्च का उत्पादन कर रहे हैं।

राज्य भर के बच्चों के लिए एमआरसीवी वैक्सीन की विशेष खुराक देगा स्वास्थ्य विभाग

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक सलाह के बाद, राज्य का सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग तेलंगाना के संवेदनशील क्षेत्रों में 9 महीने से 5 साल के बच्चों के लिए खसरा और रूबेला युक्त वैक्सीन (एमआरसीवी) की एक विशेष खुराक देने की संभावना है। छह भारतीय राज्यों बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, केरल और महाराष्ट्र में खसरे के एक महत्वपूर्ण प्रकोप के बाद, डब्ल्यूएचओ सहित स्वास्थ्य मंत्रालय के विशेषज्ञों के एक समूह ने भारतीय राज्यों से 9 महीने से 5 साल के बीच के बच्चों को एमआरसीवी की एक विशेष खुराक देने का आग्रह किया है। प्रकोप उन क्षेत्रों में हुआ जो मुख्य रूप से असंबद्ध थे या एमआरसीवी टीकों का कवरेज औसत है। मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य जिलों में भी खसरे के कारण मामलों की संख्या और कुछ मृत्यु दर में तेजी से वृद्धि देखी गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के सलाहकार ने कहा कि ओआरएल मोड में कमजोर क्षेत्रों में 9 महीने से 5 साल के सभी बच्चों को खसरा और रूबेला (एमआरसीवी) के लिए एक अतिरिक्त विशेष खुराक देने पर विचार करें। यह खुराक 9-12 महीने में पहली खुराक के प्राथमिक टीकाकरण कार्यक्रम और 16-24 महीने में दूसरी खुराक के अतिरिक्त होगी। हर साल नवंबर और मार्च के दौरान खसरा बड़ी संख्या में बढ़ने के लिए जाना जाता है। इसलिए, प्रारंभिक मामले की पहचान के लिए एक सक्रिय बुखार और जल्दबाज़ी निगरानी तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि राज्यों को त्वरित तरीके से पूर्ण एमआरसीवी कवरेज की सुविधा के लिए कमजोर प्रकोप वाले क्षेत्रों में 6 महीने से 5 साल तक के सभी बच्चों का हेड काउंट सर्वेक्षण करना चाहिए।

जिला कलेक्टर के नेतृत्व में टीकाकरण पर जिला टास्क फोर्स दैनिक/साप्ताहिक आधार पर खसरे की स्थिति की समीक्षा करेगी और उसके अनुसार प्रतिक्रिया गतिविधियों की योजना बनाएगी।

सुसाइड करने वाले सुनार व पत्नी की मौत, बेटा बचा

वारंगल, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंथेजरगंज थाना क्षेत्र के गिरमाजीपेट स्थित अपने घर में गुरुवार की रात कथित तौर पर पानी के साथ पोटैशियम साइनाइड पीने से एक सुनार और उसकी पत्नी की मौत हो गई। मरने वालों में उप्पुला सतीश उर्फ नवाधन (33) और उसकी पत्नी श्रवणती (28) थे। उनके बेटे विराट (7) ने भी साइनाइड युक्त पानी की एक छोटी मात्रा का सेवन किया जो उन्हें यह दावा करते हुए दिया गया था कि यह 'तुलसी' का पानी था। लेकिन उन्होंने कथित तौर पर खराब स्वाद के कारण इसे थूक दिया। काफी देर तक जब दंपति अपने कमरे से बाहर नहीं आए तो सतीश के माता-पिता को कमरे में सन्नाटा पर शक हुआ और उन्हें दरवाजा खोलने के लिए कहा। इसके बाद विराट अंदर से दरवाजा खोलने के लिए कुंडी हटाने में कामयाब रहे। उन्होंने घटना के बारे में दादा-दादी को भी समझाया जिन्होंने उन्हें तुरंत एमजीएम अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। डॉक्टरों ने दंपति को मृत घोषित कर दिया और विराट का इलाज किया गया। बाद में उसे छुट्टी दे दी गई।

राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार : उत्तम

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद और टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने शुक्रवार को यहां मांग की कि राज्य सरकार राज्य की वित्तीय स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करे।

उत्तम कुमार रेड्डी ने आज एक मीडिया बयान में कहा कि तेलंगाना एक बड़े वित्तीय संकट में है। यह लगभग दिवालिया हो गया है और कल्याणकारी योजनाओं और अन्य खर्चों पर खर्च करने के लिए कोई धन नहीं बचा है। राजस्व का एक बड़ा हिस्सा खराब ऋण और बड़े हितों के लिए किश्तों में खर्च किया जा रहा है। जबकि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव राजनीतिक बयानों के माध्यम से वित्तीय कुप्रबंधन को कवर करने की कोशिश कर रहे हैं, केंद्र की भाजपा सरकार धन जारी न करके और अन्य वित्तीय प्रतिबंध लगाकर तेलंगाना को वित्तीय रूप से कुचलने की कोशिश कर रही है। उत्तम कुमार रेड्डी ने सीएम केसीआर के इस तर्क का उपहास उड़ाया कि अतिरिक्त उधार पर तेलंगाना पर प्रतिबंध वर्तमान वित्तीय संकट के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि राज्य का वित्त शुरू से ही खराब रहा है, क्योंकि टीआरएस सरकार ने तेलंगाना को देश के सबसे अमीर राज्य के रूप में उजागर करने के लिए बढ़े हुए आंकड़ों का इस्तेमाल किया, डेटा में हेरफेर किया और यहां तक कि तथ्यों के साथ छेड़छाड़ की। टीआरएस सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी वार्षिक बजट अवास्तविक थे और विशाल अनुमानों पर आधारित थे न कि वास्तविक राजस्व पर। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने बड़ी ब्याज दरों पर उधार लिए गए ऋण को राज्य के राजस्व के रूप में विकास और प्रति व्यक्ति आय के बढ़े हुए आंकड़े दिखाने का अनुमान लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना, अपने गठन के समय, 60 वर्षों में जमा हुए लगभग 69,000 करोड़ रुपये के कर्ज को विरासत में मिला था, लेकिन पिछले आठ वर्षों में, केसीआर के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण, कुल कर्ज बढ़कर 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इसके अलावा, प्रति व्यक्ति ऋण 2014-15 में 18,157 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 1 लाख रुपये से अधिक हो गया है। नतीजतन, उन्होंने कहा कि आज तेलंगाना सरकार अपने राजस्व का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत ऋण चुकाने और भारी ब्याज के लिए खर्च कर रही है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि टीआरएस सरकार ने मुख्य रूप से वित्तीय कुप्रबंधन के कारण 2014-15 से 100% एक भी कल्याण योजना लागू नहीं की है। उन्होंने कहा कि दलित बंधु योजना हुजूराबाद उपचुनाव के मद्देनजर शुरू की गई थी। कुछ चुनिंदा परिवारों को 10 लाख रुपये की सहायता दी गई और चुनाव समाप्त होने के बाद, इसके कार्यान्वयन को धीमा कर दिया गया।

समलैंगिक विवाह पर याचिका के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व एजी को नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दो जनहित याचिकाओं पर नोटिस जारी किया, जिसमें एक हैदराबाद के समलैंगिक जोड़े द्वारा दायर की गई, जिसमें विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत समान-विवाह को मान्यता देने की मांग की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने निर्देश दिया कि केंद्र सरकार के अलावा भारत के अटॉर्नी जनरल को नोटिस जारी किया जाए, जो चार सप्ताह में वापस करने योग्य हो।

पहली जनहित याचिका सुप्रियो चक्रवर्ती और अभय डांग द्वारा दायर की गई थी, जो लगभग 10 वर्षों से युगल हैं और हाल ही में एक प्रतिबद्धता समारोह हुआ है। दूसरी जनहित याचिका हैदराबाद के पार्थ फिरोज मेहरोत्रा और उदय राज आनंद ने दायर की थी, जो पिछले 17 सालों से एक-दूसरे के साथ रिश्ते में हैं। उन्होंने कहा कि वे वर्तमान में एक साथ दो बच्चों की परवरिश कर रहे हैं, लेकिन चूंकि वे कानूनी रूप से अपनी शादी को नहीं कर सकते हैं, इसके परिणामस्वरूप ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है, जहां माता-पिता और बच्चे दोनों का अपने दोनों बच्चों के साथ कानूनी संबंध नहीं हो सकता है।

तेलंगाना में धान की खरीदी जोरों पर : मंत्री

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि तेलंगाना राज्य में किसानों से धान की खरीद जोरों पर चल रही है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक 6,129 केंद्रों के माध्यम से लगभग 26 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है, जो पिछले वर्ष की तुलना में आठ लाख टन अधिक है।

उन्होंने कहा कि लगभग 4.16 लाख किसानों से धान खरीदा गया था और संबंधित किसानों के खातों में 2,154 करोड़ रुपये पहले ही जमा किए जा चुके हैं। मंत्री कमलाकर ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा fd सामान्य तौर पर, धान की अधिकांश खरीद हर साल नवंबर और दिसंबर में होती है। इस बार, राज्य सरकार ने खरीद के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। अब, राज्य भर में धान की खरीद सुचारू रूप से चल रही है।

वादों को पूरा करने में टीआरएस और भाजपा दोनों विफल : शब्बीर

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में टीआरएस सरकार और केंद्र में भाजपा सरकार पर किसानों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए, पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने किसानों को आश्वासन दिया कि कांग्रेस उनके अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

शुक्रवार को कामारेड्डी जिले के नरसनपल्ली पाठ राजमपेट में रैतू रचाबंडा कार्यक्रम शुरू करने के बाद बोलते हुए, शब्बीर अली ने कहा कि टीआरएस सरकार किसानों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने एक लाख रुपये तक की फसल कर्ज माफी का वादा किया। एक लाख का भुगतान अभी बाकी है।

हाईकोर्ट ने बीएल संतोष के खिलाफ एसआईटी के नोटिस पर रोक लगाई

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को विधायक अवैध शिकार मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल द्वारा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41-ए के तहत नोटिस पर रोक लगाने का आदेश दिया है। अदालत ने स्थगन आदेश तब जारी किया जब संतोष ने नोटिस को रद्द करने के लिए अदालत का रुख किया क्योंकि इसमें यह उल्लेख नहीं किया गया था कि उसे किस आधार पर तलब किया जा रहा है। अदालत ने आवश्यक सामग्री की कमी का हवाला देते हुए नोटिस पर रोक लगा दी, यह इंगित करते हुए कि धारा 41-ए के तहत एक नोटिस में यह बताना होगा कि किस सबूत या संदेह या किस आधार पर व्यक्ति को बुलाया जा रहा है। संतोष की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील प्रकाश रेड्डी के अनुसार एसआईटी ने नोटिस में इनमें से किसी का भी उल्लेख नहीं किया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नारा लोकेश की 4,000 किलोमीटर पैदल मार्च 27 जनवरी से

अमरावती, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश विधान परिषद के सदस्य और तेलुगु देशम के महासचिव नारा लोकेश 27 जनवरी, 2023 से 'पदयात्रा' (पैदल मार्च) शुरू करेंगे, क्योंकि उनकी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस से सत्ता वापस लेने की कोशिश कर रही है।

पिछले कुछ समय से लोकेश के रणनीतिक कदम के बारे में बात हो रही है, क्योंकि उन्हें तेदेपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में भी देखा जाता है, लेकिन अब उन्होंने अपनी पदयात्रा योजना को आधिकारिक बना दिया। उन्होंने मंगलागिरी में तेदेपा कार्यकर्ताओं से औपचारिक रूप से कहा कि 400 दिनों के लिए, मैं राज्य भर में 4,000 किलोमीटर से अधिक पैदल चलूंगा। चंद्रबाबू नायडू के बेटे 39 वर्षीय लोकेश 2019 में मंगलागिरी निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव हार गए, जो एपी के राजधानी क्षेत्र अमरावती का हिस्सा है। मुझे लगता है कि मंगलगिरि अब हमारा गढ़ बन गया है। मैं इसे अब आपके हाथ में छोड़ रहा हूं, क्योंकि मैं 27 जनवरी से पूरे राज्य का दौरा करूंगा। जगन मोहन रेड्डी हमारे गढ़ को तोड़ने के लिए कोई शस्त्रागार नहीं छोड़ेंगे, इसलिए हमें बहुत सावधान रहना होगा, उन्होंने तेदेपा से कहा संवर्ग अप्रैल-मई 2024 में एपी में आम चुनाव होने हैं। राजनीतिक नेताओं ने वर्षों से पदयात्रा को सत्ता के मार्ग के रूप में चुना है। 2003 में उनका पैदल मार्च था जिसने 2004 में तत्कालीन संयुक्त राज्य में वाई एस राजशेखर रेड्डी को सत्ता में लाने के लिए प्रेरित किया। 2014 में सत्ता में वापसी के लिए चंद्रबाबू नायडू ने 2012-13 में भी यही तरीका अपनाया था। वाईएसआरसी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी को भी 2019 में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया गया था, 2018 में उनकी 3,680 किलोमीटर की पदयात्रा शेष राज्य में है।

पासपोर्ट सेवा केंद्र की ऑपएंटमेंट शनिवार को पुनर्निर्धारित

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 22 नवंबर को कुछ तकनीकी मुद्दों के कारण, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, हैदराबाद के अधिकार क्षेत्र में 5 पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) और 14 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीओपीएसके) में संचालन बाधित हुआ। आवेदकों को सूचित किया गया है कि उनकी नियुक्तियों को एक और तारीख के लिए पुनर्निर्धारित करने की सूचना उन्हें दी जाएगी।

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, हैदराबाद ने तद्नुसार नलगोंडा और खम्मम में 5 पीएसके और 2 पीओपीएसके को शनिवार यानी 26. नवंबर को उन आवेदकों के आवेदनों पर कार्रवाई करने के लिए खुला रखने का निर्णय लिया है, जिन्हें 22 नवंबर को संसाधित नहीं किया जा सकता है। ऐसे आवेदकों को अपनी नियुक्तियों को शनिवार को पुनर्निर्धारित करने के बारे में एसएमएस के माध्यम से सूचित किया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ऐसे एसएमएस प्राप्त करने वाले सभी आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने निर्धारित समय और स्लॉट की पुष्टि करने के बाद संबंधित केंद्रों पर जाएं और अपने आवेदन जमा करें।

कांस्टेबल द्वारा पीटा गया व्यक्ति ने की आत्महत्या, मौत

कोत्तागुडेम, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पालोनचा ग्रामीण थाने में कथित तौर पर एक सिपाही द्वारा पीटे जाने वाले एक व्यक्ति की गुरुवार को आत्महत्या किये जाने से मौत हो गई। पलोंचा मंडल के गजुलगुडेम के गुगुलोथ वीरन्ना (25) एक छोटी सी दुकान चलाते थे। कथित तौर पर एक सप्ताह पहले एक मामले के सिलसिले में एक कांस्टेबल रामुलु नाइक ने उनकी पिटाई की थी। घटना से परेशान होकर उसने कथित तौर पर जहर खा लिया और खम्मम में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जब वह अस्पताल में था, उसके परिवार के सदस्यों ने एक वीडियो बयान दर्ज किया जिसमें उसने नाइक पर उसे बुरी तरह से पीटा और अपशब्दों को फेंकने का आरोप लगाया।

परिजनों ने पुलिस से सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

29 नवंबर को एसआईटी के सामने पेश होंगे रघुराम कृष्ण राजू

हैदराबाद, 25 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश राज्य से सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी पार्टी के बागी सांसद रघुराम कृष्ण राजू ने आज कहा कि वह 29 नवंबर में सनसनीखेज विधायक अवैध शिकार घोटाले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होंगे। आज मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राजू ने कहा कि उन्हें एसआईटी से नोटिस मिला है और उन्होंने कहा कि उन्हें निर्धारित तिथि पर सुबह 10.30 बजे पेश होने के लिए कहा गया है। यह बताते हुए कि वह सार्वजनिक जीवन में हैं, राजू ने कहा कि उन्हें बिना किसी भेदभाव और अंतर के किसी के भी साथ फोटो खिंचवाना होगा।

यह कहते हुए कि एपी सीएम वाईएस जगनमोहन रेड्डी 32 आपराधिक मामलों में आरोपी हैं, राजू ने कहा कि 150 विधायक, जो वाईएस जगन के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं, उन्हें अपराधी कहा जा सकता है। यह देखते हुए कि एक आरोपी नंद कुमार की केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ तस्वीरें हैं, उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या एसआईटी मामले में केंद्रीय मंत्री को नोटिस जारी करेगी।

यह कहते हुए कि उन्होंने टीआरएस सरकार के खिलाफ कभी भी नकारात्मक टिप्पणी नहीं की, उन्होंने कहा कि उन्होंने कई मौकों पर राज्य सरकार के काम के प्रदर्शन की प्रशंसा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएम केसीआर किसी को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे क्योंकि वह एक अच्छे शासक हैं। राजू ने यह भी स्पष्ट किया कि वह राज्य की राजधानी में बसे हुए थे और हैदराबाद शहर में उनके जैसे कई लोग हैं। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ एक झूठा अभियान चलाया जा रहा था जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने 100 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.